ಶುಭ್ ಲಾಭ್
खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ DAILY
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

कैबिनेट में फेरबदल कांग्रेस आलाकमान से परामर्श के बाद मुख्यमंत्री ...@ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । गुरुवार, 28 नवंबर, 2024 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-6 । अंक-328

ग्रेटर नोएडा से 185 टन गोमांस बरामद, कोल्ड स्टोरेज सील

भैंस का मांस बता कर बिक रहा गोमांस, नौ लोग गिरफ्तार

ममता के राज में कटती हैं गायें, योगी के राज में होता है भंडारण

ग्रेटर नोएडा (यूपी), 27 नवंबर (एजेंसियां)। मुस्लिम तुष्टिकरण की आईकॉन बन चुकी ममता बनर्जी के प्रदेश पश्चिम बंगाल में गायें खुलेआम और अंधाधुंध कट रही हैं। गायों के मांस को भैंस का मांस बता कर उसे उत्तर प्रदेश भेजा जा रहा है और उत्तर प्रदेश से उसे बाहर निर्यात किया जाता है। विडंबना यह है कि पश्चिम बंगाल में कटने वाली गायों के मांस का भंडारण हिंदू हृदय सम्राट योगी आदित्यनाथ के उत्तर प्रदेश में हो रहा है। इस धंधे में पश्चिम बंगाल से लेकर उत्तर प्रदेश तक सरकारी अधिकारी, पुलिस और प्रशासन के लोग लिप्त हैं।

उत्तर प्रदेश पुलिस ने पिछले दिनों ग्रेटर नोएडा में गोमांस की बड़ी खेप बरामद की। इससे एक ऐसे नेटवर्क का खुलासा हुआ जिसने सनातन आस्था वाले लोगों को परेशान कर रख दिया। उजागर हुआ कि ममता बनर्जी के राज में पश्चिम बंगाल में खुल्लमखुल्ला गायें काटी जा रही हैं और गायों का मांस कंटेनर के जरिए योगी आदित्यनाथ के उत्तर प्रदेश स्थित ग्रेटर नोएडा लाकर रखा जा रहा है। ग्रेटर नोएडा स्थित एक कोल्ड स्टोरेज में गोमांस स्टोर किया जाता था। फिर उसे दिल्ली, एनसीआर, उत्तराखंड और अन्य राज्यों में सप्लाई किया जाता था।

यह धंधा लंबे अर्से से चल रहा था जिसमें पुलिस और प्रशासन के अधिकारियों से लेकर सरकारी कर्मचारी और माफिया तत्व लिप्त थे और पैसे कमा रहे थे।

पुलिस ने आधिकारिक तौर पर 185 टन गोमांस बरामद किए जाने की बात कही, लेकिन गोरक्षा हिंदू दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष वेद नागर का दावा है कि करीब 250 टन गोमांस पकड़ा गया था। उनका यह भी कहना है कि कंटेनर से गोमांस की सप्लाई की सूचना उन्हें ही मेवात के गोरक्षक दल से मिली थी। लोनी से भाजपा विधायक नंद किशोर गुर्जर का कहना है कि बरामद किए गए गोमांस को देख कर अंदाजा लगाया जा सकता है कि उसके लिए कम से कम आठ हजार गायों को काटा गया होगा। इस काले और अधर्मी धंधे में लखनऊ में बैठे दो बड़े अधिकारियों और सरकारी कर्मचारियों के लिप्त होने की भी बात सामने आई है। लेकिन अभी इनके नाम सार्वजनिक नहीं किए गए हैं। छानबीन चल रही है। इस मामले में पुलिस ने अब तक नौ लोगों को गिरफ्तार किया है। कोल्ड स्टोरेज पर बुलडोजर चलाने और आरोपियों पर राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत कार्रवाई किए जाने पर विचार हो रहा है।

गोरक्षा संगठन के सदस्यों ने बताया कि पश्चिम बंगाल से गोमांस आने की सूचना मिलने पर एक संदिग्ध ट्रक (एचआर 38 एई 9185) को रोक कर तलाशी ली गई। उसमें मांस मिला। तब मामले की सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंच कर मांस के सैम्पल लिए और जांच के लिए भेजा। जांच में यह गोमांस पाया गया। इस ट्रक को शिव शंकर नाम का व्यक्ति चला रहा था जो उत्तर प्रदेश के एटा जिले का रहने वाला है। ट्रक का खलासी सचिन भी एटा का है। दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ में ड्राइवर ने बताया कि वे गोमांस पश्चिम बंगाल से ला रहे थे। इसे थोक भाव में हबीबर मुल्ला से खरीदा गया था। गोमांस से लदा ट्रक गौतम बुद्ध नगर जिला (ग्रेटर नोएडा) के नगला किरानी गांव स्थित एसपीजे कोल्ड स्टोरेज जा रहा था। पुलिस ने कोल्ड स्टोरेज के मालिक पूरन जोशी, डायरेक्टर मोहम्मद खुर्शिदुन नबी ▶10पर

गोमांस की पुष्टि: एसीपी लाइन हाजिर, एसएचओ निलंबित

नोएडा, 27 नवंबर (एजेंसियां)। नोएडा पुलिस कमिश्नर लख्मी सिंह ने दादरी में मीट फैक्ट्री प्रकरण में थाना प्रभारी को सस्पेंड और एसीपी को लाइन हाजिर किया है। इस कार्रवाई के बाद यूपी में फिर मांस के कारोबार का मुद्दा गरमा गया है। यूपी सरकार को पिछले कुछ साल में मांस के कारोबार से दोगुना फायदा हुआ है। मांस निर्यात में देश के टॉप सात जिलों में पांच यूपी के हैं। जबकि यूपी में भाजपा यानी योगी आदित्यनाथ की सरकार है।

पिछले साल यूपी ने 17 हजार करोड़ से ज्यादा का भैंस का मांस निर्यात किया था। इस साल यानी 2024 में सिर्फ छह महीने में 9 हजार करोड़ का निर्यात हुआ। इस वित्तीय वर्ष में अप्रैल से अगस्त तक यूपी से 2.41 लाख किलो भैंस का मीट निर्यात किया गया। इसकी कीमत करीब 6769 करोड़ रुपए है। जबकि पिछले वित्तीय वर्ष में 7.36 लाख किलो मीट निर्यात किया गया था। इस मीट की कीमत करीब 17682 करोड़ रुपए है। यूपी आंध्र प्रदेश और पश्चिम बंगाल से आगे निकल गया है। माना जा रहा है कि इतनी तेज वृद्धि ने सरकार को सचेत कर दिया था कि कहीं मानकों और नियमों की अनदेखी करके मीट का कारोबार तो नहीं किया जा रहा है। भैंस के मांस का ठप्पा लगा कर गाय का मांस तो नहीं भेजा जा रहा है। दादरी की मीट फैक्ट्री में गोमांस की पुष्टि होने से यह बात सच हो गई है कि इस कारोबार में धोखाधड़ी की जा रही है। ▶10पर

जी-7 के विदेश मंत्रियों की बैठक: यूरोप को जयशंकर की दो टूक

अपना हित देखते हुए रूस से कच्चा तेल खरीद रहा है भारत

रोम, 27 नवंबर (एजेंसियां)। भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने यूरोप की धरती से यूरोपीय देशों को सख्त लहजे में बताया कि भारतवर्ष अपने हित को देखते हुए रूस से कच्चा तेल खरीद रहा है। यूरोप के देश या अन्य देश भी अपने हित के तहत

क्या यूरोप अपना हित ताक पर रख कर ले रहा है फैसला?

यूरोप को अन्य देशों से अनुचित अपेक्षा नहीं करना चाहिए

फैसले लेते हैं। कोई देश अपना हित ताक पर नहीं रख देता। अगर ऐसा था तो यूरोपीय देशों ने रूस के साथ अपने व्यापारिक संबंध खत्म क्यों नहीं कर लिए? दुनिया के देशों को सीख देने के बजाय यूरोप को अपने गिरेबान में झांकना चाहिए। जयशंकर ने कहा कि अगर सब कुछ इतने गहरे सिद्धांत का मामला है, तब तो यूरोप को स्वयं ही रूस के साथ अपना सारा कारोबार बंद कर देना चाहिए था।

यूक्रेन में चल रहे संघर्ष के बावजूद रूस से तेल खरीदने की पश्चिमी आलोचना का भारत ने जवाब दिया। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि दुनिया के हर हिस्से के अपने-अपने हित होते हैं और यह समझना जरूरी है। उन्होंने यूरोप के चयनात्मक दृष्टिकोण की आलोचना की और पूछा कि अगर यह सिद्धांतों का मामला है, तो यूरोप ने खुद रूस के साथ अपने कारोबार में कटौती क्यों नहीं की? इटली की राजधानी रोम में भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने दुनिया के अन्य हिस्सों से यूरोप की अनुचित अपेक्षाओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि यूरोप की प्राथमिकताएं स्वाभाविक रूप से एशिया, अफ्रीका या ▶10पर

कार्टून कॉर्नर

एंटनी ब्लिंकन समेत कई समकक्ष नेताओं से मिले जयशंकर

रोम, 27 नवंबर (एजेंसियां)। भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर जी-7 के विदेश मंत्रियों की बैठक के आउटरीच सत्र में भाग लेने के लिए 24 से 26 नवंबर तक इटली की आधिकारिक यात्रा पर थे। उन्होंने अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन से मुलाकात की और दुनिया की स्थिति और लगातार विकसित होती भारत-अमेरिकी साझेदारी पर चर्चा की।एस जयशंकर ने कहा कि अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन से मिलना हमेशा अच्छा लगता है। इस बार इटली के फिउग्गी में मुलाकात हुई, जिसमें दुनिया की स्थिति और भारत-अमेरिका साझेदारी पर चर्चा की, जो आगे बढ़ रही है। जयशंकर ने जापान के विदेश मंत्री ताकेशी इवाया से भी मुलाकात की। ▶10पर

अजरबैजान संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन (कॉप-29)

भारत ने खारिज किया जलवायु वित्त समझौता

बाकू (अजरबैजान), 27 नवंबर (एजेंसियां)। भारत ने अजरबैजान के बाकू में हुए संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन (कॉप-29) में अपनाए गए जलवायु वित्त समझौते को खारिज कर दिया है। भारत ने इस समझौते को ऑप्टिकल भ्रम करार दिया है जो वैश्विक दक्षिण की जरूरतों को पूरा करने में नाकाबिल है। इसे कई विकासशील देशों से विरोध का सामना करना पड़ा है।

भारत ने जलवायु वित्त समझौते को ऑप्टिकल-भ्रम कहा

300 बिलियन डॉलर अपर्याप्त और अदूरदर्शिता से भरा हुआ

भारत के वित्त मंत्रालय में सलाहकार और कॉप-29 में देश की प्रमुख वार्ताकारों में से एक चांदनी रैना ने इस समझौते को अपर्याप्त और असमान बताया। रैना ने कहा, प्रस्तावित लक्ष्य हमारे मुद्दों को हल नहीं करेगा। इसके लिए सुझाई गई राशि बेहद अपर्याप्त है। यह एक छोटी राशि है जो प्रभावी जलवायु कार्रवाई को सक्षम नहीं करेगी। भारत की आलोचना विकासशील देशों के बीच व्यापक असंतोष को रेखांकित करती है, जो तर्क देते हैं कि 300 बिलियन डॉलर का लक्ष्य संवेदनशील क्षेत्रों में जलवायु परिवर्तन के विनाशकारी प्रभावों को संबोधित करने के लिए आवश्यक धन के पैमाने को नहीं दर्शाता है। वैश्विक दक्षिण के कई देश चरम मौसम की घटनाओं, बढ़ते समुद्री स्तर और रेगिस्तानीकरण से जूझ रहे हैं, वित्तीय अंतर अभी भी महत्वपूर्ण बना हुआ है। विभिन्न अंतरराष्ट्रीय अध्ययनों के अनुमान बताते हैं कि 2030 तक प्रभावी जलवायु कार्रवाई के लिए कम से कम 5.1 से 6.8 ट्रिलियन डॉलर की आवश्यकता होगी। यह आंकड़ा कॉप-29 में सहमत नए सामूहिक परिमाणित लक्ष्य से कहीं अधिक है।

इस समझौते में यह प्रावधान है कि विकसित देश वित्तपोषण प्रदान करने में अग्रणी भूमिका निभाएंगे, जबकि विकासशील देश स्वेच्छा से योगदान देंगे। हालांकि, भारत और अन्य विकासशील देश इसे जिम्मेदारी का अनुचित हस्तांतरण मानते हैं। रैना ने विकासशील देशों से जलवायु वित्त पोषण में योगदान की अपेक्षा को अस्वीकार्य और धनी देशों द्वारा जवाबदेही से जानबूझकर बचने वाला कदम बताया। रैना ने इस समझौते को अपनाने की प्रक्रिया की भी आलोचना की और शिखर सम्मेलन के आयोजकों पर भारत की आपत्तियों को दरकिनार करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, मुझे यह कहते हुए खेद है कि यह दस्तावेज एक भ्रम से ज़्यादा कुछ नहीं है। हम इसे अपनाने का विरोध करते हैं, उन्होंने इस बात पर दुख जताया कि घोषणा से पहले भारत को अपनी चिंताओं को व्यक्त करने का अवसर नहीं दिया गया।

भारत ही ऐसा अकेला देश नहीं है जिसने इस पर असहमति जताई है। अन्य विकासशील देशों के प्रतिनिधियों ने भी इसी तरह की भावनाएं व्यक्त की हैं। नाइजीरियाई प्रतिनिधि ने 300 बिलियन डॉलर के लक्ष्य को मजाक बताया, जबकि बोलीविया के प्रतिनिधि ने इसे अपमान और न्याय तथा जलवायु समानता का घोर उल्लंघन बताया। 50 से अधिक अफ्रीकी देशों का प्रतिनिधित्व करने वाले अली मोहम्मद ने इस बात पर ज़ोर दिया कि वैश्विक उत्सर्जन में सबसे कम योगदान देने के बावजूद जलवायु विनाश का ▶10पर

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 78,620/-
(प्रति 10 ग्राम)
चाँदी : 91,000/-
(प्रति किलोग्राम)

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 30°
न्यूनतम : 22°

हिंद-प्रशांत के चार देशों में सौर परियोजनाएं शुरू करेगा भारत

20 लाख डॉलर के निवेश समझौते पर हस्ताक्षर

नई दिल्ली, 27 नवंबर (एजेंसियां)। भारत सरकार ने फिजी, कोमोरोस, मेडागास्कर और सेशेल्स में 20 लाख डॉलर की सौर परियोजनाओं को संचालित करने के लिए अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन (आईएसए) के साथ एक परियोजना कार्यान्वयन समझौते पर हस्ताक्षर किया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया कि भारत की ओर से क्वाड जलवायु कार्य समूह की पहल के तहत हिंद प्रशांत देशों में नई सौर परियोजनाओं में 20 लाख डॉलर का निवेश करने की प्रतिबद्धता जताई गई है। फिजी, कोमोरोस, मेडागास्कर और सेशेल्स में सौर परियोजनाएं संचालित करने के लिए आईएसए के साथ समझौते पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

21 सितंबर को अमेरिका के डेलावेयर में क्वाड लीडर्स शिखर सम्मेलन में जारी विलमिंगटन घोषणा में कहा गया था कि क्वाड देश सहयोगी देशों में पूरक और उच्च-मानक निजी क्षेत्र के निवेश को बढ़ावा देने की अपनी प्रतिबद्धता को क्रियान्वित करने के लिए नीति और सार्वजनिक वित्त के माध्यम से मिलकर काम करेंगे। इसमें यह भी कहा गया था कि ये देश स्वच्छ ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखला में भागीदार बनें। आगामी परियोजनाओं के माध्यम से भारत इन देशों में कृषि उत्पादों में आने वाली खराबी, स्वास्थ्य केंद्रों में लगातार बिजली आपूर्ति और दूरदराज के क्षेत्रों में सिंचाई के मुद्दों से निपटने के लिए तत्पर है।

विदेश मंत्रालय ने कहा, आईएसए के एक अध्ययन के अनुसार इन देशों में ग्रिड बिजली आपूर्ति या सौर मिनी ग्रिड की व्यवस्था नहीं हैं। इन देशों में सौर परियोजनाएं शीत भंडारण, ▶10पर

बांग्लादेश में अब इस्कॉन पर प्रतिबंध लगाने की तैयारी

हिंदू आस्था की प्रतीक संस्थाओं पर सरकारी हमला

ढाका, 27 नवंबर (एजेंसियां)। इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर कृष्णा कॉन्शसनेस (इस्कॉन) के बांग्लादेश प्रमुख चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी के बाद अब बांग्लादेश सरकार इस्कॉन पर प्रतिबंध लगाने की तैयारी कर रही है। बांग्लादेश की यह कार्रवाई साफ तौर पर हिंदू आस्था की प्रतीक संस्थाओं पर सरकारी हमला है। इस्कॉन प्रमुख की गिरफ्तारी पर भारत सरकार की चिंता और चेतावनी से बांग्लादेश की इस्लामिक कट्टरपंथी सरकार बौखला उठी है। पाकिस्तान बनने की कोशिश कर रहे बांग्लादेश को इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा।

बांग्लादेश में इस्कॉन को लेकर हाईकोर्ट में सरकार प्रेरित एक याचिका दाखिल हुई है। इस याचिका में इस्कॉन पर प्रतिबंध लगाने की मांग की गई है। बड़े ही नियोजित तरीके से बांग्लादेश सरकार ने इस्कॉन को धार्मिक रूढ़िवादी संगठन बताते हुए कहा कि वह इसकी जांच कर रही है। बांग्लादेश में यह पूरा घटनाक्रम इस्कॉन प्रमुख चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी के मद्देनजर जारी है। प्रायोजित नाटक की तरह कोर्ट ने बांग्लादेश के अटॉर्नी जनरल से इस्कॉन के बारे में जानकारी मांगी और पूछा कि बांग्लादेश में इसकी स्थापना कैसे हुई। इस पर अटॉर्नी जनरल ने कहा कि यह संगठन कोई राजनीतिक दल नहीं है। यह एक रूढ़िवादी संगठन है। सरकार पहले ही इसकी जांच कर रही है। इसके बाद हाईकोर्ट ने अटॉर्नी जनरल को निर्देश दिया कि वह इस्कॉन पर सरकार का पक्ष रखें और कानूनी स्थिति के बारे में बताएं। ▶10पर

जेबीएन वी प्रेन्योर्स जैसे मंच राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे: रणजीत सोलंकी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

पगारिया जेबीएन वी प्रेन्योर्स ने जितो कार्यालय, चामराजपेट में एक गतिशील और प्रेरणादायक बैठक का आयोजन किया। यह जीवंत ऑल-वूमेन रेफरल समूह व्यवसायिक संपर्कों को बढ़ाने, रेफरल का आदान-प्रदान करने और सामूहिक व्यवसायिक वृद्धि को प्रोत्साहित करने के लिए एकत्र हुआ।

जीतो साउथ चैप्टर के चेयरमैन रणजीत सोलंकी ने मेजबानी की। रणजीत सोलंकी ने इस बात पर प्रकाश डाला कि आज की महिला उद्यमी न केवल सफल व्यवसाय चला रही हैं बल्कि मजबूत नैतिक मूल्यों का पालन करते हुए दूसरों के लिए मिसाल पेश कर रही हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि जेबीएन वी प्रेन्योर्स जैसे मंच राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं, क्योंकि महिला उद्यमी आर्थिक वृद्धि में सक्रिय योगदान दे रही हैं। उन्होंने समूह को प्रेरित करते हुए कहा, यहां उपस्थित हर महिला में अपने

साथ-साथ दूसरों को भी विकसित करने, बढ़ाने और उत्थान करने की क्षमता है, जो सहयोग और साझा सफलता की भावना को बढ़ावा देती है। रणजीत सोलंकी ने यह दोहराया कि जेबीएन वी प्रेन्योर्स केवल व्यवसाय बढ़ाने का मंच नहीं है, बल्कि एक ऐसा समुदाय है, जहां महिलाएं एक-दूसरे को प्रेरित करती हैं, सशक्त बनाती हैं और ऊंचाइयों को हासिल करने में सहयोग करती हैं। कुल्टिवेटेड करट्स की मेहक जैन ने 8 मिनट की प्रस्तुति दी, जिसमें प्रयो-गशाला में निर्मित हीरों की अद्भुत दुनिया की प्रेरणादायक झलक पेश की।

उन्होंने बताया कि लैब-ग्रो डायमंड्स अत्याधुनिक तकनीक का उपयोग करके एक प्रयोगशाला में बनाए जाते हैं, जो प्राकृतिक हीरों के गठन प्रक्रिया की नकल करते हैं। उन्होंने कहा लैब-ग्रो डायमंड्स केवल भविष्य नहीं हैं, वे वर्तमान के लिए एक टिकाऊ विकल्प हैं। सदस्यों को गिफ्टिंग पार्टनर अंजलि मेहता, जो अदाज की मालिक हैं और दैनिक उपयोग के लिए आभूषण बनाने में विशेषज्ञ हैं, की ओर से सुंदर उपहार प्राप्त हुए। बैठक की अध्यक्षता रेफरल हेड नीलम शांड, रेफरल लीड लताशा भंडारी, रेफरल सचिव ज्योति कोचट्टा ने की। नीलम शांड ने प्रेरणादायक शब्दों के साथ सहयोग के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा हमारे जैसे समूह में, हर रेफरल केवल एक व्यावसायिक अवसर नहीं है, यह हमारे विश्वास, समर्थन और साझा विकास की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। प्रत्येक सदस्य को अपने व्यवसाय को प्रस्तुत करने के लिए 30 सेकंड का समय दिया गया, जिससे न केवल नेटवर्किंग को बढ़ावा मिला बल्कि आपसी सहयोग और सशक्तिकरण की भावना भी मजबूत हुई। ज्योति कोचट्टा, रेफरल लीड लताशा भंडारी ने जेबीएन अचीवर्स और जेबीएन वी प्रेन्योर्स के सहयोग से आयोजित 1 दिसंबर के बैडमिंटन टूर्नामेंट की घोषणा की, जिसमें जेबीएन वी प्रेन्योर्स की 8 सदस्य भाग लेंगी। रेफरल सचिव ज्योति कोचट्टा ने रणजीत सोलंकी का धन्यवाद व्यक्त किया। उनकी उपस्थिति ने इस व्यावसायिक बैठक को वास्तव में खास बना दिया। बैठक में जेबीएन वी प्रेन्योर्स की 15 सदस्य और 2 अतिथि उपस्थित थे। सदस्यों के बीच 10500 का व्यवसाय हुआ।

एचएएल हवाई अड्डे का होगा बड़ा नवीनीकरण वाणिज्यिक उड़ानों की होगी अनुमति

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

बेंगलूरु का हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) एयरपोर्ट, जो 2008 में केम्पेगौड़ा अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट के लॉन्च होने से पहले शहर का प्राथमिक विमानन केंद्र हुआ करता था, अब व्यापक परिवर्तन के लिए तैयार है।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) ने इस सुविधा को पुनर्जीवित करने के लिए एक रणनीतिक मास्टर प्लान को मंजूरी दे दी है, जो यात्री सेवाओं के लिए इसके संभावित वापसी का संकेत देता है। वर्तमान में रक्षा विमान, वीआईपी उड़ानों और निजी जेट के लिए समर्पित, हवाई अड्डा प्रतिदिन लगभग 12 छोटे विमानों को संभालता है। इसका चालू एकल रनवे, 3,306 मीटर लंबा और 61 मीटर चौड़ा है, जो चौबीसों घंटे गतिविधियों को सक्षम बनाता है और 30 विमान पार्किंग स्थल प्रदान करता है। महत्वाकांक्षी पुनर्विकास रणनीति का लक्ष्य 2047 तक सालाना 40 लाख यात्री क्षमता हासिल करना है, जिसमें व्यस्त समय के दौरान 2,500 यात्रियों को समायोजित करने के लिए बुनियादी ढाँचा है। योजना के चरण 1 में हवाई अड्डे के पदचिह्न को 21,885 वर्ग मीटर से बढ़ाकर 32,000 वर्ग मीटर करना शामिल है। इस परियोजना में मौजूदा टर्मिनल को अलग-अलग आगमन और प्रस्थान स्तरों वाली आधुनिक सुविधा से बदलना, 500 वाहनों के लिए बहु-स्तरीय पार्किंग सुविधा का निर्माण करना और टर्मिनल की पहुँच सड़क को दो से चार लेन में अपग्रेड करना शामिल है।

2008 में वाणिज्यिक परिचालन को निलंबित करने से पहले, एचएएल एयरपोर्ट ने 2007-08 वित्तीय वर्ष में 10 लाख से अधिक यात्रियों का प्रबंधन किया था। बेंगलूरु इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (बीआईएएल) के साथ एयरपोर्ट का अनन्य समझौता, जो वर्तमान में 150 किलोमीटर के दायरे में अन्य एयरपोर्ट को प्रतिबंधित करता है, 24 मई, 2033 को समाप्त होने वाला है। समाप्ति पर, एचएएल एयरपोर्ट नागरिक परिचालन को फिर से शुरू करने के लिए तैयार है, जो प्रभावी रूप से बेंगलूरु का दूसरा एयरपोर्ट बन जाएगा। विमानन अधिकारी पुनर्निर्मित एचएएल एयरपोर्ट को क्षेत्रीय संपर्क योजना (उड़ान) को लागू करने में एक महत्वपूर्ण घटक के रूप में देखते हैं, जो संभावित रूप से आस-पास के शहरों के लिए बेहतर संपर्क की सुविधा प्रदान करता है और केम्पेगौड़ा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर यात्री यातायात के दबाव को कम करता है।

राजेश चावत कर्नाटक राज्योत्सव पुरस्कार 2024 से सम्मानित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

द न्यूज पेपर एसोसिएशन ऑफ कर्नाटक के तत्वावधान में कर्नाटक राज्योत्सव प्रशस्ति 2024, बेंगलूरु के टाउन हॉल में आयोजित किया गया। इसके संस्थापक अध्यक्ष सरवन लक्ष्मण के नेतृत्व में कर्नाटक के अनेक क्षेत्रों में उल्लेखनीय सेवा देने वाले व्यक्तियों का चयन कर सम्मानित किया गया। इस वर्ष 68 लोगों को सम्मानित किया गया, जिसमें व्यापार वाणिज्य एवं सेवा कार्य के क्षेत्र में प्रेम ज्वैलर्स के मुख्य राजेश चावत को पुरस्कृत किया गया। जैन युवा संगठन से दिनेश खिवेंसरा, राजेश बांठिया, रूप चंद कुमट, तेरापंथ समाज से श्रेयांस गोलेछा, अभिषेक कावड़िया, परिवार से पत्नी ममता, चिराग चावत, खुशी दलाल, लता दक ने राजेश चावत को बधाई दी। राजस्थानी मित्र मंडल के अध्यक्ष महेन्द्र टेबा एवं चंद्रशेखर की विशेष उपस्थिति रही।

प्रदेश भाजपा में गुटबाजी चरम पर, वरिष्ठों ने साध रखी है चुप्पी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य भाजपा में गुटबाजी खत्म होने का नाम नहीं ले रही है। भाजपा में दो गुटों ने खुलेआम जंग का ऐलान कर दिया है और आरोप-प्रत्यारोप तेज हो गए हैं। यतनाल और विजयेंद्र का गुट पार्टी के संगठन पर गंभीर असर डाल रहा है और वरिष्ठों की चुप्पी को लेकर आलोचना भी शुरू हो गई है। फिर सवाल उठता है कि आखिर वरिष्ठों की चुप्पी की वजह क्या है। यह पहली बार नहीं है कि यतनाल ने प्रदेश भाजपा नेतृत्व के खिलाफ बगावत की है। जब बीएस येदियुरप्पा राज्य के मुख्यमंत्री थे तब यतनाल ने येदियुरप्पा पर कई गंभीर आरोप भी लगाए थे। साथ ही विजयेंद्र प्रशासन में किस तरह से दखल दे रहे हैं, इस पर भी गंभीर आरोप लगाए थे। उस अवसर पर,

यतनाल अकेले ही बीएसवाई परिवार के खिलाफ बिगुल फूंक रहे थे। लेकिन तब भी उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई। यतनाल ने येदियुरप्पा के खिलाफ वरिष्ठ नेताओं से शिकायत की, लेकिन केवल नोटिस जारी किया गया, कोई गंभीर कार्रवाई नहीं की गई। राज्य नेतृत्व को यतनाल के खिलाफ कार्रवाई करने की इजाजत नहीं है। यह केंद्रीय अनुशासन समिति के दायरे में आता है। उस वक्त केंद्र के नेताओं ने भी यतनाल के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की थी। उन्होंने सिर्फ बहाना बनाकर नोटिस देकर अपना पल्ला झाड़ लिया। यतनाल ने इसका जवाब दिया और हमेशा की तरह बीएसवाई परिवार के खिलाफ अपना हमला जारी रखा। राज्य में हो रहे विकास पर वरिष्ठों के चुप रहने से यतनाल को भी ताकत मिली। यतनाल टीम भी अब बढ़ रही है। इस टीम में रमेश जारकीहोली, बीपी हरीश, कुमार बंगारप्पा समेत कई नेता शामिल हुए हैं। प्रताप सिम्हा भी लगातार नजर आ रहे हैं। अब यतनाल तेज आवाज में विजयेंद्र गुट को चुनौती दे रहे हैं। पिछले विधानसभा चुनाव में राज्य भाजपा में बीएसवाई गुट को पूरी तरह से नजरअंदाज कर दिया गया था। नतीजा यह हुआ कि चुनाव में भी भाजपा को करारी हार का सामना करना पड़ा। बाद में फिर दिल्ली में प्रदेश भाजपा के कुछ नेताओं के विरोध के बावजूद भाजपा आलाकमान नेताओं ने बीएसवाई गुट को तरजीह दी। लेकिन विरोधी गुट इस बात को मानने को तैयार नहीं है। विरोधी गुट ने विजयेंद्र पर सभी को विश्वास में न लेने का आरोप लगाया है। निर्णय लेते समय, यह एक अकेले व्यक्ति का निर्णय बन जाता है। आरोप सुनने को मिल रहे हैं कि पार्टी के वरिष्ठ नेताओं को तवज्जो नहीं दी जा रही है। इस पृष्ठभूमि में, यतनाल टीम ने एक अलग रास्ता अपनाया है। कमल खेमे में यह बात सुनने में आ रही है कि प्रदेश भाजपा के कुछ नेता, जिनकी आलाकमान स्तर पर पहचान है, उन्हें इसका समर्थन प्राप्त है। यह विशिष्ट वर्ग का अप्रत्यक्ष समर्थन है जिसने यतनाल टीम को मजबूत किया है। इसी पृष्ठभूमि में विजयेंद्र ने लगातार हमले किए हैं। हालाँकि यतनाल टीम का इस्तेमाल दिल्ली में रह रहे कुछ लोगों ने विजयेंद्र को अपमानित करने के लिए किया था, जिन्हें राज्य में अध्यक्ष के रूप में चुना गया था, लेकिन अब यह नियंत्रण से बाहर हो रहा है। इसके चलते राज्य भाजपा में असंतोष भड़क गया है। लेकिन क्या आलाकमान इस पर रोक लगाने के लिए आगे आएगा, इस सवाल ने कौतुहल पैदा कर दिया है।

एक बैंक और दो स्कूलों में बम की अफवाह से दहशत

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

एचएसबीसी बैंक को बुधवार दोपहर एक ईमेल मिला, जिसमें दावा किया गया था कि बेंगलूरु में एमजी रोड शाखा में बम रखा गया है, जिसके बाद पुलिस हरकत में आई।

डीसीपी ईस्ट डिवीजन ने बताया कि बम की धमकी के बाद हल-सुरु पुलिस स्टेशन के अधिकारी तुरंत मौके पर पहुंचे और परिसर की गहन तलाशी ली। बाद में पता चला कि यह धमकी एक धोखा थी।

बेंगलूरु के ट्रिनिटी सर्कल में एचएसबीसी बैंक को बम की धमकी वाला एक मेल मिला। पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और जांच की।

कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला और इसे एक झूठी बम धमकी घोषित किया गया। पुलिस ने ईमेल भेजने वाले अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। रेजिडेंसी रोड पर बिशप कॉटन बॉयज स्कूल और सेंट मार्क रोड पर बिशप कॉटन गर्ल्स स्कूल को मंगलवार को विस्फोटकों की चेतावनी वाला एक ईमेल भेजा गया था।

स्कूल परिसर का निरीक्षण करने के बाद, अधिकार क्षेत्र वाली कब्बन पार्क पुलिस ने पुष्टि की कि ईमेल एक धोखा था। अधिकारियों के अनुसार, मंगलवार को दो अलग-अलग मामले दर्ज किए गए।

मुडा घोटाला मामला

सीएम सिद्धरामैया की पत्नी और 11 अन्य के खिलाफ कोर्ट में याचिका दायर

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) घोटाले में कर्नाटक लोकायुक्त और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा जारी जांच के बीच, सीएम सिद्धरामैया की पत्नी डीएम पार्वती और 11 अन्य के खिलाफ उन्हें उपहार में दी गई जमीन के स्वामित्व के संबंध में स्थानीय कोर्ट में एक सिविल याचिका दायर की गई है।

यह याचिका मैसूरु में सातवें अतिरिक्त वरिष्ठ सिविल न्यायाधीश और न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी (जेएमएफसी) के समक्ष जमुना द्वारा दायर की गई थी, जो मुडा घोटाले के चौथे आरोपी और जमीन के मालिक जे. देवराजू की भतीजी है। जमुना देवराजू के बड़े भाई मायलारैया की बेटी है।

जमुना ने अपनी याचिका में कहा है कि सीएम सिद्धरामैया की पत्नी पार्वती को उपहार में दी गई जमीन देवराजू की नहीं है। उन्होंने दावा किया कि उनके पिता दिवंगत माइलारैया ही असली मालिक थे। सीएम के साले मल्लिकार्जुन स्वामी ने देवराजू से जमीन खरीदकर अपनी बहन सीएम की पत्नी पार्वती को उपहार में दी थी। याचिकाकर्ता जमुना ने कहा कि उनके चाचा देवराजू ने जमीन को धोखाधड़ी से मल्लिकार्जुन स्वामी को बेच दिया था। जमीन उनके पिता माइलारैया के नाम पर थी। उन्होंने आर-

ोप लगाया कि देवराजू ने उनकी मां और भाई मंजूनाथ स्वामी से उनके हस्ताक्षर ले लिए और कहा कि संपत्ति का स्वामित्व उनके नाम पर स्थानांतरित कर दिया जाएगा। बाद में इसे धोखाधड़ी से बेच दिया गया। उन्होंने कहा हमें मुआवजे की जरूरत है और इस संबंध में हमने अदालत का दरवाजा खटखटाया है। याचिकाकर्ता जमुना ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि उन्हें मीडिया के माध्यम से सीएम सिद्धरामैया के साले को उनकी जमीन बेचे जाने के बारे में पता चला और बाद में उन्होंने अदालत में मामला दर्ज कराया। जमुना के भाई मनुजनाथ स्वामी ने कहा है कि देवराजू ने उनके परिवार के साथ धोखाधड़ी की और उनकी जमीन को अपनी संपत्ति बताकर बेच दिया। इसलिए, उनके चाचा, मुडा मामले में आरोपी नंबर चार देवराजू, तीसरे आरोपी सीएम के साले मल्लिकार्जुन स्वामी और दूसरे आरोपी सीएम की पत्नी पार्वती और अन्य के खिलाफ अदालत में मामला दायर किया गया है। उन्होंने दावा किया यह संपत्ति हमें अपने पिता से विरासत में मिली थी और इसे धोखाधड़ी से सीएम सिद्धरामैया के परिवार को बेच दिया गया। इस संबंध में मामला 21 अक्टूबर को दायर किया गया था और मामले की पहली सुनवाई उसी दिन और फिर 20 नवंबर को हुई थी। मामले की अगली सुनवाई 10 जनवरी, 2025 को तय की गई है। सीएम की पत्नी पार्वती को 10वें प्रतिवादी के रूप में नामित किया गया है। मामले में मुडा आयुक्त और मैसूरु जिले के जिला आयुक्त को भी प्रतिवादी के रूप में नामित किया गया है। मुडा मामले में सीएम सिद्धरामैया के परिवार को 14 भूखंडों/साइटों का कथित अवैध आवंटन शामिल है। मैसूरु के बाहरी इलाके के केसारे गांव में विवादित 3.16 एकड़ भूमि के अधिग्रहण के बाद आवंटन किया गया था। इसमें सीएम सिद्धरामैया और अन्य राजनेताओं के समर्थकों को हजारों साइटों का कथित अवैध आवंटन भी शामिल है। कर्नाटक उच्च न्यायालय याचिकाकर्ता स्नेहमयी कृष्णा, जो एक आरटीआई कार्यकर्ता हैं, द्वारा दायर याचिका पर विचार कर रहा है, जिसमें 3.16 एकड़ के भूखंड के अधिग्रहण के मुआवजे के रूप में सीएम सिद्धरामैया की पत्नी को 14 आवासीय स्थलों के 2021 मुडा भूमि आवंटन की केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) से जांच की मांग की गई है। पार्वती सिद्धरामैया ने बाद में 14 आवासीय स्थलों को मुडा को वापस कर दिया। मुडा मामले की जांच कर्नाटक लोकायुक्त द्वारा की जा रही है, और विशेष अदालत ने लोकायुक्त पुलिस को जांच पूरी करने और 24 दिसंबर तक रिपोर्ट जमा करने का आदेश दिया है। उच्च न्यायालय ने जांच पर स्थिति रिपोर्ट भी मांगी है। कर्नाटक लोकायुक्त पुलिस ने 6 नवंबर को सिद्धरामैया से पूछताछ की थी। मामले की जांच के लिए राज्यपाल थावरचंद गहलोत द्वारा दी गई मंजूरी को कर्नाटक उच्च न्यायालय द्वारा बरकरार रखने के बाद स्थानीय अदालत के निर्देशों के आधार पर इसने एक प्राथमिकी दर्ज की थी।

स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडूराव ने केएफडी प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया

अधिकारियों के साथ बैठक की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री दिनेश गुंडूराव ने कहा है कि उनका विभाग इस वर्ष क्यासनूर वन रोग के कारण होने वाली मौतों से बचने के लिए अन्य विभागों के साथ समन्वय करके सभी आवश्यक उपाय करेगा। उन्होंने सागर में तालुका के केएफडी प्रभावित गांवों का दौरा करने के बाद मीडिया से बात की। वायरल संक्रमण से बचने के लिए वैक्सीन बनाने के लिए विभाग भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के संपर्क में था। हैदराबाद स्थित एक कंपनी ने वैक्सीन विकसित करने के लिए काम शुरू कर दिया है। मंत्री ने कहा हमें मार्च 2026 तक ट्रायल के लिए वैक्सीन मिलने की उम्मीद है।

वैक्सीन विकसित करने के लिए 10 करोड़ देने के लिए आईसीएमआर के साथ हमारा समझौता हुआ है। इसके अलावा, मंत्री ने कहा कि विभाग सागर के केएफडी प्रभावित क्षेत्रों और उत्तर कन्नड़ जिलों के कुछ हिस्सों में काम करने के लिए एक मोबाइल क्लिनिक स्थापित करेगा। एक महीने के भीतर यह क्लिनिक चालू हो जाएगा। मंत्री ने बीमारी के प्रसार को रोकने के लिए आवश्यक उपायों पर एक बैठक भी की। बैठक में विधायक बेलूर गोपालकृष्ण, बाल्खीस बानू और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

कैबिनेट में फेरबदल कांग्रेस आलाकमान से परामर्श के बाद मुख्यमंत्री का विशेषाधिकार: जी परमेश्वर

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मंत्रिमंडल में फेरबदल की अटकलों के बीच कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने बुधवार को कहा कि यह मुख्यमंत्री का विशेषाधिकार है और वह प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष और आलाकमान से परामर्श के बाद ही कोई निर्णय लेंगे। उपमुख्यमंत्री और प्रदेश कांग्रेस प्रमुख डी के शिवकुमार ने मंगलवार को बयान दिया जिसमें आने वाले दिनों में मंत्रिमंडल में फेरबदल की संभावना का संकेत दिया गया। उन्होंने कहा कि कुछ मंत्रियों को उनके कार्यकाल के बारे में संदेश दिया गया है। इससे मंत्रिमंडल में फेरबदल की अटकलों को और बल मिला है। परमेश्वर ने संवाददाताओं से कहा मुझे इसके बारे में जानकारी नहीं है। मंत्रिमंडल में फेरबदल मुख्यमंत्री का विशेषाधिकार है। वह प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष से परामर्श करेंगे और इस पर आगे बढ़ेंगे। यह परंपरा रही है। मुझे

नहीं पता कि वे क्या निर्णय लेते हैं। इसे आलाकमान से परामर्श के बाद ही किया जाना चाहिए। शिवकुमार के बयान पर पूछे गए सवाल पर उन्होंने कहा वह (शिवकुमार) पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष हैं, मुझे नहीं पता कि उन्होंने (कुछ मंत्रियों को) क्या संदेश भेजा है। लोकसभा चुनाव के नतीजों के बाद से ही मंत्रिमंडल में फेरबदल और मंत्रियों के कामकाज के मूल्यांकन को लेकर अटकलें लगाई जा रही हैं। मंत्री पद के इच्छुक विधायकों के एक वर्ग की ओर से भी मंत्रिमंडल में शामिल किए जाने की मांग की जा रही है। कुछ ने तो खुले तौर पर मंत्री बनने की इच्छा जताई है। कांग्रेस विधायक एचआर गवियप्पा द्वारा सार्वजनिक रूप से मुख्यमंत्री से विकास कार्यों के लिए धन मुहैया कराने के लिए पांच गारंटी योजनाओं में से कम से कम दो को बंद करने के लिए कहने के बारे में पूछे जाने पर राज्य के गृह मंत्री ने कहा कि किसी भी विधायक के लिए अपने निर्वाचन क्षेत्र के लिए धन मांगना गलत नहीं है, इसलिए गवियप्पा द्वारा अपने निर्वाचन क्षेत्र के लिए धन मांगना गलत नहीं है।

लेकिन दुर्भाग्य से उन्होंने गारंटी योजनाओं के बारे में अपनी निजी राय व्यक्त की है। पार्टी और सरकार ने इसे गंभीरता से लिया है। हमने राज्य के लोगों से वादा किया था कि हम अपने वादे पूरे करेंगे, इसलिए हम उन्हें लागू कर रहे हैं। हम इससे पीछे नहीं हट सकते। पूर्वी बेंगलूरु में एक सर्विस्ड अपार्टमेंट में एक असमिया लड़की की हत्या के बारे में पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए परमेश्वर ने कहा कि इस तरह की घटनाएं एक तरह से शहर को बदनाम करती हैं। यह (कथित हत्या) बहुत ही व्यक्तिगत आधार पर है। वे दोनों (संदिग्ध और पीड़ित) एक-दूसरे को जानते थे और प्यार करते थे। वे एक होटल के कमरे में रुके थे, और उसने उसे वहीं चाकू मार दिया। वे दोनों बाहरी हैं। वह असम से है, और वह केरल से है। पुलिस ऐसी चीजों पर नजर रखती है, लेकिन जब ऐसी घटनाएं होती हैं, तो यह एक तरह से शहर को बदनाम करती हैं। कर्नाटक भोवी विकास निगम में कथित घोटाले में एक संदिग्ध महिला की आत्महत्या के बारे में पूछे जाने पर, मंत्री ने कहा कि जांच जारी है, जांच पूरी होने तक आगे कुछ नहीं कहा जा सकता। कलबुर्गी केंद्रीय कारागार में कैदियों द्वारा जेल अधिकारियों के खिलाफ किए गए विरोध प्रदर्शन पर परमेश्वर ने कहा कि वह इस बारे में महानिदेशक (कारागार) से बात करेंगे। उन्होंने कहा हमने पहले ही सभी जेलों की समीक्षा कर ली है। अगर कोई जरूरत है तो उसे पूरा किया जाएगा। मैं महानिदेशक को निर्देश दूंगा।

बिना संज्ञान में लाए लाखों किसानों के आवेदन किए गए खारिज : सुनील कुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

पूर्व मंत्री वी. सुनीलकुमार ने सरकार की किसान विरोधी कार्रवाई का आरोप लगाते हुए कहा है कि राजस्व विभाग के अधिकारियों ने बगैर हुकुम समिति के संज्ञान में लाए बिना लाखों आवेदन खारिज कर दिए हैं। पहाड़ी और तटीय इलाकों समेत राज्य के लगभग सभी विधानसभा क्षेत्रों में सरकारी विधायकों की अध्यक्षता में यह समिति बनाई गई है। आवेदन की स्वीकृति इसी समिति द्वारा की जानी चाहिए। लेकिन अधिकारियों द्वारा बैठक में चर्चा किए बगैर इस मुद्दे को एकतरफा नकारना असंवैधानिक है। राजस्व मंत्री कृष्णा बायरे गौड़ा ने कहा है कि वह बगैर हुकुम मुद्दे को निपटाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। लेकिन अधिकारी इस बात को सही ठहरा रहे हैं कि आवेदन मंत्री के निर्देश पर छोड़ा गया था। सुनने में आया है कि एक लाख से ज्यादा आवेदन ड्रॉप करने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने मांग की कि सरकार इस संबंध में तत्काल स्पष्टीकरण दे। इस क्षेत्र में कई वर्षों से खेती कर रहे किसान इससे परेशान हैं। आवेदन खारिज करते हुए अधिकारी किसानों का बयान भी दर्ज नहीं कर रहे हैं। इस तरह के एकतरफा व्यवहार को तुरंत रोका जाना चाहिए और किसानों को न्याय दिया जाना चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी है कि अन्यथा उन्हें जमकर संघर्ष करना पड़ेगा।

होटल में युवती की चाकू घोंपकर बेरहमी से हत्या

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

बेंगलूरु के एक सर्विस अपार्टमेंट (होटल) में एक युवती की चाकू घोंपकर बेरहमी से हत्या कर दी गई। हत्या के तीन दिन बाद युवती का शव सर्विस अपार्टमेंट से बरामद हुआ है। पुलिस को हत्या का शक युवती के कथित प्रेमी पर है, जो घटना के बाद से ही फरार है। पुलिस जांच में पता चला है कि प्रेमी और प्रेमिका एक साथ सर्विस अपार्टमेंट पहुंचे थे और उसके दो दिन बाद आरोपी युवक वहां से अकेले निकला और अब उसका फोन भी स्विच ऑफ आ रहा है। पुलिस ने बताया कि असम की रहने वाली माया गोगोई अपने प्रेमी केरल निवासी आरव हारनी के साथ शनिवार को बेंगलूरु के एक सर्विस अपार्टमेंट में दाखिल होते हुए सीसीटीवी में कैद हुई थी। दोनों ने मिलकर इस सर्विस अपार्टमेंट को बुक किया था।

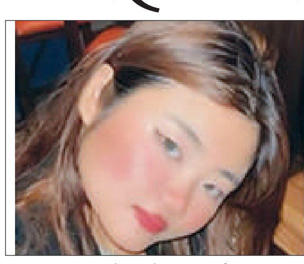

सीसीटीवी फुटेज में दिखाई दिया कि दोनों 23 नवंबर की रात सर्विस अपार्टमेंट पहुंचे, लेकिन 26 तारीख को आरव अकेले ही अपार्टमेंट से बाहर गया। पुलिस के अनुसार, आराव ने चाकू घोंपकर माया की हत्या की और पुलिस का मानना है कि वह अपने साथ चाकू लेकर आया था, जिसके आधार पर अंदाजा लगाया जा रहा है कि वह हत्या की योजना पहले से ही बनाकर ही आया था। आरोपी ने जेप्टो से एक नाइलॉन की रस्सी भी मंगवाई थी। पुलिस को शक है कि आरोपी शायद लाश के टुकड़े करके उसे ठिकाने लगाने की कोशिश में था। हालांकि किसी वजह से उसकी ये योजना कामयाब नहीं हुई। आरव की फरारी के बाद आसपास के लोगों ने कमरे से दुर्गंध आने की जानकारी पुलिस को दी। जब पुलिस मौके पर पहुंची को सड़ी गली हालत में माया का शव बरामद हुआ। मौके पर खून भी फैला हुआ था। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में पता चला है कि माया के सिर और शरीर के अन्य हिस्सों पर भी चोट के निशान हैं। सीने में चाकू लगने से उसकी मौत हुई। माया का प्रेमी आरव फरार है और उसका फोन भी स्विच ऑफ है। पुलिस उसकी तलाश में जुटी है।

निखिल ने योगेश्वर को बताया राजनीतिक डीलर

चेतावनी दी कि वह चुप नहीं रहेंगे

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

जेडीएस नेता निखिल कुमारस्वामी ने अपने राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी पूर्व मंत्री सी पी योगेश्वर पर तीखा हमला करते हुए उन्हें जेडीएस को कमजोर करने के कथित प्रयासों के लिए राजनीतिक डीलर करार दिया है। भाजपा एमएलसी के पद से इस्तीफा देने के बाद कांग्रेस के टिकट पर चन्नपट्टना से जीतने वाले योगेश्वर पर जेडीएस को नष्ट करने की धमकी देने का आरोप लगाया गया है। निखिल, जिन्हें लगातार तीन चुनावों में हार का सामना करना पड़ा है, ने जेडीएस कार्यकर्ताओं को एक पत्र लिखकर दृढ़ रहने का आग्रह किया। उन्होंने चन्नपट्टना में अपनी हार के बावजूद निराशा में न पड़ने या चुप न रहने की कसम खाई। उन्होंने घोषणा की कि हमारी पार्टी और इसके कार्यकर्ता हार के सदमे को झेलने के लिए काफी बहादुर हैं और फिर से उठ खड़े होंगे। हम

कभी भी राजनीतिक डीलरों के सामने नहीं झुकेंगे जो चुनावों के दौरान अपनी जेबें भरने के लिए एक पार्टी से दूसरी पार्टी में कूदते रहते हैं।

हम ऐसी ताकतों के खिलाफ लड़ेंगे। निखिल ने चेतावनी दी कि जेडीएस के विधायक और नेता राजनीतिक बाजार में अवैध धन का उपयोग करके खरीदे जाने वाली वस्तु नहीं हैं। चन्नपट्टना में एनडीए उम्मीदवार के रूप में अपनी हार पर विचार करते हुए, उन्होंने अपने दादा एच डी देवेगौड़ा, पिता और केंद्रीय मंत्री एच डी कुमारस्वामी और बीएस येदियुरप्पा सहित भाजपा नेताओं द्वारा जोरदार प्रचार के बावजूद हार को पूरी तरह से अप्रत्याशित बताया। उन्होंने कहा जेडीएस ने कई असफलताओं का सामना किया है, लेकिन हर पराजय के बाद फीनिक्स की तरह उभरेगा। मैं जेडीएस की लंबी यात्रा में केवल एक साथी यात्री हूँ। उन्होंने पुष्टि की कि जेडीएस और भाजपा कांग्रेस का मुकाबला करने के लिए अपना गठबंधन जारी रखेंगे। निखिल ने आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ कांग्रेस ने चुनाव से ठीक पहले दो महीने के लिए 4,000 रुपये के गृहलक्ष्मी भुगतान का वितरण करके मतदाताओं को जीत लिया। उन्होंने कहा कि मुसलमानों द्वारा जेडीएस-भाजपा गठबंधन से अपना समर्थन कांग्रेस में स्थानांतरित करने के निर्णय ने भी तराजू को झुकाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। हालांकि, उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि जेडीएस आगामी चुनावों में कांग्रेस को हराकर उबर जाएगी। उल्लेखनीय है कि केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के लिए प्रतिष्ठा की लड़ाई का मैदान बने चन्नपट्टना विधानसभा क्षेत्र के उपचुनाव में एनडीए उम्मीदवार निखिल कुमारस्वामी को हार की हैट्रिक का सामना करना पड़ा है। निखिल कुमारस्वामी की हार जहां एनडीए गठबंधन के लिए बड़ा झटका है, वहीं सत्तारूढ़ कांग्रेस का आधार मजबूत है। जेडीएस के गढ़ को घेरने वाली कांग्रेस ने रामनगर जिले की 4 विधानसभा सीटों पर जीत हासिल की है। पिछले विधानसभा चुनाव में रामानगर निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले निखिल कुमारस्वामी हार गए थे। 2019 के लोकसभा चुनावों में, उन्होंने कांग्रेस और जेडीएस गठबंधन के उम्मीदवार के रूप में मांड्या लोकसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ा और अभिनेत्री सुमलता से हार गए, जो एक स्वतंत्र उम्मीदवार थीं। अब उन्होंने चन्नपट्टना विधानसभा क्षेत्र के उपचुनाव में बड़ी उम्मीदों के साथ चुनाव लड़ा।

पूर्व प्रधान मंत्री एच. डी. देवेगौड़ा, केंद्रीय मंत्री एच. डी. कुमारस्वामी, वी. सोमन्ना, शोभा करंदलाजे, पूर्व मुख्यमंत्री बी. एस. येदियुरप्पा, सदानंद गौड़ा, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बी. वाई. विजयेंद्र, विधानसभा में विपक्ष के नेता आर. अशोक सहित अन्य बड़े नेताओं ने निखिल कुमारस्वामी के लिए प्रचार किया और वोट मांगे। चुनाव प्रचार में एनडीए उम्मीदवार के लिए कांग्रेस प्रत्याशी योगेश्वर से भी ज्यादा प्रचार किया था। इस निर्वाचन क्षेत्र में, इसे योगेश्वर और निखिल कुमारस्वामी के बजाय कुमारस्वामी और डीके भाइयों के बीच लड़ाई के रूप में चित्रित किया गया था। इस चुनाव परिणाम में निखिल कुमारस्वामी और योगेश्वर का राजनीतिक भविष्य छिपा था। जहां योगेश्वर हार की हैट्रिक से बच गए और अपना राजनीतिक भविष्य पक्का कर लिया, वहीं निखिल को भारी निराशा हाथ लगी।

वोक्कालिगा संत ने भारत में मुसलमानों को मताधिकार से वंचित करने के बयान पर मांगी माफी

समुदाय के प्रति कोई नफरत नहीं

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भारत में मुसलमानों को मताधिकार से वंचित करने का आह्वान करने के एक दिन बाद, विश्व वोक्कालिगा महासंघ मठ के संत श्री कुमार चंद्रशेखरनाथ स्वामी ने बुधवार को अपनी टिप्पणी के लिए माफी मांगी। यहां जारी एक बयान में संत ने कहा मुसलमान भारत के नागरिक हैं और उनके पास मतदान का अधिकार है। मैं अपने मुस्लिम भाइयों से अपने बयान के लिए माफी मांगता हूं, जो जुबान फिसलने के कारण हुआ। मैं यह भी अनुरोध करता हूं कि बयान पर बातचीत जारी न रखें। अपने सांप्रदायिक बयान पर विवाद खड़ा करने वाले संत ने पार्टियों की वोट बैंक की राजनीति को खत्म करने के लिए भारत में मुसलमानों को मताधिकार से वंचित करने का आह्वान किया था। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से जुड़े भारतीय किसान संघ द्वारा यहां फ्रीडम पार्क में आयोजित विरोध प्रदर्शन में संत ने कहा देश का नाम और इसके बारे में लोगों की अच्छी राय हो और अगर ऐसा कानून बनाया जा सकता है जिससे मुस्लिम समुदाय को वोटिंग का

अधिकार न मिले, तो राजनेताओं को ऐसा करना चाहिए। यह विरोध प्रदर्शन वक्फ संपत्तियों के संबंध में किसानों को नोटिस जारी किए जाने के खिलाफ था। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र और विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवडी नारायणस्वामी विरोध प्रदर्शन में मौजूद थे। वक्फ बोर्ड को भंग करने का आग्रह करते हुए संत ने कहा अगर मुसलमानों को वोटिंग का अधिकार नहीं होता, तो वे अपने काम से काम रखते और हर कोई शांति से रह सकता। उन्होंने पाकिस्तान में धार्मिक अल्पसंख्यकों को वोटिंग का अधिकार न दिए जाने का उदाहरण भी दिया और पार्टियों द्वारा की जाने वाली वोट बैंक की राजनीति की आलोचना की। बुधवार को दिए गए बयान में उन्होंने कहा कि पिछले कुछ समय में किसानों को बेदखल करने की कोशिशें की गई हैं, जो पीढ़ियों से जमीन पर खेती कर रहे हैं और किसी भी संगठन द्वारा इस तरह का कदम अस्वीकार्य है। उन्होंने कहा कि सत्तारूढ़ दलों द्वारा विशेष सुविधाएं और कानूनी व्यवस्था बनाने पर पहले भी चर्चा हो चुकी है और एक संयुक्त संसदीय समिति भी गठित की गई है। वोक्कालिगा समुदाय के लोगों को सभी समुदायों के प्रति मूल रूप से सहिष्णु बताते हुए चंद्रशेखरनाथ स्वामी ने कहा कि उन्होंने सभी समुदायों के साथ समान व्यवहार किया है और मुसलमानों के साथ उनके अच्छे संबंध हैं। मैंने मुसलमानों के विवाह समारोहों में भाग लिया है और मुस्लिम समुदाय के लोग मठ में आए हैं। समुदाय के प्रति कोई नफरत नहीं है। महंत के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने कहा कि संविधान के आदर्शों के खिलाफ मुद्दों पर बोलना समझदारी नहीं है। महंत ने संविधान की आकांक्षाओं और समुदायों और धार्मिक समूहों को दिए गए अधिकारों और अवसरों को नहीं पढ़ा है। संविधान इन पहलुओं पर स्पष्ट है। उन्होंने बेंगलूरु में संवाददाताओं से कहा किसी को भी संविधान के खिलाफ नहीं बोलना चाहिए। महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी हेब्बलकर ने विजयपुरा में संवाददाताओं से कहा कि देश में कानून के सामने भारत के राष्ट्रपति और आम आदमी दोनों के साथ समान व्यवहार किया जाता है। संत को समाज का स्वास्थ्य खराब नहीं करना चाहिए। इसके बजाय, उन्हें मार्गदर्शक आत्मा होना चाहिए।

कर्नाटक सरकार के मंत्रिमंडल में हो सकता है फेरबदल

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक सरकार के मंत्रिमंडल में फेरबदल की तैयारी चल रही है। एक कार्यक्रम में अपने भाषण के दौरान डिप्टी सीएम और राज्य कांग्रेस के अध्यक्ष डीके शिवकुमार ने कुछ ऐसे ही संकेत दिए। उन्होंने कहा कि कुछ मंत्रियों को उनके कार्यकाल के बारे में बताया गया है। साथ ही पंचायत अध्यक्षों का कार्यकाल भी दो साल किया गया है। इस समय सीमा के बाद उनको पद छोड़ना होगा। डिप्टी सीएम शिवकुमार ने कहा कि कांग्रेस ने 2004 में राष्ट्रपति के सामने सरकार बनाने का दावा पेश किया था। इस दौरान सोनिया गांधी ने कहा था कि मुझे प्रधानमंत्री का पद नहीं चाहिए। उन्होंने अर्थशास्त्री मनमोहन सिंह को प्रधानमंत्री बनाया था। यह हमारा इतिहास रहा है। हम पंचायत अध्यक्षों का कार्यकाल एक वर्ष, छह महीने या ढाई वर्ष के लिए तय करते हैं और जब हमें उनके कार्यकाल के बाद उन्हें पद से हटाना पड़ता है, तो यह इतना कठिन होता है कि भगवान ही बचाए।

उन्होंने कहा कि अब हमने अध्यक्षों का कार्यकाल दो वर्ष के लिए तय कर दिया है। हमने कुछ मंत्रियों को भी इसके जरिये संदेश दिया है। मैं अभी इस पर चर्चा नहीं करना चाहता। मैं इस सप्ताह के अंत में दिल्ली की अपनी यात्रा के दौरान पार्टी आलाकमान से मुलाकात करुंगा। मंत्रियों के कामकाज की समीक्षा को लेकर शिवकुमार ने कहा कि इस बारे में मुझे जानकारी नहीं है। मुख्यमंत्री, एआईसीसी महासचिव से पूछा जा सकता है। अगर मुझे कुछ पता चलेगा तो मैं जरूर इस पर बात करूंगा। मंत्रिमंडल में बदलाव के संकेत को लेकर शिवकुमार ने कहा कि यह कुछ स्थितियों में होता है। अभी इसके लिए समय है, तत्काल नहीं। दरअसल विधायकों के एक वर्ग ने पार्टी आलाकमान से मंत्रिमंडल में शामिल किए जाने की मांग की है। जबकि कुछ ने खुले तौर पर मंत्री बनने की इच्छा व्यक्त की है।

कोर्ट ने पालतू जानवरों के मालिकों को दी चेतावनी दी, सफाई करें या जुर्माना भरें

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक उच्च न्यायालय ने बेंगलूरु के पार्कों में साफ-सफाई और निगरानी बनाए रखने के लिए कई निर्देश जारी किए हैं, जिसमें पालतू जानवरों के मालिकों के लिए दंड भी शामिल है जो अपने पालतू जानवरों का जिम्मेदारी से प्रबंधन करने में विफल रहते हैं। मुख्य न्यायाधीश एनवी अंजारिया और न्यायमूर्ति केवी अरविंद की खंडपीठ ने कम्पैशन अनलिमिटेड प्लस एक्शन (सीयूपीए) द्वारा दायर एक जनहित याचिका (पीआईएल) का निपटारा करते हुए निर्देश जारी किए। पीठ ने कहा कि पालतू जानवरों के मालिकों पर लगाया जाने वाला जुर्माना, जो अपने पालतू जानवरों के गंदगी के बाद सफाई करने में लापरवाही बरतते हैं, सामान्य सफाई उल्लंघनों के लिए लगाए जाने वाले जुर्माने से अधिक होना चाहिए। अदालत ने बागवानी विभाग और बीबीएमपी के अधिकारियों सहित तीन सदस्यीय टीम के गठन का भी निर्देश दिया, जो शहर

भर के प्रमुख पार्कों और उद्यानों का नियमित निरीक्षण करेगी, सफाई मानकों की निगरानी करेगी और आवश्यकतानुसार सुधारात्मक कार्रवाई की सिफारिश करेगी। मूल रूप से 2021 में दायर की गई जनहित याचिका में तर्क दिया गया था कि गैर-जिम्मेदार पालतू जानवरों के स्वामित्व से सार्वजनिक पार्कों में सफाई से समझौता हो रहा है। हालांकि याचिकाकर्ता ने याचिका वापस लेने की मांग की, लेकिन अदालत ने जनहित पर जोर देते हुए और आवश्यक निर्देश जारी करते हुए इसे अस्वीकार कर दिया। न्यायालय ने कहा कि पालतू जानवरों के मालिकों को अपने कुत्तों को पार्कों में लाने की स्वतंत्रता है, वहीं अन्य लोगों को भी स्वच्छ वातावरण का अधिकार है। जैसा कि ऊपर बताया गया है, उद्यानों और पार्कों के लिए जो सत्य है, वह सभी सार्वजनिक स्थानों के लिए सत्य है, जिसमें खेल के मैदान, मंदिर-स्थल, बस स्टेशन, रेलवे स्टेशन आदि शामिल हैं। स्वच्छ जलवायु और पर्यावरण को बनाए रखने के मुद्दों को संबोधित किया जाना चाहिए, उन पर ध्यान दिया जाना चाहिए और उनका निवारण किया जाना चाहिए। पीठ ने कहा नागरिक और नेटिजेंस वैध रूप से पालतू जानवरों के खतरे से बचने का दावा कर सकते हैं, विशेष रूप से वे जो सभी मामलों में स्वच्छता बनाए रखने में विफल रहते हैं, जिसके लिए जिम्मेदारी कुत्तों के मालिकों के साथ-साथ नागरिक अधिकारियों की भी है। न्यायालय ने अधिकारियों को कर्नाटक पार्क, खेल के मैदान और खुले स्थान (संरक्षण और विनियमन) अधिनियम और ठोस अपशिष्ट प्रबंधन और हैंडलिंग नियमों के प्रावधानों को लागू करने का निर्देश दिया। इसने बेंगलूरु में पार्कों के रखरखाव के लिए पर्याप्त धन के आवंटन का भी निर्देश दिया। बागवानी विभाग और बीबीएमपी से शहर के पार्कों और उद्यानों में नियमित निगरानी और रखरखाव सुनिश्चित करने के लिए एक स्थायी प्रणाली विकसित करने का आग्रह किया गया।

कांग्रेस विधायकों को गारंटी योजनाओं पर सवाल नहीं उठाना चाहिए: उपमुख्यमंत्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने मंगलवार शाम को कहा कि कांग्रेस विधायकों को गारंटी योजनाओं पर सवाल नहीं उठाने चाहिए। गारंटी योजनाओं को रोका नहीं जाएगा। हमने लोगों से गारंटी योजनाओं के बारे में वादा किया है और हम प्रतिबद्ध रहेंगे। कांग्रेस विधायकों को गारंटी योजनाओं पर सवाल नहीं उठाने चाहिए। हम उन विधायकों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू करेंगे जो गारंटी योजनाओं के खिलाफ बोलेंगे। उन्होंने कहा कि अगर कोई अपात्र व्यक्ति इन योजनाओं से लाभान्वित हो रहा है, तो इसकी समीक्षा की जाएगी और इसे ठीक किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इन योजनाओं से प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र में लगभग 250 करोड़ रुपये आते हैं जो विकास कार्यों के लिए हैं। इससे पहले, कांग्रेस विधायक एच.आर. गविप्पा ने कहा कि

सरकार को गारंटी योजनाओं को रोकना चाहिए और इसके बदले धन उपलब्ध कराना चाहिए। उपमुख्यमंत्री ने कहा मुझे नहीं लगता कि उन्होंने ऐसा कोई बयान दिया होगा। अगर उन्होंने ऐसा किया है, तो हम स्पष्टीकरण मांगेंगे और नोटिस जारी करेंगे। उन्हें कारण बताओ नोटिस भी जारी किया जाएगा। मंगलवार को विधायक गवियप्पा ने आलोचनाओं का सामना करने के बाद अपने बयान को वापस लेते हुए कहा कि उनके निर्वाचन क्षेत्र के विकास के लिए धन की कोई कमी नहीं है और गारंटी योजनाओं को किसी भी कीमत पर नहीं रोका जाना चाहिए। केंद्रीय मंत्री प्रल्हाद जोशी के इस बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कि महादयी परियोजना को जल्द ही मंजूरी दी जाएगी, उपमुख्यमंत्री ने कहा कि यह बहुत अच्छी खबर है। उन्होंने कहा महादयी परियोजना को मंजूरी दी जाए। इसी तरह, जैसा कि देवेगौड़ा ने वादा किया था, मेकेदातु परियोजना को भी मंजूरी मिलनी चाहिए। हम अपने राज्य को लाभ पहुंचाने वाली किसी भी सहायता का उपयोग करने के लिए तैयार हैं।

व्हाट्सऐप के जरिए एपीके फाइल डाउनलोड करने के बाद व्यक्ति से लाखों की धोखाधड़ी

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

व्हाट्सऐप के जरिए भेजी गई एपीके फाइल को डाउनलोड करने के बाद एक व्यक्ति के बैंक खाते से लाखों रुपये गायब हो गए, जिसके बाद शहर के सेंट्रल क्राइम स्टेशन में एफआईआर दर्ज कराई गई।

पीड़ित ने बताया कि हाल ही में उसे एक अनजान नंबर से व्हाट्सऐप पर मैसेज मिला। मैसेज के साथ एक एपीके फाइल भेजी गई थी, जिसमें ट्रैफिक नियमों के उल्लंघन की जानकारी थी। फाइल डाउनलोड करने पर उसके मोबाइल पर 16 ओटीपी (वन टाइम पासवर्ड) आए। पीड़ित ने बताया कि उसने ओटीपी किसी से शेयर नहीं किए। हालांकि, जल्द ही उसके क्रेडिट और डेबिट कार्ड का इस्तेमाल करके अनधिकृत लेनदेन का संकेत देने वाले मैसेज आने लगे। पीड़ित ने बताया मेरे क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल करके फ्लिपकार्ट और अमेजन पर 30,400 रुपये का शुल्क लिया गया। मेरे डेबिट कार्ड से 16,700 रुपये कट गए और पे लेटर सर्विस के जरिए 71,496 रुपये ट्रांसफर किए गए। मैंने तुरंत अपने डेबिट और क्रेडिट कार्ड दोनों को ब्लॉक कर दिया। कार्ड ब्लॉक करने के बावजूद, अज्ञात व्यक्तियों ने फ्लिपकार्ट पर खरीद-ारी करने के लिए पीड़ित के एक्सिस बैंक खाते का उपयोग करना जारी रखा, जिसमें 39,398 रुपये का वनप्लस मोबाइल, 32,098 रुपये का मोटोरोला मोबाइल, 12,800 रुपये के एयरपॉड्स, साथ ही 14,700 रुपये और 29,000 रुपये के फ्लिपकार्ट वाउचर और 3,000 रुपये का अमेजन गिफ्ट वाउचर शामिल हैं। ये सभी खरीदारी नई दिल्ली के पते का उपयोग करके की गई थी। कुल मिलाकर, 1,31,396 रुपये उसके एक्सिस बैंक खाते से धोखाधड़ी से स्थानांतरित किए गए थे। पुलिस पीड़ित द्वारा दर्ज की गई शिकायत के आधार पर घटना की जांच कर रही है।

4,720 एकड़ वक्फ भूमि के रिकॉर्ड लॉक

पूर्व सीएम येदियुरप्पा, बोम्मई सरकारों के दौरान उठाए गए कदम

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार ने बीएस येदियुरप्पा और बसवराज बोम्मई के मुख्यमंत्रियों (2019-2023) के कार्यकाल के दौरान अतिक्रमण के तहत लगभग 4,720 एकड़ वक्फ संपत्तियों की पहचान की और उन्हें भूमि अभिलेखों में वक्फ संपत्ति के रूप में चिह्नित किया। अवैध बिक्री को रोकने के लिए, संपत्ति के रिकॉर्ड को लॉक कर दिया गया और ऑनलाइन रिकॉर्ड में उन्हें ध्वजांकित के रूप में प्रदर्शित किया गया। भाजपा सरकार के तहत, पिछड़े वर्गों और अल्पसंख्यकों के कल्याण पर केंद्रित भाजपा विधायक कुमार बंगारप्पा की अध्यक्षता वाली एक विधायी समिति ने वक्फ संपत्तियों

की सुरक्षा के लिए कई बैठकें कीं। समिति, जिसमें सभी दलों के विधायक शामिल थे, ने पाया कि प्रभावशाली व्यक्तियों, व्यापारियों और राजनेताओं ने वक्फ संपत्तियों पर अतिक्रमण किया है। इसने अतिक्रमण हटाने और संपत्तियों की सुरक्षा के लिए सख्त उपाय करने की सिफारिश की। समिति ने पाया कि कई वक्फ संपत्तियों को भूमि अभिलेखों में इस तरह से लेबल नहीं किया गया था, जिससे दुरुपयोग का खतरा बढ़ गया। इसने निर्देश दिया कि इन जमीनों को डिजिटल भूमि प्रबंधन प्रणालियों में वक्फ संपत्तियों के रूप में दर्ज किया जाए। तदनुसार, किसानों और भूस्वामियों सहित चिन्हित अतिक्रमणकारियों को नोटिस जारी किए गए और राजस्व, पंचायत राज और शहरी विकास विभागों द्वारा प्रबंधित भूमि, 'ई-स्वाथु' और ई-आस्थी जैसे सॉफ्टवेयर का उपयोग करके संपत्ति रिकॉर्ड लॉक किए गए। विधानसभा में समिति की पहली रिपोर्ट के समय, केवल कुछ संपत्ति रिकॉर्ड लॉक किए गए थे। 22 सितंबर, 2020 तक, लॉक किए गए क्षेत्र में 1,551 एकड़ शामिल थे। सितंबर 2022 तक यह बढ़कर 4,734 संपत्तियों में 4,720 एकड़ हो गया।

बंद या बंद की गई संपत्तियों को बेचा, उपहार में नहीं दिया जा सकता, हस्तांतरित नहीं किया जा सकता, गिरवी नहीं रखा जा सकता या किसी अन्य लेन-देन के अधीन नहीं किया जा सकता। जवाब में, कई किसानों और भूस्वामियों ने अदालतों का दरवाजा खटखटाया। वित्तीय वर्ष 2018-19 के दौरान, एच डी कुमारस्वामी के नेतृत्व वाली जेडी(एस)-कांग्रेस गठबंधन सरकार ने वक्फ संपत्ति संरक्षण के लिए 3.17 करोड़ रुपये आवंटित किए। येदियुरप्पा के कार्यकाल में यह राशि बढ़ाकर 30.40 करोड़ रुपये कर दी गई। 2020-21 में, भाजपा सरकार ने 10.43 करोड़ रुपये और आवंटित किए, जिससे दो वित्तीय वर्षों में कुल राशि 40.83 करोड़ रुपये हो गई। समिति की रिपोर्ट के अनुसार, इन निधियों का उपयोग रिकॉर्ड अपडेट, सर्वेक्षण, बाड़ लगाने, अतिक्रमण हटाने और वक्फ संपत्तियों से संबंधित कानूनी कार्यवाही के लिए किया गया।

उपचुनाव के नतीजे राज्य सरकार के लिए जनादेश नहीं: बोम्मई

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

पूर्व मुख्यमंत्री और सांसद बसवराज बोम्मई ने कहा कि तीन निर्वाचन क्षेत्रों के लिए हुए उपचुनाव के नतीजे राज्य सरकार के पक्ष में जनादेश नहीं हैं। उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा कि राज्य में कोई विकास नहीं हो रहा है और यहां तक कि सत्तारूढ़ पार्टी के विधायक भी इससे निराश हैं। उपचुनाव आम तौर पर सत्तारूढ़ सरकार के पक्ष में होते हैं। जब भाजपा सत्ता में थी, तो उन्होंने 17 में से 13 उपचुनाव जीते थे। कांग्रेस को इन परिणामों को अपनी सरकार के पक्ष में फैसला मानने की जरूरत नहीं है। यहां तक कि सत्तारूढ़ पार्टी के विधायक भी विकास नहीं होने से निराश हैं। ये परिणाम

उन निर्वाचन क्षेत्रों तक ही सीमित हैं जहां उपचुनाव हुए थे। सांसद ने कहा कि सत्तारूढ़ पार्टी के विधायकों ने खुद अपनी पार्टी के मंचों पर गारंटी योजन-ाओं के कार्यान्वयन को रोकने के बारे में चिंता व्यक्त की है। राज्य सरकार ने उचित वित्तीय व्यवस्था किए बिना इन योजनाओं को लागू किया है। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने एक लाख करोड़ रुपये से अधिक का कर्ज लिया है। राज्य सरकार के लिए वित्तीय प्रबंधन चुनौतीपूर्ण हो गया है। 15वें वित्त आयोग की सिफारिशों के अनुसार, सरकार को ग्राम पंचायतों सहित विभिन्न स्थानीय निकायों को 2,000 करोड़ रुपये से अधिक जारी करने की आवश्यकता है। आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और संविदा कर्मचारियों को उनका वेतन नहीं मिल रहा है। निविदा जारी होने के बाद भी धनराशि जारी नहीं होने के कारण ठेकेदार काम करने के लिए आगे नहीं आ रहे हैं। यह पूछे जाने पर कि क्या भाजपा के भीतर असंतोष बढ़ रहा है, सीएम ने कहा कि भाजपा में कोई असंतोष नहीं है। पार्टी के तहत सभी एकजुट हैं। कुछ मुद्दों पर अलग-अलग राय हैं, लेकिन एक महीने के भीतर सब कुछ हल हो जाएगा। भाजपा के भीतर एक टीम उत्साहपूर्वक काम कर रही है। राज्य में अवैध बंदूक तस्करी नेटवर्क के बारे में एक सवाल का जवाब देते हुए, बोम्मई ने कहा कि राज्य में कानून और व्यवस्था की स्थिति खराब हो गई है। पुलिस स्टेशन संग्रह केंद्र में बदल गए हैं। आतंकवाद का समर्थन करने वालों को बचाया जा रहा है। बांग्लादेशी अप्रवासी राज्य में घुसपैठ कर रहे हैं। अगर ऐसा ही चलता रहा, तो स्थिति को संभालना मुश्किल हो जाएगा।

ऑटोरिक्शा मालिकों और चालकों ने किया विरोध प्रदर्शन

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो।

हुब्बल्ली में ऑटोरिक्शा मालिकों और चालकों ने विरोध मार्च निकाला और अपनी विभिन्न मांगों को पूरा करने की मांग करते हुए ज्ञापन सौंपा। ऑटोरिक्शा मालिकों और चालकों ने कित्तूर चेन्नम्मा सर्कल से विरोध मार्च निकाला और मिनी विधान सौधा तक मार्च किया, जहां तहसीलदार का कार्यालय स्थित है। प्रदर्शन के दौरान प्रदर्शनकारियों ने नगर निगम और जिला प्रशासन के खिलाफ उनकी मांगों को पूरा करने के लिए अपेक्षित कदम उठाने में विफल रहने के लिए नारे लगाए। प्रदर्शनकारियों ने विभिन्न कार्यों और बारिश के कारण क्षतिग्रस्त सड़कों की समस्या को उजागर किया और मरम्मत की मांग की और जुड़वां शहरों में ऑटोरिक्शा स्टैंड के लिए जगह की मांग की। उन्होंने कहा कि 2022 से वे इस मुद्दे को उठा रहे हैं, लेकिन अभी तक कुछ नहीं किया गया है। प्रदर्शनकारियों ने मांग की कि एसोसिएशन के सदस्यों और आम जनता के लाभ के लिए जुड़वां शहरों में आवश्यक संख्या में ऑटोरिक्शा स्टैंड स्थापित किए जाएं। उन्होंने यह भी मांग की कि परमिट नवीनीकरण न कराने पर लगने वाला दंड शुल्क समाप्त किया जाना चाहिए। उन्होंने प्रशासन से आग्रह किया कि हल्के मोटर वाहनों और अन्य द्वारा परमिट उल्लंघन के कारण उनके सामने आने वाली समस्याओं के समाधान के लिए सुधारात्मक उपाय किए जाएं, जो उनके अनुसार उनके जीवन को प्रभावित कर रहे हैं। उन्होंने मांग की कि ऐसे वाहनों को शहर के बाहरी इलाकों में पार्क किया जाना चाहिए। विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व करते हुए, एसोसिएशन के पदाधिकारी शेखरय्या मथापति ने सरकार से क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय (आरटीओ) में ऑटो चालकों के लिए ड्राइविंग ट्रायल आयोजित करने और उन्हें तुरंत लाइसेंस जारी करने के लिए एक सुविधा स्थापित करने के लिए कदम उठाने का आग्रह किया। इसके बाद प्रदर्शनकारियों ने जिला प्रशासन को संबोधित ज्ञापन तालुक अधिकारियों को सौंपा।

वक्फ बोर्ड के दुरुपयोग के खिलाफ भाजपा मजबूती से खड़ी

4 से 6 दिसंबर तक राज्य के दौरे की योजना

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक भाजपा ने वक्फ बोर्ड की संपत्तियों के कुप्रबंधन से जुड़ी शिकायतों को दूर करने के लिए 4 से 6 दिसंबर तक राज्य के दौरे की योजना का खुलासा किया है। हमारी भूमि, हमारा अधिकार के नारे के तहत चल रहे इस अभियान का उद्देश्य नागरिकों और किसानों तक पहुंचना है, ताकि वक्फ बोर्ड से जुड़े भूमि संबंधी मुद्दों के बारे में उनकी शिकायतों और चिंताओं को दर्ज

किया जा सके। भाजपा ने भूमि मालिकों और किसानों के अधिकारों की रक्षा के लिए अपनी प्रतिबद्धता पर जोर दिया है, इसे जन कल्याण और जवाबदेही के मामले के रूप में चित्रित किया है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बी वाई विजयेंद्र, विपक्षी नेता आर अशोक और चलवडी नारायणस्वामी तीन दिवसीय दौरे का नेतृत्व करेंगे। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए, भाजपा कर्नाटक राज्य महासचिव पी राजीव ने अभियान के उद्देश्यों के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि इसका उद्देश्य वक्फ बोर्ड से जुड़ी अनियमितताओं और कथित अतिक्रमणों पर प्रकाश डालना है। धार्मिक और धर्मार्थ उद्देश्यों के लिए बनाई गई संपत्तियों का प्रबंधन करने वाले वक्फ बोर्ड को प्रशासन में कथित खामियों के लिए विभिन्न तिमाहियों से आल-ोचना का सामना करना पड़ा है। भाजपा अभियान का उद्देश्य इन शिकायतों को बढ़ाना है, नागरिकों को अपने अनुभव साझा करने और निवारण की मांग करने के लिए एक मंच प्रदान करना है। इस पहल को शुरू करके, कर्नाटक भाजपा वर्तमान प्रशासन के तहत शासन के मुद्दों पर ध्यान आकर्षित करते हुए खुद को जनहित के चैंपियन के रूप में स्थापित करना चाहती है। यह अभियान ग्रामीण समुदायों से जुड़ने और भविष्य के चुनावों से पहले पूरे राज्य में अपनी उपस्थिति को मजबूत करने की पार्टी की व्यापक रणनीति का भी हिस्सा है।

वैष्णो देवी में रोप-वे विरोधी आंदोलन में रार बढ़ी

जम्मू, 27 नवंबर (ब्यूरो)।
वैष्णोदेवी में रोप-वे विरोधी आंदोलन में रार बढ़ गई है क्योंकि पुलिस ने दो नेताओं को गिरफ्तार करने के साथ ही आठ के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। अधिकारियों ने बताया कि सोमवार को कटड़ा में व्यापारियों और पुलिस के बीच हुई हिंसक झड़पों के बाद कांग्रेस नेता समेत दो मजदूर संघ नेताओं को गिरफ्तार किया गया है।

अधिकारियों के अनुसार, कटड़ा शहर से वैष्णो देवी की गुफा तक प्रस्तावित रोप-वे परियोजना को लेकर सोमवार को कटड़ा में हिंसक विरोध प्रदर्शन हुआ था। एक अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने पोनी और पिट्ठू यूनियन के नेता भूपिंदर सिंह जामवाल और एक अन्य मजदूर संघ नेता सोहन चंद को गिरफ्तार किया है। जामवाल भी कांग्रेस नेता हैं, जिन्होंने हाल ही में वैष्णो देवी निर्वाचन क्षेत्र से विधानसभा चुनाव लड़ा था, लेकिन उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। दुकानदारों और मजदूरों को आशंका है कि रोप-वे लाइन के कारण बाजार में लोगों की संख्या कम हो जाएगी और इसके परिणामस्वरूप उनके कारोबार पर असर पड़ेगा। पुलिस ने इलाके के स्टेशन हाउस अफसर समेत पुलिसकर्मियों पर पथराव और हाथापाई करने के आरोप में कई प्रदर्शनकारियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

पुलिस के अनुसार सोमवार को कटड़ा में हुए हिंसक प्रदर्शनों के बाद आठ लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई थी जिसमें एक पुलिसकर्मी घायल हो गया था।

प्रदर्शनकारियों का नेतृत्व भूपिंदर सिंह और सोहन चंद कर रहे थे, जिन्होंने प्रस्तावित रोप-वे परियोजना के खिलाफ कटड़ा में रैली निकाली। हालांकि, पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को आगे बढ़ने से रोक लिया जिसके बाद दोनों पक्षों के बीच विवाद हुआ।

पुलिस ने भूपिंदर सिंह और सोहन चंद को हिरासत में लिया और उन्हें पुलिस वाहन से घटनास्थल से दूर ले जाया गया।

उधमपुर के डीआईजी (रियासी रेंज) रईस भट ने कहा कि हिरासत में लिए गए प्रदर्शनकारी गिरफ्तार नहीं किए गए हैं। यह प्रदर्शन सोमवार को हुए संघर्ष के बाद हुआ, जिसमें पुलिस ने कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए ड्यूटी पर थी। एफआईआर में कहा गया कि प्रदर्शनकारियों ने फाउंटेन चौक, कटड़ा में गलत तरीके से सड़क ब्लाक कर दी थी, जिससे यात्री आवाजाही में रुकावट आई थी। पुलिस के अनुसार, भूपिंदर सिंह, सोहन चंद और अन्य ने पुलिस दल पर हमला किया, जिसमें पुलिसकर्मियों को लाठियों, पत्थरों और अन्य हथियारों से चोटें आईं। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस अधिकारियों की वर्दी भी फाड़ दी और कुछ वाहनों को नुकसान पहुंचाया। पुलिस ने आरोप लगाया कि प्रदर्शनकारियों ने सार्वजनिक और तीर्थयात्रियों पर पत्थरबाजी भी की जिससे उनकी जान को खतरा था। प्रदर्शन तब समाप्त हुआ जब जिला प्रशासन ने प्रदर्शनकारियों को आश्वासन दिया कि विभिन्न पक्षों, विशेष रूप से श्राइन बोर्ड के अधिकारियों के साथ बैठक की जाएगी ताकि उनकी चिंताओं का समाधान किया जा सके। जम्मू और कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने सोमवार को कहा था कि रोप-वे परियोजना के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे लोगों की वास्तविक चिंताओं को संबोधित किया जाएगा।

प्रदर्शन की समाप्ति के बाद, रियासी के उप जिला कलेक्टर विषेश पाल महाजन और प्रदर्शन नेता भूपिंदर सिंह ने संयुक्त रूप से हड़ताल की समाप्ति की घोषणा की। महाजन ने कहा मैंने भूपिंदर से बातचीत की है और हम आपके मुद्दों को जानते हैं। भूपिंदर ने 15 दिसंबर तक सभी पक्षों से वार्ता करने का समय दिया है। हालांकि उप राज्यपाल मनोज सिन्हा ने स्पष्ट किया है कि रोप-वे का काम रुकेगा नहीं।

लखीमपुर खीरी हिंसा प्रकरण में सुप्रीम कोर्ट सख्त

पूर्व मंत्री के बेटे पर गवाहों को धमकाने का आरोप

नई दिल्ली/लखीमपुर खीरी, 27 नवंबर (एजेंसियां)।
सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को लखीमपुर खीरी हिंसा के मुख्य आरोपी आशीष मिश्रा को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। आशीष मिश्रा पर गवाहों को धमकाने के आरोप हैं। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां की पीठ ने बुधवार को सुनवाई के दौरान आशीष मिश्रा के वकील सिद्धार्थ दवे से एक हलफनामा दाखिल करने को कहा है, जिसमें आशीष मिश्रा पर लगे आरोपों पर सफाई मांगी गई है।

उल्लेखनीय है कि साल 2021 में उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी में हुई हिंसा के दौरान आठ लोगों की जान चली गई थी। इस मामले में पूर्व केंद्रीय मंत्री अजय मिश्रा का बेटा आशीष मिश्रा मुख्य आरोपी है। फिलहाल आशीष मिश्रा जमानत पर बाहर है। अब एक शिकायतकर्ता ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर दावा किया है कि आशीष मिश्रा द्वारा गवाहों को डराया-धमकाया जा रहा है। हालांकि आशीष मिश्रा के वकील ने आरोपों से इनकार किया। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने आशीष मिश्रा को चार हफ्ते में हलफनामा पेश कर आरोपों पर जवाब मांगा है।

सुप्रीम कोर्ट ने आशीष मिश्रा को 22 जुलाई को जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया था, लेकिन उसे दिल्ली और लखनऊ में न रहने का निर्देश दिया था, ताकि वह गवाहों को प्रभावित न कर सके। हालांकि बीती 26 सितंबर को शीर्ष अदालत ने आशीष मिश्रा को राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में रहने की इजाजत दे दी थी। सुप्रीम कोर्ट ने निचली अदालत से लखीमपुर खीरी हिंसा मामले पर जल्द सुनवाई करने का भी निर्देश दिया था।

गौरतलब है कि 3 अक्टूबर 2021 को उत्तर प्रदेश के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य के लखीमपुर दौरे के विरोध में किसानों ने विरोध प्रदर्शन किया था। इसी दौरान एक कार से कुचलकर चार किसानों की मौत हो गई थी। हिंसा में एक पत्रकार की भी मौत हुई थी। इस मामले में आशीष मिश्रा मुख्य आरोपी है। घटना के बाद गुस्साए किसानों ने कार के ड्राइवर और दो भाजपा कार्यकर्ताओं की भी पीट-पीटकर हत्या कर दी थी।

दिल्ली हाईकोर्ट का स्पष्ट निर्देश

सनातन धर्म रक्षा बोर्ड के गठन हेतु केंद्र से कहें

नई दिल्ली, 27 नवंबर (एजेंसियां)।
दिल्ली हाईकोर्ट ने सनातन धर्म रक्षा बोर्ड के गठन की मांग वाली जनहित याचिका खारिज करते हुए याचिकाकर्ता को केंद्र से संपर्क करने के लिए कहा है। सनातन धर्म रक्षा बोर्ड के गठन की मांग वाली जनहित याचिका पर विचार करने से इन्कार कर दिल्ली हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश मनमोहन की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि ऐसा बोर्ड गठित करने का अदालत सरकार को निर्देश नहीं दे सकती, क्योंकि यह मुद्दा नीतिगत दायरे में आता है। हाईकोर्ट ने याचिकाकर्ता से कहा कि वह सरकार से संपर्क करें। पीठ ने कहा कि आपको सरकार के पास जाना होगा। हम ऐसा नहीं कर सकते। यह मुद्दा संसद के कार्यक्षेत्र में है, हम इसमें कुछ नहीं कर सकते। हम सरकार को यह नहीं कह सकते कि ट्रस्ट बनाओ।

सनातन हिंदू सेवा संघ ट्रस्ट के वकील ने तर्क दिया कि बोर्ड की जरूरत सनातन धर्म की रक्षा के लिए है। जिसके अनुयायियों पर कथित तौर पर अन्य धर्मों के अनुयायियों द्वारा हमला किया जा रहा है। अन्य धर्मों के लिए भी इसी तरह के बोर्ड मौजूद हैं, लेकिन उनके ज्ञापन पर केंद्र की ओर से अभी तक कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली है।

जम्मू संभाग में आतंकी खतरा टला नहीं

चीन सीमा से हटा सैन्य दस्ता तैनात

एनएसजी भी तैनात और वीडीजी की ट्रेनिंग भी तेज

सुरेश एस डुग्गर
जम्मू, 27 नवंबर।
जम्मू संभाग में आतंकी हमलों का खतरा फिलहाल टला नहीं है। यही कारण है कि पिछले एक अरसे के दौरान ताबड़तोड़ आतंकी हमलों से निपटने के लिए जहां पहले चीन सीमा से हटाए गए सैनिकों को वापस बुला कर तैनात किया गया है वहीं अब पक्के तौर पर एनएसजी को भी जम्मू में तैनात करने की कवायद तेज हो गई है। यही नहीं ग्रामीण क्षेत्रों में वीडीजी सदस्यों के प्रशिक्षण को भी तेज किया गया है।

बढ़ते हमलों के बीच जम्मू में आतंकवाद निरोधी बल एनएसजी तैनात किया जाएगा। हाल ही में क्षेत्र में आतंकवादी हमलों में हुई वृद्धि के मद्देनजर देश की आतंकवाद निरोधी इकाई, राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) का एक विशेष कार्य बल जम्मू में तैनात किया जाएगा।

गृह मंत्रालय के निर्देशों के आधार पर आतंकवाद निरोधी इकाई बल शहर में तैनात किया जाएगा। एनएसजी का विशेष कार्य बल जम्मू शहर में स्थायी रूप से तैनात किया जाएगा ताकि वे किसी भी आपात स्थिति या आतंकवादी हमले की स्थिति में किसी भी स्थान पर पहुंच सकें।

जम्मू क्षेत्र में जम्मू, डोडा, कठुआ, रामबन, रियासी, किश्तवाड़, पुंछ, राजौरी, उधमपुर और सांबा जिले शामिल हैं।

इस साल, जम्मू क्षेत्र में आतंकवादी हमलों में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है, जिसने 10 में से आठ जिलों को प्रभावित किया है, और ऐसी घटनाओं में 44 लोग मारे गए हैं, जिनमें 18 सुरक्षाकर्मी, 14 नागरिक और 13 आतंकवादी शामिल हैं। इस बीच भारतीय सेना ने गांव रक्षा गार्ड को बुनियादी सुरक्षा तकनीकों और आतंकवाद विरोधी रणनीतियों में प्रशिक्षण देकर ग्रामीण इलाकों की सुरक्षा मजबूत करने का महत्वपूर्ण कदम उठाया है। इस विशेष प्रशिक्षण का उद्देश्य ग्रामीणों को आत्मरक्षा के प्रति जागरूक बनाना और उन्हें आपातकालीन स्थितियों से निपटने के लिए तैयार करना है। सेना के इस प्रयास से न केवल गांवों की सुरक्षा में सुधार होगा, बल्कि यह ग्रामीण युवाओं को आत्मनिर्भर बनने का अवसर भी प्रदान करेगा।

प्रशिक्षण सत्र के दौरान, गार्ड को व्यक्तिगत और सामूहिक सुरक्षा के तरीके, आपातकालीन परिस्थितियों में सही प्रतिक्रिया देने की रणनीतियां और संदिग्ध गतिविधियों की पहचान करने की प्रक्रिया सिखाई जा रही है। इसके अलावा उन्हें हथियारों की पहचान, प्राथमिक चिकित्सा सहायता, और संकट की घड़ी में प्रभावी संचार तकनीकों की जानकारी दी गई। सत्र में नकली हमले की परिस्थितियों का अभ्यास कराया गया ताकि गार्ड वास्तविक जीवन में सतर्क और सक्षम रह सकें।

जम्मू कश्मीर के विभिन्न इलाकों में इस समय करीब 30,000 वीडीजी तैनात हैं, जो स्थानीय लोगों के सहयोग से अपने गांवों में सुरक्षा की जिम्मेदारी निभा रहे हैं।

जो पहले विलेज डिफेंस कमेटी के रूप में जाना जाता था, इनका गठन 1990 के दशक में किया गया था। भारतीय सेना के इस प्रशिक्षण अभियान ने न केवल गांव रक्षा गार्ड के आत्मविश्वास को बढ़ाया है, बल्कि ग्रामीण समुदायों को सुरक्षा के प्रति और अधिक जागरूक बनाया है।

दिसंबर में 17 दिन बंद रहेंगे बैंक

नई दिल्ली, 27 नवंबर (एजेंसियां)।
साल के आखिरी महीने दिसंबर में कुल 17 दिन राष्ट्रीयकृत बैंकों में छुट्टी रहेगी। राष्ट्रीय और स्थानीय अवकाश होने के चलते दिसंबर के 31 दिनों में से 17 दिन बैंक नहीं खुलेंगे। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने अपनी वेबसाइट पर क्षेत्रीय और राष्ट्रीय छुट्टियों की राज्यवार लिस्ट जारी की है। इन सरकारी छुट्टियों में रविवार और दूसरे एवं चौथे शनिवार को होने वाला नियमित अवकाश भी शामिल है।

दिसंबर में सेंट फ्रांसिस जेवियर पर्व, पा-तोगन नेंगमिंजा संगमा, यू सोसो थाम की पुण्यतिथि, गोवा मुक्ति दिवस, क्रिसमस की पूर्व संध्या, क्रिसमस, क्रिसमस उत्सव, यू किआंग नांगबाह और नए साल की पूर्व संध्या/लॉसोंग/नामसूंग के अवसर पर बैंक बंद रहेंगे। 3 दिसंबर (शुक्रवार) को गोवा में सेंट फ्रांसिस जेवियर के पर्व के मौके पर बैंकों में छुट्टी रहेगी। 12 दिसंबर (मंगलवार) को पा-तोगन नेंगमिंजा संगमा के मौके पर मेघालय में बैंक बंद रहेंगे। 18 दिसंबर (बुधवार) को यू सोसो थाम की पुण्यतिथि के मौके पर मेघालय में बैंक बंद रहेंगे। 19 दिसंबर (गुरुवार) को गोवा मुक्ति दिवस के मौके पर गोवा में बैंक बंद रहेंगे। 24 दिसंबर (गुरुवार) को क्रिसमस की पूर्व संध्या के अवसर पर मिजोरम, नागालैंड और मेघालय में बैंक बंद रहेंगे। 25 दिसंबर (बुधवार) को क्रिसमस के मौके पर देशभर के बैंकों में सरकारी छुट्टी रहेगी। 26 दिसंबर (गुरुवार) को क्रिसमस के मौके पर मिजोरम, नागालैंड और मेघालय में बैंक बंद रहेंगे। 27 दिसंबर (शुक्रवार) को क्रिसमस त्यौहार के मौके पर नागालैंड में बैंक बंद रहेंगे। 30 दिसंबर (सोमवार) को यू किआंग नंगबाह के मौके पर मेघालय में बैंक बंद रहेंगे। 31 दिसंबर (मंगलवार) को नए साल की पूर्वसंध्या/लोसोंग/नामसोंग के अवसर पर मिजोरम और सिक्किम में बैंक बंद रहेंगे। इसके अलावा 1, 8, 15, 22 और 29 दिसंबर (रविवार) को साप्ताहिक छुट्टी के चलते बैंकों में छुट्टी रहेगी। 14 और 18 दिसंबर को महीने के दूसरे एवं चौथे शनिवार के चलते नियमित अवकाश रहेगा।

डमी कैंडिडेट बैठाकर नीट पास किया अब सीबीआई करेगी पूछताछ

पटना (एजेंसियां)।
राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल पूर्णिया में एडमिशन लेते वक्त फर्जीवाड़ा करते हुए एक छात्र पकड़ाया है।

छात्र को उसके छपरा स्थित घर से सीबीआई की टीम ने गिरफ्तार कर लिया है। बताया जा रहा है कि गिरफ्तार आरोपी ने फर्जीवाड़ा कर नीट यूजी परीक्षा पास की। मेरिट लिस्ट के नाम आने के बाद राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल पूर्णिया (झ्रींॲपळर ऋ्चउक) में एमबीबीएस के लिए एडमिशन लेने पहुंचा था। जीएमसीएच के प्राचार्य प्रो डॉ गौरीकांत मिश्रा ने बताया कि काउंसलिंग के दौरान जब उक्त छात्र नामांकन कि लिए आया था। उसके कागजातों की जांच के दौरान फर्जीवाड़ा की आशंका हो गयी थी। इसलिए उक्त छात्र से शपथपत्र लेकर उसकी नामांकन प्रक्रिया फ्रीज की गयी।

इसके साथ ही बीसीईसीई को इस बारे में सूचित कर दिया गया। बीसीईसीई ने सीबीआई को पूरे मामले से अवगत कराया। इसके बाद उक्त छात्र के खिलाफ वारंट इश्यू किया और छात्र को छपरा स्थित उसके घर से सीबीआई की टीम अपने साथ ले गई।

बताया जाता है कि सीबीआई के घेरे में आये इस छात्र ने खुद परीक्षा नहीं दी थी। अपने बदले डमी कैंडिडेट को परीक्षा में बैठाया था। पूर्णिया मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ गौरीकांत मिश्रा ने बताया कि उक्त छात्र द्वारा समर्पित किये गये कागजातों पर नामांकन के समय ही कॉलेज प्रशासन को शक हो गया था। उन्होंने बताया कि छात्र के एडमिट कार्ड पर चिपकायी गयी तस्वीर से उसके चेहरे का मिलान भी नहीं हो रहा था। इससे आशंका हो गयी थी कि उसकी जगह पर डमी परीक्षार्थी ने परीक्षा दी है।

सीबीआई के संज्ञान में मामला सामने आने के बाद सीबीआई ने जीएमसीएच पूर्णिया से संपर्क साधा। सीबीआई के निर्देश पर पिछले हफ्ते ही जीएमसीएच पूर्णिया ने उक्त छात्र द्वारा राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल में नामांकन के दौरान समर्पित किये गये उसके प्रमाणपत्रों को सीबीआई के दिल्ली स्थित कार्यालय को सुपुर्द किया। सीबीआई को सभी कागजातों को सौंपने के लिए कॉलेज प्रशासन ने अपने एक अधिकारी को दिल्ली भेजा था।बता दें कि मुन्ना भाई के गिरफ्तार होने के बाद डमी परीक्षार्थी समेत कई घेरे में आ गये हैं। जानकारी के अनुसार, डमी परीक्षार्थी के पकड़ने के लिए सीबीआई सहित जिला प्रशासन की टीम कार्रवाई शुरू कर दी गयी है, जिसके बाद इस गोरखधंधे में शामिल अन्य लोग भी बेनकाब हो जायेंगे। इसलिए फिलहाल, पकड़े गये मुन्ना भाई के बारे में कई व्यक्तिगत जानकारी गोपनीय रखी गयी है।

गया में दिनदहाड़े विस्फोट दो भाई गंभीर रूप से घायल

पटना (एजेंसियां)।
गया शहर के कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत तेलबिगहा मोहल्ले के रहनेवाले वाले दो बच्चे विस्फोट में गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। दोनों का इलाज चल रहा है। जहां एक की हालत गंभीर बताई जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंच कर आगे की कार्रवाई में जुट गई है। बताया जा रहा है कि स्थानीय लोगों की मदद से जख्मी बच्चे को इलाज के लिए शहर के जय प्रकाश नारायण अस्पताल भेजा गया। दोनों की पहचान तेल बिगहा मोहल्ले के रहने वाले सहोदर भाई बादल (12) और लक्ष्मण (10) के रूप में हुई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, बुधवार की सुबह दोनों भाई कचरा चुनने के लिए निकले थे। इसे चुनने के बाद से प्लास्टिक और डब्बा चुनकर डाक स्थान मोहल्ला स्थित एक कबाड़ की दुकान में बेचने गया था। जैसे ही बोरा से निकाल कर सामान नीचे रख रहा था और इस दौरान अचानक विस्फोट हो गया। इस विस्फोट में दोनों सहोदर भाई घायल हो गए। विस्फोट किस चीज से हुआ। इस बात का पता पुलिस लगा रही है।

फिलहाल पुलिस पूरे मामले की छानबीन कर रही है। इस तरह की घटना कुछ दिन पहले भी गया शहर के टिलहा मोहल्ले में हुई थी। इसमें कबाड़ी दुकानदार घायल हो गया था। कचरों की ढेर में विस्फोटक सामग्री का होना जांच और चिंता का विषय बन गया है। वहीं गंभीर रूप से घायल लक्ष्मण कुमार को बेहतर इलाज के लिए अनुग्रह नारायण मगध मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया गया है।

कर चोरी रोकने को लेकर सख्त हुई सरकार

तो यूपी में पान मसाले के उत्पादन पर पड़ा असर

लखनऊ, 27 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश सरकार ने पान मसाला इकाइयों से निकलने वाले वाहनों की अनिवार्य ई-वे बिल स्कैनिंग के आदेश जारी किए हैं। इसके तहत प्रत्येक पान मसाला ब्रांड की फैक्टरी के बाहर 12-12 घंटे के रोस्टर में अधिकारियों की ड्यूटी लगाई गई है। सरकार के इस निर्णय से प्रदेश में पान मसाला इंडस्ट्री परेशानी में आ गई है।

लखनऊ, कानपुर सहित अन्य जिलों में बनने वाले पान मसाला इकाइयों के बाहर 24 घंटे शिफ्टवार ड्यूटी लगाने का आदेश प्रमुख सचिव एम देवराज ने जारी कर दिया है। अकेले लखनऊ और कानपुर में 54 टीमें केवल पान मसाला की निगरानी कर रही हैं। इससे एक तरफ पान मसाले का उत्पादन पूरी तरह ठप होने के कगार पर पहुंच गया है तो दूसरी तरफ प्रदेश में नकली और टैक्स चोरी से आने वाले मसाले की बाढ़ आ गई है। सड़क पर जांच प्रभावित होने से 20 करोड़ रुपए रोज का टैक्स चोरी का माल दूसरे राज्यों से आने लगा है।

प्रदेश में लखनऊ, कानपुर, हरदोई,गाजियाबाद, मेरठ, नोएडा, हापुड़, कानपुर देहात, उन्नाव, श्रावस्ती, गोंडा, बाराबंकी, बहराइच, बलरामपुर, खलीलाबाद, गोरखपुर, महाराजगंज, कुशीनगर, देवरिया, वाराणसी, जौनपुर और मिर्जापुर में पान मसाला इकाइयां हैं। शासन ने पान मसाला इकाइयों से निकलने वाले वाहनों की अनिवार्य ई-वे बिल स्कैनिंग के आदेश जारी किए गए हैं। इसके तहत प्रत्येक पान मसाला ब्रांड की फैक्टरी के बाहर 12-12 घंटे के रोस्टर में अधिकारियों की ड्यूटी लगाई गई है।

ड्यूटी के दौरान बॉडीवार्न कैमरा पहनना अनिवार्य किया गया है। आदेश में कहा गया है कि एक मिनट के लिए भी टीम जगह नहीं छोड़ेगी। दूसरी टीम आने के बाद ही पहली टीम हटेगी। चेतावनी दी गई है कि एक भी वाहन बिना ई-वे बिल की स्कैनिंग के पाया गया तो अधिकारियों के विरुद्ध कठोर कार्यवाही की जाएगी। अभी 30 नवबंर तक इस रोस्टर को लागू किया गया है। ये भी कहा गया है कि व्यापारियों के साथ सम्मानजनक तरीके से पेश आएं। गलत व्यवहार न किया जाए और माल की आवाजाही न रोकी जाए।

इस सख्ती की वजह से पान मसाला इकाइयों में उत्पादन लगभग बंद हो गया है। जांच के दायरे में प्रमुख रूप से पुकार, शिमला, गोमती, कमला पसंद, कायम, दबंग, हरश्रंगार, शिखर, केसर, सिग्नेचर, एसएनके, शुद्ध प्लस, तिरंगा और किसान पान मसाला ब्रांड आए हैं। करीब पांच उद्यमी यूपी की सीमा से लगे राजस्थान, मध्यप्रदेश, दिल्ली और गुड़गांव में इकाई लगाने की तैयारी में हैं।

विभागीय सूत्रों के मुताबिक अधिकांश टीमों की चौबीस घंटे ड्यूटी मसाला इकाइयों के बाहर लगते ही नकली पान मसाला की आवक तीन गुना तक बढ़ गई है।

चूंकि नकली मसाला फैक्टरी से राजस्व नहीं मिलता इसलिए अधिकारियों की उन्हें पकड़ने में खास रुचि नहीं होती। राज्य कर विभाग की जांच से सेंट्रल जीएसटी के अधिकारी राजस्व को लेकर परेशान हो गए हैं। दरअसल पान मसाले पर 28 फीसदी जीएसटी और 60 फीसदी सेस है। सेस पूरी तरह सेंट्रल जीएसटी को मिलता है।

लगातार चुनाव हार रही कांग्रेस ने बदली चुनावी रणनीति

लखनऊ, 27 नवंबर (एजेंसियां)। 2027 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस नई रणनीति से मैदान में उतरने की तैयारी कर रही है। वह प्रदेश की विधानसभा सीटों को तीन हिस्से में बांट कर सियासी तैयारी शुरू करने जा रही है। प्रथम वरीयता में 200 और द्वितीय वरीयता में 150 सीटें रखी हैं। अन्य सीटों को तृतीय वरीयता में रखकर जोर लगाएगी।

लोकसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस और समाजवादी पार्टी में गठबंधन रहा। कांग्रेस को छह सीटें मिलीं तो सपा को 36 सीटें हासिल हुईं। विधानसभा उपचुनाव में सपा ने कांग्रेस को सिर्फ दो सीटें दीं। इससे खिन्न कांग्रेस ने चुनाव लड़ने से इनकार कर दिया। पार्टी ने भाजपा को हराने के लिए सपा को समर्थन देने का दावा किया, लेकिन सपा ने अपने मंच पर कांग्रेस नेताओं को नहीं बुलाया। नतीजा रहा कि सपा को सिर्फ दो और भाजपा को सात सीटें मिलीं।

विधानसभा चुनाव में सपा और कांग्रेस का गठबंधन होगा या नहीं, यह तो भविष्य बताएगा, लेकिन दोनों दल नए सिरे से सियासी रणनीति बना रहे हैं। कांग्रेस प्रदेश की 200 सीटों को प्रथम वरीयता में रख रही है। इसके लिए पार्टी नेताओं से मशविरा कर सीटों का चयन करेगी। चयन का आधार पिछले पांच चुनाव में कांग्रेस को मिले वोट और अन्य दलों को मिले वोट का आकलन, वोट मिलने की वजह, संबंधित सीट पर मौजूदा जातिगत समीकरण का अध्ययन किया जाएगा। कोशिश होगी कि दलित, अल्पसंख्यक और पिछड़े वर्ग की बहुलता वाली सीटों को पहली वरीयता में रखा जाए। इसके बाद द्वितीय वरीयता के लिए सीटों का चयन किया जाएगा।

पार्टी के रणनीतिकारों का मानना है कि प्रथम वरीयता वाली सीटों का चयन करने के बाद वहां जनहित को लेकर अलग-अलग कार्यक्रम शुरू किए जाएंगे। पार्टी के स्थानीय नेताओं को सक्रिय किया जाएगा। प्रदेश स्तरीय नेता भी इन सीटों में किसी न किसी कार्यक्रम के बहाने अपनी उपस्थिति दर्ज कराते रहेंगे।

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय कहते हैं कि प्रदेश की सभी सीटों पर विधानसभा चुनाव की तैयारी शुरू की जाएगी। संगठन को भी सक्रिय किया जा रहा है। पार्टी के वरिष्ठ नेताओं से मशविरा शुरू किया गया है। जो 200 सीटें पार्टी के लिए मुफीद होंगी, उन पर ज्यादा जोर लगाया जाएगा। जनता का भरपूर समर्थन मिल रहा है। वर्ष 2027 के चुनाव में कांग्रेस उभर कर सामने आएगी और भाजपा को हर हाल में हराएगी।

संभल हिंसा मामले में सनसनीखेज खुलासा

उपद्रवियों के निशाने पर थे डीआईजी, डीएम और एसपी

संभल, 27 नवंबर (एजेंसियां)। संभल हिंसा के बाद जांच में कई चौंकाने वाले खुलासे हो रहे हैं। पीआरओ और दो अन्य सिपाहियों पर हमले की सूचना पर पहुंचे डीआईजी, डीएम और एसपी पर सबसे पहले महिलाओं ने पथराव किया था। इसके बाद अन्य लोगों ने भी पत्थर फेंके थे। पुलिस ने बताया कि हिंदूपुरा खेड़ा में जब फोर्स पहुंची तो तीन महिलाओं ने छतों से पुलिस पर पथराव किया। इसके अलावा अन्य लोग भी छतों से पथराव कर रहे थे। इसलिए तीन महिलाओं को भी गिरफ्तार किया गया। एसपी केके विश्नोई ने बताया कि कई स्थानों पर लगे सीसीटीवी फुटेज की डीवीआर भी नहीं मिली है।

एसपी ने कहा कि उपद्रवियों की पहचान कराई जा रही है। पुलिस प्रशासन की ओर से 11 वीडियो जारी किए गए हैं। इसमें पांच वीडियो ड्रोन कैमरे, तीन कैमरे और तीन सीसीटीवी कैमरों के वीडियो हैं। इसमें उपद्रवी सीसीटीवी कैमरे भी तोड़ते हुए दिखाई दे रहे हैं। सीसीटीवी कैमरे में कैद उपद्रवियों के चेहरे साफ भी दिखाई दे रहे हैं और मास्क भी लगाया हुआ है। यह उपद्रवी बवाल से पहले कैमरों को क्षतिग्रस्त करते हैं और फिर बवाल करते हैं। ड्रोन कैमरे भी तोड़ने के लिए पथराव किया लेकिन कैमरे तक पत्थर नहीं पहुंचा। अलग अलग वीडियो में अलग चेहरे दिखाई दे रहे हैं। यह वीडियो जामा मस्जिद के आसपास के हैं। एसपी ने बताया कि सभी चेहरों की पहचान कराने का प्रयास किया जा रहा है। बवाल से पहले सीसीटीवी कैमरे तोड़ने से पूरी आशंका है कि घटना सुनियोजित तरीके से अंजाम दी गई है।

ताजमहल से हर साल बिकते हैं करोड़ों के टिकट, फिर भी रखरखाव लचर

आगरा, 27 नवंबर (एजेंसियां)। दुनिया के सातवें अजूबे ताजमहल को भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) ने कमाई का जरिया बना रखा है। बीते तीन साल में एएसआई को ताजमहल के टिकटों की बिक्री से 91 करोड़ रुपए की कमाई हुई है, जबकि ताज के संरक्षण पर इन्हीं तीन साल में केवल 9.41 करोड़ रुपए खर्च किए गए हैं।

सूचना का अधिकार अधिनियम से मिली जानकारी के मुताबिक यूनेस्को की विश्व विरासत ताजमहल से साल 2020-2021 से वर्ष 2023-2024 के बीच 91.23 करोड़ रुपए की कमाई भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग को हुई है। पूरे देश में टिकटों से इतनी कमाई किसी अन्य विश्व धरोहर या स्मारक से एएसआई की नहीं होती। ताजमहल के संरक्षण पर लगातार सवाल उठ रहे हैं। एएसआई के खर्च के आंकड़े ही संरक्षण की पोल खोल रहे हैं। कोविड से पहले जहां एएसआई ने ताजमहल पर 12 करोड़ रुपए खर्च किए थे, वहीं कोविड के बाद खर्च सिर्फ 9 करोड़ रुपए ही हो पाए। कोविड के बाद ताज पर सैलानियों की संख्या में जबरदस्त उछाल आया है और लगभग दो गुने सैलानी ताज पर पहुंचने लगे हैं।

ताजमहल के संरक्षण की पोल दो महीने पहले मुख्य गुंबद पर उगे पौधे ने खोल दी थी। केवल गुंबद नहीं, बल्कि रॉयल गेट, शाही मस्जिद, मेहमान खाना, फोरकोर्ट के दालान और चमेली फर्श के पास की चारों छतरियों के पत्थरों के दरकने के फोटो सोशल मीडिया पर पूरे साल छाए रहे। रॉयल गेट पर पच्चीकारी के पत्थर निकल गए तो ताज की यमुना किनारे की दीवारों पर कीड़ों के दागों ने छवि पर दाग लगा दिए। एएसआई के महानिदेशक ने इन सवालों के जवाब दिए, लेकिन संरक्षण पर कमाई के मुकाबले सिर्फ 10 फीसदी का खर्च पूरी हकीकत बयां कर रहा है।

आरटीआई से मिली जानकारी के मुताबिक कोविड से तीन साल पहले ताजमहल से कमाई 34.27 करोड़ रुपए की हुई थी, जबकि संरक्षण पर खर्च 12.37 करोड़ रुपए था। कोविड के पहले खर्च और कमाई के बीच ज्यादा अंतर नहीं था। कोविड के बाद एएसआई ने कमाई के मुकाबले केवल 10 फीसदी ही संरक्षण पर खर्च किया है। होटल एसोसिएशन के अध्यक्ष राकेश चौहान ने बताया कि ताज आने वाले सैलानियों का अनुभव अच्छा नहीं है। लंबी कतार, पानी की परेशानी, शू-कवर और टिकटों की मारामारी। जितनी ताज से कमाई हो रही है, उसके मुकाबले व्यवस्थाओं पर भी खर्च होना चाहिए। सैलानी कम से कम छवि तो अच्छी लेकर जाएं।

आगरा टूरिस्ट वेलफेयर चैंबर के अध्यक्ष प्रहलाद अग्रवाल ने बताया कि ताजमहल के संरक्षण पर ध्यान देने की जरूरत है। सैलानियों की सुविधाओं पर भी खर्च किया जा सकता है। व्हीलचेयर की संख्या बढ़ाई जाए और म्यूजियम को आकर्षक बनाया जाए, जिससे ताज में भीड़ भी एक जगह एकत्र न हो। आगरा एप्रूव्ड गाइड एसोसिएशन के अध्यक्ष शमशुद्दीन ने बताया कि गुंबद पर पेड़ हो या पत्थर का गिरना, इनसे पर्यटक के मन में खराब छवि बनती है, जो बरकरार रहती है। ताज के संरक्षण के साथ बुनियादी जरूरतों पर काम करने की जरूरत है, अन्यथा इसका बुरा असर पड़ना तय है।

संभल दंगा कांड : दंगाई भीड़ लूट ले गई पुलिस वालों के हथियार

संभल, 27 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के संभल जिले में रविवार 24 नवंबर को कट्टरपंथी मुस्लिमों की भीड़ के उपद्रव में 2 दर्जन से अधिक पुलिसकर्मी घायल हो गए थे। पुलिस को किस तरह से दंगा कर रही भीड़ ने निशाना बनाया, इसका खुलासा इस घटना की एफआईआर से हुआ है।

एक ओर दंगाई विक्टिम कार्ड खेल रहे हैं, वहीं एफआईआर कुछ और कहानी बयान कर रही है। ऐसी ही एक एफआईआर में बताया गया है कि दंगाई भीड़ ने पहले पुलिसकर्मियों को गंदी-गंदी गालियां दी फिर उनको घेर कर उनके हथियार छीन लिए। नुकसान से बचने के लिए पुलिस वालों को आत्मरक्षा में पीछे हटना पड़ा था।

यह एफआईआर संभल के कोतवाली नगर में तैनात एक सब इंस्पेक्टर ने दर्ज करवाई है। एफआईआर में सब इंस्पेक्टर ने बताया कि रविवार को वो अपने साथी सिपाहियों के साथ विवादित जामा मस्जिद के पास तैनात थे। सुबह 8:45 के आसपास मस्जिद से लगभग 100 मीटर दूरी पर 700-800 मुस्लिमों की भीड़ जमा हो गई।

इस भीड़ ने पहले नारेबाजी शुरू की फिर यह उग्र हो गए। भीड़ में शामिल मुस्लिम लड़कों ने पत्थरबाजी चालू कर दी। इसका निशाना पुलिस बनी। शिकायतकर्ता के मुताबिक दंगाई भीड़ विवादित मस्जिद का सर्वे करने आई टीम को बाहर खदेड़ने पर आमादा थी।

सब इंस्पेक्टर के अनुसार जिले में 5 से अधिक लोगों के जमा होने पर रोक लगाई गई थी। इसी के तहत पुलिस बार-बार लोगों को घर जाने की नसीहत दे रही थी। पुलिस की नसीहत का दंगाई भीड़ पर कोई असर नहीं पड़ा। वह पुलिसकर्मियों को अनुसना करते हुए धक्का देती आगे बढ़ती रही। इस दौरान भीड़ में शामिल लोग पुलिसकर्मियों को गंदी-गंदी गालियां देते हुए पत्थर मारते रहे। सब इंस्पेक्टर ने शिकायत में बताया है कि इस भीड़ में शामिल लोग एक साजिश के तहत पुलिस को निशाना बना रहे थे।

पत्थरबाजी के बाद भीड़ में से 40-50 लोगों ने पुलिसकर्मियों की हत्या के लिए इन दंगाइयों को उकसाया। भीड़ में कुछ लोगों ने शिकायतकर्ता सब इंस्पेक्टर की सरकारी पिस्टल छीनने की कोशिश की। पिस्टल न छीन पाने पर हमलावरों ने सब इंस्पेक्टर से 9एमएम के 10 कारतूस लूट लिए। भीड़ से से कुछ अन्य लोगों ने कॉन्स्टेबल कपिल कुमार को घेर कर कंधे पर टंगा बैग छीन लिया।

इस बैग में टियर गैस के 29 गोले थे। यह उपद्रवी अपने साथ ले गए। इतने पर भी हिंसक भीड़ नहीं रुकी, उसने इसके बाद तीसरे पुलिस्कारी पुलिसकर्मी को निशाना बनाया।

इसके बाद दंगाइयों का निशाना कॉन्स्टेबल पंकज कुमार बने। उनके कंधे पर टंगा बैग लूट लिया गया। इस बैग में 25 ब्लैंक कारतूस और इतने ही रबर बुलेट थे जो भीड़ अपने साथ ले गई। भीड़ ने यहीं तैनात कॉन्स्टेबल राजपाल को निशाना बनाया। उनसे भी 15 कारतूस छीने गए। इसके बाद दंगाई भीड़ ने उनकी हत्या करने की कोशिश की। पुलिसकर्मियों को अपनी जान बचाने के लिए थाने की तरफ भागना पड़ा। भीड़ एलान कर रही थी कि वो किसी भी हाल में जामा मस्जिद का सर्वे नहीं होने देगी। अतिरिक्त फ़ोर्स आने के बाद ही यहाँ तैनात पुलिसकर्मियों की जान बच पाई। हिंसा में कई पुलिसकर्मियों को चोटें आईं हैं जिनका इलाज अस्पताल में जारी है।

इस बीच संभल में मरे एक उपद्रवी के पिता का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में वो अपने बेटे की मौत का बदला पुलिस से लेने की चुनौती देता दिख रहा है। उसने मीडिया के आगे खुलेआम कहा, मांग कुछ नहीं है मेरी। जिसने मारा है उसको गोली मारूंगा। जब पत्रकार ने पूछा कि किसने मारा है तब सामने से जवाब आया, पुलिस ने मारी है गोली।

झांसी मेडिकल कॉलेज अग्निकांड में बड़ी कार्रवाई

प्रधानाचार्य को हटाया तीन अन्य निलंबित

लखनऊ, 27 नवंबर (एजेंसियां)। झांसी के महारानी लक्ष्मीबाई मेडिकल कॉलेज में हुए अग्निकांड में 18 शिशुओं की मौत के मामले में डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने बड़ी कार्रवाई की है। डिप्टी सीएम के निर्देश पर गठित चार सदस्यीय कमेटी की जांच रिपोर्ट के आधार पर कॉलेज के प्रधानाचार्य को हटा दिया गया है साथ ही कॉलेज के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक को आरोप पत्र एवं तीन अन्य को निलंबित किया गया है।

डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने बताया कि झांसी मेडिकल कॉलेज में हुई ह्रदय विदायक घटना को लेकर सरकार बेहद संवेदनशील है। पीड़ित परिवारों को हर संभव मदद उपलब्ध कराई गई है। उन्होंने बताया कि इस संबंध में चिकित्सा शिक्षा एवं प्रशिक्षण महानिदेशक किंजल सिंह के नेतृत्व में चार सदस्यी जांच कमेटी का गठन गया था।

जांच रिपोर्ट के आधार पर कॉलेज के कार्यवाहक प्रधानाचार्य डॉ. नरेंद्र सिंह सेंगर को पद से हटा दिया गया है। उन्हें चिकित्सा शिक्षा विभाग के महानिदेशालय से संबद्ध किया गया है साथ ही मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. सचिन माहुर को आरोप पत्र दिया गया है।

वहीं, कॉलेज के अवर अभियन्ता (विद्युत) संजीत कुमार, एनआईसीयू वार्ड की नर्सिंग सिस्टर इंचार्ज संध्या राय एवं मेडिकल कॉलेज की प्रमुख अधीक्षक डॉ. सुनीता राठौर को तत्काल निलम्बित करते हुए आरोप पत्र दिया गया।

कॉलेज में बाल रोग विभागाध्यक्ष डॉ. ओम शंकर चौरसिया, सर्जरी विभाग के सह-आचार्य डॉ. कुलदीप चंदेल व विद्युत प्रभारी अधिकारी को आरोप पत्र देकर उनकी भूमिका की जांच के लिए झांसी के मंडलायुक्त को जांच अधिकारी बनाया गया। 15 नवंबर को झांसी स्थित महारानी लक्ष्मीबाई मेडिकल कॉलेज के एनआईसीयू वार्ड में आग लगने से 18 बच्चों की मृत्यु हो गई थी। हादसे के तुरंत बाद डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक घटनास्थल पर पहुंचे थे और पीड़ित परिवारों को सांत्वना दी थी साथ ही दोषियों पर कार्रवाई का आश्वासन दिया था।

संपादकीय

संविधान का मूल्य समझें

1949 में इसी दिन संविधान को अंगीकार किया गया था। 26 जनवरी, 1950 को 'गणतंत्र दिवस' के अवसर पर संविधान को विधिवत लागू किया गया। तभी से हम 'संवैधानिक राष्ट्र' हैं, लेकिन इसकी अवहेलना भी होती रही है, लिहाजा सवाल उठते रहे हैं कि भारत संविधान से चलेगा अथवा जाति-धर्म से..? संविधान की वैधानिक नैतिकता का सवाल बहुसंख्यक और अल्पसंख्यक दोनों समुदायों के सामने है। हठ और पूर्वाग्रहों से संविधान की व्याख्या नहीं की जा सकती। इस बार 'संविधान दिवस' पर संसद की कार्यवाही स्थगित है। पुराने संसद भवन के 'सेंट्रल हॉल' में संविधान की 75वीं सालगिरह मनाई जानी थी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का संबोधन होना था। उसके बाद संसद की कार्यवाही शुरू की जा सकती थी। एक दिन पहले ही संसद के शीतकालीन सत्र का आगाज हुआ है। उद्योगपति गौतम अडाणी के कथित घूसकांड पर विपक्ष ने जिद की और ऐसा हंगामा किया कि दोनों सदनों की कार्यवाही स्थगित करनी पड़ी। यह संवैधानिक मूल्य नहीं है। एक उद्योगपति ही संसद नहीं है। अडाणी के खिलाफ अमरीकी अदालत ने वारंट जारी किया है। बेशक घूसकांड भारत के भीतर ही हुआ है, तो उसके लिए राज्य सरकारें केस दर्ज कर सकती हैं। अभी तक ऐसा क्यों नहीं हुआ? क्योंकि सरकारें अडाणी से करोड़ों का चंदा भी लेती हैं। सरकारी परियोजनाएं भी अडाणी ही चलाते हैं। कोई भी पार्टी हो, सभी की सरकारें इस हम्माम में नंगी हैं। दरअसल अडाणी के मुद्दे पर ही संसद में बहस की जिद और हंगामे का औचित्य क्या है? कई और मुद्दे भी संसद के सामने हैं, जिन पर प्राथमिकता से विमर्श किया जाना चाहिए। राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे 'अडाणी कांड' पर ही उपराष्ट्रपति एवं सभापति जगदीप धनखड़ से उलझते रहे, जबकि सभापति अडाणी मुद्दे पर सभी 13 नोटिस खारिज कर चुके थे। संविधान के संचालक सभापति और लोकसभा अध्यक्ष भी हैं और नेता प्रतिपक्ष समेत सांसद भी हैं, लेकिन संवैधानिक नैतिकता क्या है? जब संविधान को अंगीकार किया गया था, तब संविधान-शिल्पी डॉ. भीमराव अंबेडकर ऐसे ही विरोधाभासों को लेकर चिंतित थे। वह राजनीतिक समानता को लेकर, काफी हद तक, आश्वस्त थे, लेकिन सामाजिक-आर्थिक असमानताओं के मद्देनजर चिंतित थे। अंबेडकर ने कहा था-संविधान महज एक किताब नहीं, बल्कि संपूर्ण देश, नागरिक समाज और उसके नैतिक मूल्य भी हैं। संविधान कितना भी अच्छा हो और तमाम समताओं का पैरोकार हो, लेकिन यह गलत लोगों में फंस गया, तो यह बुरा भी साबित हो सकता है। यदि संविधान को लागू करने वाले अच्छे हैं और संविधान में निहित नागरिक, मानवीय मूल्यों को समझते हैं, तो संविधान कितना भी बुरा हो, अंततः वह सार्थक ही साबित होगा।' बहरहाल आज बाबा अंबेडकर की उन्हीं चिंताओं को समझने का दिन है। 'संविधान दिवस' से एक दिन पहले प्रधान न्यायाधीश जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस संजय कुमार की न्यायिक पीठ ने संविधान की प्रस्तावना में 42वें संशोधन के तहत 'पंथनिरपेक्ष' और 'समाजवादी' शब्दों को हटाने से इंकार कर दिया है और तमाम याचिकाओं को खारिज कर दिया है। संसद को संविधान की प्रस्तावना में संशोधन की भी शक्ति प्राप्त है। अनुच्छेद 368 के तहत संशोधन की शक्ति प्रस्तावना तक भी फैली है। संविधान और संसद के इस रिश्ते को समझना बेहद जरूरी है। यह इतना गौरतलब नहीं है कि संसद की प्रति मिनट की कार्यवाही पर 2.5 लाख रुपए खर्च होते हैं। यह खर्च 1.5 करोड़ रुपए प्रति घंटा बनता है। कमोबेश 'संविधान दिवस' की 75वीं सालगिरह पर पूरी संसद को यह एहसास होना चाहिए कि हंगामा कर संसद को ठप करना कितना संविधान-विरोधी है! संविधान दिवस स्वतंत्रता, समानता, बंधुता और न्याय के मूल्यों के प्रति देश के औसत नागरिक के भीतर कत्र्तव्य-बोध जगाता है। यह हमें याद दिलाता है कि संविधान देश के नागरिक के लिए है और उन मूल्यों की वकालत करता है, जो किसी व्यक्ति को लोकतंत्र में सुरक्षा और सम्मान के साथ जीने की संभावना देते हैं। देश को आज के दिन इन मूल्यों को समझना चाहिए।

हठ और पूर्वाग्रहों से संविधान की व्याख्या नहीं की जा सकती। इस बार 'संविधान दिवस' पर संसद की कार्यवाही स्थगित है। पुराने संसद भवन के 'सेंट्रल हॉल' में संविधान की 75वीं सालगिरह मनाई जानी थी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का संबोधन होना था। उसके बाद संसद की कार्यवाही शुरू की जा सकती थी। एक दिन पहले ही संसद के शीतकालीन सत्र का आगाज हुआ है। उद्योगपति गौतम अडाणी के कथित घूसकांड पर विपक्ष ने जिद की और ऐसा हंगामा किया कि दोनों सदनों की कार्यवाही स्थगित करनी पड़ी। यह संवैधानिक मूल्य नहीं है। एक उद्योगपति ही संसद नहीं है। अडाणी के खिलाफ अमरीकी अदालत ने वारंट जारी किया है। बेशक घूसकांड भारत के भीतर ही हुआ है, तो उसके लिए राज्य सरकारें केस दर्ज कर सकती हैं।

दुबई से नशा तस्कर, ड्रग्स माफिया भी भारत में आज सक्रिय हैं

नशे का जाल ,बुरा हो रहा है हाल

सुनील कुमार महला

पहले देश में पंजाब को नशे का बड़ा केंद्र माना जाता था लेकिन आज राजधानी दिल्ली, राजस्थान की शिक्षा नगरी कहलाने वाले सीकर और कोटा, हिमाचल प्रदेश, गुजरात, मुंबई, पर्यटन की दृष्टि से महत्वपूर्ण क्षेत्र गोवा,केरल के साथ–साथ लगभग लगभग संपूर्ण भारत में ड्रग्स तस्कर, ड्रग्स माफिया, दलाल, ड्रग्स सप्लायर सक्रिय हैं। सीकर और कोटा में आज लाखों बच्चे नीट, जेईई परीक्षा की तैयारी करते हैं, और आज बहुत से बच्चों को ड्रग्स माफिया उनका तनाव, अवसाद कम करने व पढ़ाई में एकाग्रता बढ़ाने के बहाने उन्हें बहला–फुसला कर ड्रग्स से जोड़ रहे हैं।

पाकिस्तान अफगानिस्तान आतंकवाद के साथ ही देश-दुनिया में नशे का ज़हर घोल रहे हैं। दुबई से नशा तस्कर, ड्रग्स माफिया भी भारत में आज सक्रिय हैं। पहले देश में पंजाब को नशे का बड़ा केंद्र माना जाता था लेकिन आज राजधानी दिल्ली, राजस्थान की शिक्षा नगरी कहलाने वाले सीकर और कोटा, हिमाचल प्रदेश, गुजरात, मुंबई, पर्यटन की दृष्टि से महत्वपूर्ण क्षेत्र गोवा,केरल के साथ-साथ लगभग लगभग संपूर्ण भारत में ड्रग्स तस्कर, ड्रग्स माफिया, दलाल, ड्रग्स सप्लायर सक्रिय हैं। सीकर और कोटा में आज लाखों बच्चे नीट, जेईई परीक्षा की तैयारी करते हैं, और आज बहुत से बच्चों को ड्रग्स माफिया उनका तनाव, अवसाद कम करने व पढ़ाई में एकाग्रता बढ़ाने के बहाने उन्हें बहला-फुसला कर ड्रग्स से जोड़ रहे हैं। आज बच्चों के कोचिंग, हास्टल, स्कूल बाहुल्य क्षेत्रों में आज नशे का बड़ा तगड़ा जाल फैला हुआ है। नशे में एमडी, गांजा, अफीम, स्मैक,चरस, हेरोइन, कोकीन, सिंथेटिक ड्रग्स जैसे खतरनाक नशे शामिल हैं। नशे की पुड़िया आज हमारी युवा पीढ़ी को जड़ से बर्बाद करने पर तुली है। आज हालात यह हैं कि सौ रुपए से लेकर हजारों रूपए तक खुलेआम नशा बिक रहा है। चाय की थड़ियों, रेलवे स्टेशनों, अस्पतालों, शहर की पाश कालोनियों में नशे के दलाल सक्रिय हैं। गुटखा, तंबाकू पदार्थ बेचने वालों के साथ ही में मेडिकल स्टोर्स तक इसमें शामिल हों, इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता है। आज खाली पड़े पार्कों, सुनसान जगहों, रेलवे स्टेशनों पर दूर तक फैले प्लेटफार्मों को ये ड्रग्स माफिया और तस्कर निशाना बनाते हैं और वहां से अपना नशे का गंदा धंधा जारी रखते हैं। हाल ही में हिंदी के एक अत्यंत प्रतिष्ठित दैनिक के हवाले से यह खबरें भी आईं हैं कि पुलिस तक के कुछ अधिकारियों की भी इसमें मिलीभगत है और उनको उनका हफ्ता टाइम पर इन ड्रग्स माफिया और तस्करों द्वारा पहुंचाया जाता है ताकि उन्हें नशे का जाल शहर में फैलाने में किसी प्रकार की कोई दिक्कत या परेशानियों को सामना न करना पड़े। पहले देश में सिर्फ पंजाब ही नशे में उड़ रहा था, लेकिन आज देश के बहुत से क्षेत्र नशे में उड़ते नजर आ रहे हैं। पंजाब से लगते राजस्थान के हनुमानगढ़ और गंगानगर क्षेत्र भी नशे से अछूते नहीं हैं, जैसा कि गंगानगर क्षेत्र पंजाब और पाकिस्तान से तथा हनुमानगढ़ पंजाब से जुड़ा है। पाकिस्तान सीमा पर ड्रोन को नशे के लिए इस्तेमाल कर रहा है, अनेक बार सीमा सुरक्षा बल ने ड्रोनों को

ध्वस्त करने की कार्रवाई भी की है। आज यहां नशे के इंजेक्शन, चिट्टा, अफीम, गांजा,चरस और न जाने कितने प्रकार के महंगे से महंगे नशे आसानी से उपलब्ध हो जाएंगे। इस आशय की खबरें तो आए दिन मीडिया की सुर्खियों में रहतीं ही हैं, जो इस बात का पुख्ता सबूत है कि आज देश "उड़ता देश" बनने की कगार पर है। युवा पीढ़ी जो नशा करती है, उनमें युवा महिलाओं की संख्या भी काफी है। तंबाकू और शराब का नशा तो आम ही है। युवाओं में सूंघने वाला भी नशा आज खूब प्रचलन में है। भारत ही नहीं दुनिया में नशे के आंकड़े बहुत ही भयावह हैं। एक आंकड़े के अनुसार 1.1 करोड़ लोग आज इंजेक्शन से नशा करते हैं, जिसमें से 13 लाख को एचआईवी है। 55 लाख को हेपेटाइटिस सी की बीमारी है। और लगभग 10 लाख लोग ऐसे हैं जिन्हें एचआईवी और हेपेटाइटिस सी दोनों है। ड्रग वार डिस्टॉर्सन और वर्डोमीटर की एक रिपोर्ट के अनुसार पूरी दुनिया में मादक पदार्थों का अवैध व्यापार सालाना लगभग 30 लाख करोड़ रुपए का है। वहीं नेशनल ड्रग डिपेंडेंट ट्रीटमेंट (एनडीडीटी), एम्स की वर्ष 2019 की रिपोर्ट बताती है कि अकेले भारत में ही लगभग 16 करोड़ लोग शराब का नशा करते हैं। रिपोर्ट के आंकड़े बताते हैं कि देश की लगभग 20 प्रतिशत आबादी (10-75 वर्ष के बीच की) विभिन्न प्रकार के नशे की चपेट में है। हाल ही में नवंबर 2024 में ही नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने राजधानी दिल्ली में 80 किलो से अधिक कोकीन जब्त की है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 900 करोड़ रुपये है। इसी दिन भारतीय नौसेना, गुजरात एटीएस और एनसीबी ने गुजरात तट पर 700 किलो मेथामफेटामिन पकड़ी है और इस मामले में आठ ईरानी नागरिकों को गिरफ्तार किया गया है। इससे पहले अक्टूबर 2024 में भी दिल्ली पुलिस ने पश्चिम दिल्ली के गोदाम से 200 किलो कोकीन जब्त की थी, जिसकी कीमत करीब 2400 करोड़ रुपये बताई गई थी। इससे पहले 1 अक्टूबर को दिल्ली के ही महिपालपुर से 562 किलोग्राम कोकीन की भी बरामदगी हुई थी। दोनों ही मामले में इंटरनेशनल ड्रग कार्टेल का सरगना एक ही व्यक्ति है, जो दुबई से जुड़ा था। पंजाब की बात करें तो पिछले कुछ महीनों में ही पंजाब पुलिस ने 153 बड़े ऑपरेटरों सहित 10,524 तस्करों को गिरफ्तार किया है। हाल ही में 790 किलोग्राम हेरोइन, 860 किलोग्राम अफीम और अन्य नशीले पदार्थों के साथ-साथ 13 करोड़ रुपये से अधिक ड्रग मनी जब्त की गई है। इस साल सीमा सुरक्षा बल ने पंजाब की पाकिस्तान से लगती सीमा से 183 ड्रोन जब्त किए। जो वर्ष 2023 में बरामद 107 ड्रोन से कहीं अधिक हैं। कहना ग़लत नहीं होगा कि पंजाब पाकिस्तान, अफगानिस्तान एवं ईरान के तथाकथित गोल्डेन क्रेसेंट से तस्करी कर लाई गई नशीली दवाओं का एक पारगमन बिंदु (ट्रांजिट प्वाईंट) तथा बाजार दोनों ही है। देवभूमि हिमाचल में भी हिमाचल पुलिस ने 10 पुलिस जिलों में दबिश के दौरान अवैध मादक पदार्थों की तस्करी में सात गिरफ्तारियां कीं हैं और 10 किलो चरस सहित 100 ग्राम चिट्टा बरामद किया गया। गुजरात की बात करें तो कुछ समय पहले ही गुजरात में नेवी, एनसीबी, गुजरात पुलिस और एटीएस की संयुक्त टीम ने ड्रग्स की बड़ी खेप पकड़ी है और 700 किलो मेथामफेटामाइन के साथ 8 ईरानी नागरिकों को एक नाव से गिरफ्तार किया गया है। पकड़े गए ड्रग्स की कीमत करीब 3500 करोड़ रुपये बताई गई थी। इस साल मई माह में केरल में हाई क्वालिटी की जब्त की गई 2525 किलोग्राम मेथमफेटामाइन ड्रग्स की कीमत पच्चीस हजार करोड़ रुपए बताई गई है, जो दर्शाता है कि उच्च साक्षरता दर के बावजूद केरल जैसा राज्य भी नशे की भयंकर गिरफ्त में है। आज नशा तस्कर नशे को फ़ैलाने के लिए तकनीक का सहारा ले रहे हैं मसलन ड्रोन तस्करी, कोड वर्ड, सोशल नेटवर्किंग साइट्स का उपयोग इनके द्वारा किया जा रहा है। हालांकि ,सरकार समेत माननीय सुप्रीम कोर्ट ने भी देश में मादक पदार्थों की लत के दुषपरिणामों और इसके बढ़ते प्रसार को संज्ञान में लिया है। जन जागरूकता अभियान, नशा मुक्ति व पुनर्वास और नशा तस्करों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी है लेकिन बावजूद इसके भी इंडिया अब उड़ता इंडिया बनता चला जा रहा है। आज भारत बुरी तरह से नशे की समस्या से जूझ रहा है।

दृष्टि कोण

श्रीकृष्ण जी की शिक्षाओं की प्रासंगिकता

भगवान श्रीकृष्ण जी ने आज से लगभग 5154 वर्ष पहले महाभारत के युद्ध में जो गीता का संदेश दिया वह आज भी अतुलनीय है, अनुपम है और आज के समय के लिए श्रीकृष्ण का संदेश उतना ही सार्थक और मार्गदर्शक है जितना पांच हजार वर्ष पूर्व था। गीता के समकक्ष विश्व का संभवतः कोई भी ग्रंथ नहीं बन पाया। विश्व भर के विद्वानों ने गीता ग्रंथ की सराहना की है, इसे अनुपम माना है। भारत के प्रख्यात साहित्यकार एवं राष्ट्रभक्त श्री बंकिम चंद्र चटोपाध्याय जी ने गीता के विषय में यह कहा है- 'गीता को धर्म का सर्वोत्तम ग्रंथ मानने का यही कारण है कि उसमें ज्ञान, कर्म और भक्ति तीनों योगों की न्याययुक्त व्याख्या है। अन्य किसी भी ग्रंथ से इसका सामंजस्य नहीं है। ऐसा अपूर्व धर्म, ऐसा अपूर्व ऐक्य केवल गीता में ही दृष्टिगोचर होता है। ऐसी अद्भुत धर्म व्याख्या किसी भी देश में और किसी भी काल में किसी ने भी की हो, ऐसा ज्ञात नहीं। ऐसा उदार और उत्तम भक्तिवाद जगत में और कहीं भी नहीं है। गीता के लिए ही उत्तरप्रदेश उच्च न्यायालय के माननीय न्यायाधीश जी ने यह भी कहा था कि इसे राष्ट्रीय ग्रंथ घोषित किया जाए और सभी विद्यार्थियों को इसका अध्ययन करना चाहिए या संस्थाओं में इसे पढ़ाया जाना चाहिए। अब प्रश्न यह उठता है कि आखिर भगवान श्रीकृष्ण जी ने गीता में क्या कहा? अगर सरल भाषा में हम कहें, आम जन जिसे समझ सके, उस ढंग से श्रीकृष्ण जी के संदेश को प्रस्तुत किया जाए, तो सभी यह जान सकते हैं कि श्रीकृष्ण जी क्या थे, क्या कहते थे। वैसे उनका जीवन ही समभाव और समरसता का था। कौन नहीं जानता कि वे अपने बचपन में गोकुल के ग्वाल, बाल बालों के साथ खेलते थे, उनमें कहीं भी छोटे-बड़े का भाव नहीं था। मां के हाथ के कढ़ी-चावल बच्चों में बांटकर खाते थे। कुछ अनभिज्ञ लोग चाहे यह कहें कि वे माखन चोरी करते थे, पर वास्तविकता यह है कि नंद गांव और गोकुल का सारा दूध-दही कंस डंडे के बल से मथुरा मंगवा लेता था और भगवान श्रीकृष्ण जी ने ग्वाल बालों के साथ मिलकर एक ऐसा संगठन बनाया जो गोकुल का माखन गोकुल के बच्चों को खिलाते थे और कंस के हाथों में गोकुल, नंदगांव की शक्ति न जाए, इसका पूरा प्रयास नन्हा-मुन्ना कृष्ण करने लगा। जातिगत भेदभाव तो श्रीकृष्ण जी ने कभी स्वीकार ही नहीं किया। उन्होंने गीता में कहा है कि गीता के चतुर्थ अध्याय के 13वें श्लोक में गुणों और कर्मों के अनुसार ही रचे गए मुझसे हैं, ये वर्ण चार। इसी प्रकार जाति-धर्म आदि के आधार पर जो विद्वान भेदभाव करते हैं, उनको भगवान श्रीकृष्ण जी ने पंडित नहीं कहा। उनका यह कहना है कि विद्या विनय संपन्न ब्राह्मण, गाय, हाथी, चाण्डाल और श्वान को जो समदृष्टि से देखता है, वही पंडित है। आज हमारे देश और दुनिया में राजनेता भी और धार्मिक नेता भी जाति-पाति के आधार पर बहुत भेद करते हैं। राजनीति तो लोगों को बांटकर ही चलती है। जात-पात, प्रांत-भाषा के आधार पर देश को बांटना, दुनिया में हिंसा या घृणा फैलाना किसी भी तरह श्रीकृष्ण जी को स्वीकार नहीं था। इसीलिए आज हमारा देश गीता का देश है, श्रीकृष्ण का देश है, उन्हें गुणों से ही व्यक्ति का सम्मान करना और समाज में स्थान देना चाहिए, जाति, धर्म या जन्म के आधार पर नहीं। श्रीकृष्ण जी ने जो कहा, उसका सार यह है : विद्या विनय युक्त ब्राह्मण है जो

गाय, हाथी, कुत्ता या चाण्डाल हो
समदर्शी बनकर सदा ज्ञानवान
देखें सभी को ही वे एक समान।।

आज भी देश के सभी विद्वान यह जानते हैं कि शिक्षा के साथ ही देश का विकास हो सकता है, नागरिक लोकतंत्र के सही अधिकारी भी शिक्षा से ही हो सकते हैं। इसके साथ ही पेट भर रोटी सबको मिले। कौन नहीं जानता कि आज भी देश में अनपढ़ों की बड़ी फौज है और फुटपाथ पर सोने तथा रात को भूखे रहने वाले भी करोड़ों हैं। इसलिए भगवान श्रीकृष्ण जी ने दान-यज्ञ और जप-यज्ञ की बात की है। दान-यज्ञ से भी श्रेष्ठ उन्होंने जप-यज्ञ को बताया है। यहां यज्ञ का अभिप्राय वह नहीं जो लोग आज भी यज्ञ के बारे में सोचते हैं। यज्ञ का अर्थ है जो भी ईश्वर ने दिया है, उसे बांट कर खाओ और विद्या ज्ञान का दान करो। जिसे विद्या प्राप्त हो जाएगी, वह अपने जीवन के सारे साधन स्वयं जुटा सकेगा। फुटपाथ पर भूखे नहीं सोना पड़ेगा। उससे भी बड़ी बात, सोना-चांदी, मान-अपमान, लाभ-अलाभ को एक जैसा जानें। आज समाज में क्या हो रहा है, बड़े-बड़े अधिकारी, उच्च पदस्थ लोग, धनवान अधिक से अधिक धन कमाने के लिए कई प्रकार के अपराध करते हैं।

कुछ अलग

चरण कमल बंदौ रीडराई

हे श्रीरीडर! मैं एक मिलीमीटर हाइट का राइटर पेन की गहराइयों से तुम्हारे चरण कमलों की वंदना करता हूं। तुम्हारी कृपा से अलेखक भी सलेखक के पद को प्राप्त हो जाता है। तुम्हारी कृपा से अंगूठा भर लेखक को बिन लिखे पुरस्कार दिखने लगता है। हे श्री रीडर! तुम महान हो! तुम हर राइटर की जान हो। राइटर सा होने के बाद भी मुझे पता चल गया है कि श्रीरीडर के बिना मूर्धन्य से लेकर स्वनामधन्य तक किसी भी किस्म के राइटर की सद्गति तो छोड़ो, रूटीन की गति भी संभव नहीं। केवल दुर्गति ही दुर्गति है। हे श्रीरीडर! मैं पांव तुम जूता हो। हे श्रीरीडर! तुम स्वामी हम कुत्ता हो। हे श्रीरीडर! हम फोन तुम डाटा हो, हे श्रीरीडर! हम राशनकार्ड तुम डाटा हो। हे श्रीरीडर! तुम न हो तो सरकारी पुस्तकालयों की लाइब्रेरियों में थोक में अपने अपने चहेतों की खरीदी किताबें श्रीरीडर के बदले दीमक द्वारा चाट दी जाती हैं। हे श्रीरीडर! तुम हर किस्म के राइटर की जान हो। हे श्रीरीडर! तुम हर किस्म के राइटर की शान हो। लुच्चे से लुच्चा राइटर भी तुम्हारी पावर का लोहा वैसे ही मानता है जैसे कहने के लोकतंत्र में ही सही, अरबपति से अरबपति जनसेवक भी वोटर की पावर का लोहा मानता है। जिसके पास श्रीरीडर नहीं, वह राइटर महान हो ही नहीं सकता। कितनी भी कोशिश कर ले तो कर ले। वह फेसबुक पर अपने को महान बताता फिरे तो बताता फिरे। सोशल मीडिया पर मैं महान राइटर हूं! मैं महान राइटर हूं! चिल्लाता हो तो चिल्लाता फिरे। हे श्रीरीडर! जो रोल चाय में चाय पत्ती का होता है, वही रोल राइटिंग में श्रीरीडर का होता है। चाय बिन चीनी के चल सकती है। चाय बिन दूध के चल सकती है। चाय बिन पानी के भी चल सकती है। पर चाय चायपत्ती के बिना जिस तरह बिल्कुल नहीं चल सकती, उसी तरह राइटर श्रीरीडर के बिना बिल्कुल भी नहीं चल सकता। राइटर चोली है तो श्रीरीडर दामन है। राइटर बलि है तो श्रीरीडर वामन है। जिस तरह भगवान भक्त के बिना एक कदम भी नहीं चल सकते, उसी तरह श्रीरीडर के बिना राइटर एक कदम भी नहीं चल सकता। हे श्रीरीडर! जिस तरह बिन नमक दाल दाल होते हुए भी दाल नहीं होती, उसी तरह बिन श्रीरीडर के बिना राइटिंग राइटिंग होते हुए भी राइटिंग नहीं होती। रोटी आटे के बिना पक सकती है, पर राइटर श्रीरीडर के बिना नहीं पक सकता। बच्चा मां के बिना पल सकता है, पर राइटर श्रीरीडर के बिना नहीं पल सकता है। श्रीरीडर राइटर का दूध है। श्रीरीडर राइटर का सूप है। श्रीरीडर जून महीने की दोपहरी में राइटर की छांव है, श्रीरीडर दिसंबर की बर्फानी रात में राइटर की चिलचिलाती धूप है। हे श्रीरीडर! राइटर संपादक के बिना राइटर चल सकता है। हे श्रीरीडर! प्रकाशन बिना राइटर के चल सकता है। हे श्रीरीडर! आलोचक के बिना राइटर मस्त मस्त रह सकता है, पर हे श्रीरीडर! तुम्हारे बिना वह एक पल भी नहीं रह सकता। तुम हर किस्म के राइटर की संजीवनी हो। एक सच्चे राइटर के तुम ही प्रकाशक हो, एक सच्चे राइटर के तुम ही संपादक हो, एक सच्चे राइटर के तुम ही समीक्षक हो। जिस तरह हर किस्म के पति को इधर उधर की बीवियों के पास भटकने के बाद भी अपनी बीवी के चरणों में ही मुक्ति मिलती है, उसी तरह हर किस्म के राइटर को इधर उधर भटकने के बाद अंततः तुम्हारे श्रीचरणों का आशीर्वाद मिलने पर ही मुक्ति मिलती है। हे श्रीरीडर! तुम्हारी जिस राइटर पर कृपा हो जाए, वह कालजयी हो जाए है। हे श्रीरीडर! तुम्हारी जिस राइटर पर कृपा हो जाए वह फुल टाइम मूंगफलियां बेचने के बाद भी मालजयी हो जाए। हे श्रीरीडर! आज बाजार में सब कुछ मिल जाता है।

देश दुनिया से

गांव- गांव संविधान के निहितार्थ

संविधान दिवस के अवसर पर केंद्र सरकार ने गांव-गांव संविधान का संदेश पहुंचने का निर्णय लिया है,यह बहुत महत्वपूर्ण है। भारतवर्ष गांवों का देश है। इन गांवों में रहने वाला सामान्य नागरिक भी देश का महत्वपूर्ण अंग है। एक ओर वह चुनावों में मतदान के माध्यम से सरकार चुनकर भूमिका निभाता है तो वहीं दूसरी ओर अपने कार्य- व्यवसाय अथवा परिश्रम के द्वारा राष्ट्र निर्माण में भी योगदान करता है। विगत कुछ समय से भारतीय राजनीति में विपक्षी दल संविधान को हथियार बनाकर भिन्न-भिन्न प्रकार के भ्रम फैला रहे हैं। संविधान खतरे में है, संविधान खत्म कर दिया जाएगा, संविधान बचाओ अभियान आदि अनेक मुहिम विपक्ष की राजनीतिक लोलुपता के कारण निरंतर चल रही हैं। आज यह समझने की आवश्यकता है कि संविधान एक ऐसा ग्रंथ है जो भारतवर्ष की समुचित शासन व्यवस्थाओं को निर्देशित और नियंत्रित करता है। यह कोई खिलौना या वस्त्र नहीं है, जिसे कोई खत्म कर दे अथवा खतरे में डाल दे। आज यह आवश्यक है कि गांव में रहने वाला एक सामान्य व्यक्ति भी संविधान के सही अर्थो को समझे, संविधान की उद्देशिका का क्या संदेश है? इसकी जानकारी उसे भी हो। साथ ही संविधान में प्रत्येक नागरिक के लिए विभिन्न अधिकारों और कर्तव्य का प्रविधान है। गांव का व्यक्ति भी उनसे परिचित हो सके इस निमित्त यह गांव-गांव संविधान का निर्णय अथवा अभियान महत्वपूर्ण है। समाचारों के अनुसार ऐसा पहली बार होने जा रहा है जब संविधान दिवस पर देश की सभी ग्राम पंचायतों में संविधान दिवस मनाने का निर्णय लिया गया है। पंचायती राज मंत्रालय ने सभी राज्य सरकारों और केंद्र शासित प्रदेशों में विशेष ग्राम सभाओं सहित अन्य गतिविधियों को लेकर दिशा निर्देश जारी किए हैं। ध्यातव्य है कि 26 नवंबर को देशभर में संविधान दिवस मनाया जाएगा। इस अवसर पर राजधानी दिल्ली में अनेक कार्यक्रम होने सुनिश्चित हुए हैं। पंचायती राज मंत्रालय ने सभी राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों को इस संबंध में पत्र लिखकर आयोजन संबंधी दिशा निर्देश दिए हैं। संविधान को लेकर इस दिन सभी ग्राम पंचायतों में विशेष ग्राम सभा आयोजित की जाएंगी। संबंधित पंचायत के ग्रामीण ही ग्राम पंचायत सदस्य होते हैं इसलिए उन सभी को आमंत्रित कर संविधान की शपथ दिलाई जाएगी। स्वतंत्रता सेनानियों का सम्मान कर देश की स्वतंत्रता में उनके योगदान का उल्लेख वक्तागण करें। ग्राम पंचायत क्षेत्र के स्कूल-कॉलेजों में संवैधानिक मूल्यों पर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन होगा। राष्ट्र निर्माण में महिलाओं की भूमिका पर सभी ग्राम पंचायतों व स्वयं सहायता समूहों को साथ जोड़कर चर्चा करने के लिए कहा गया है। आदिवासी बहुलता वाले अधिसूचित राज्यों के गांवों में अलग से कार्यक्रम करने के निर्देश हैं। यह बड़ा विचार और संकल्प है। मेरे सपनों का भारत नामक पुस्तक में गांधी जी ने गांवों की ओर, ग्राम स्वराज, पंचायत राज, ग्रामोद्योग, ग्राम प्रदर्शनियां, गांवों की सफाई, गांवों का आरोग्य, गांवों का आहार व ग्राम सेवक आदि अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चिंतन और लेखन किया है। यह भी सर्वविदित है कि दसता के कालखंड में सर्वाधिक शोषण व अत्याचारों के शिकार गांववासी ही हुए और स्वतंत्रता संग्राम में भी सर्वाधिक भूमिका गांवों की ही रही। स्वतंत्रता के बाद 26 जनवरी 1950 में संविधान लागू होने के बाद पंचवर्षीय योजनाएं तो चली, लेकिन गांव उपेक्षित ही रहे। अनेक योजनाएं व्यवस्थित भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गई। गांव उत्पादन और निर्माण तो करते रहे, लेकिन विकास की मुख्य धारा से दूर ही रहे। शासन व्यवस्था में बैठे लोगों ने लोकतंत्र को परिवारतंत्र बना दिया। केवल चुनाव के समय ये गांव राजनीतिक टूरिज्म का केंद्र बनते रहे। केवल चुनाव के समय उनकी बदहाली पर आंसू बहाए जाते थे। अधिकांश नेता गांवों से दूर महानगरों में ऐश्वर्य का जीवन जीते रहे और चुनाव के समय भोली जनता को मोहक नारों से छलते और गुमराह करते रहे। विगत कुछ वर्षों में ज्ञान-विज्ञान

और सूचना-तकनीक का तेजी से विकास और विस्तार हुआ है। आज सुदूर गांव देहात में भी टेलीविजन, कंप्यूटर और मोबाइल जैसी सुविधाएं उपलब्ध हो रही हैं। फलस्वरूप अब गांव की जड़ता टूट रही है। गांव में रहने वाला सामान्य व्यक्ति भी मुख्य धारा से जुड़ना चाहता है। विगत कुछ वर्षों में राजनीतिक नेतृत्व में परिवर्तन के साथ-साथ गांव की स्थिति में भी बदलाव आ रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ग्रामोदय से भारतोदय के संकल्प को तेजी से आगे बढ़ाते हुए काम कर रहे हैं। अब देश के लाखों गांव बिजली, पानी, सड़क, स्कूल, शौचालय, उन्नत कृषि, पशुपालन व मधुमक्खी पालन आदि से जुड़कर जहां मूलभूत सुविधाएं पा रहे हैं वहीं रोजगार के नए अवसरों तक भी पहुंच रहे हैं। देश की विभिन्न पंचायतें इंटरनेट से जुड़ रही हैं। अनेक गांव स्वयं के प्रयासों से और सरकारी सहायता से उन्नत हो रहे हैं। ऐसे में संविधान का संदेश ग्रामवासियों को भ्रम- भय से दूर करके नवजागरण हेतु प्रेरित करेगा। समाचारों के अनुसार खेल व युवा मामलों के मंत्रालय द्वारा भी संविधान दिवस के अवसर पर दिल्ली में हमारा संविधान, हमारा स्वाभिमान पदयात्रा और विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन की योजना बनाई गई है। इस कार्यक्रम में हजारों युवा संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक पाठ करेंगे, ऐसे भी समाचार हैं। इस प्रकार के कार्यक्रम सराहनीय तो हैं ही लेकिन यह भी आवश्यक है कि संविधान की प्रस्तावना के सही अर्थ जन-जन तक पहुंचे। यह विडंबना ही है कि विगत कुछ वर्षों से राजनीतिक स्वार्थों की पूर्ति हेतु कुछ लोग युवाओं और सामान्य लोगों को देश के विरुद्ध खड़ा करने का भी प्रयास कर रहे हैं। ऐसे में युवाओं में संविधान की प्रस्तावना का पाठ और गांव-गांव संविधान का संदेश जन जागरण के साथ-साथ राष्ट्र शक्ति को संगठित करने का भी काम करेगा।

आप का नजरिया

सार्वजनिक जमीन से कमाई

जमीन पर मकसद उगाने के लिए नवाचार चाहिए या इस्तेमाल की गई दौलत को उत्पाद चाहिए। कुछ इसी तरह का अनूठा प्रयास एचपीएमसी करने जा रही है। कभी बड़ी शिद्दत से कोलकाता में निगम ने तीन एकड़ जमीन खरीदी थी, ताकि कोल्ड स्टोर की श्रृंखला में हिमाचल की बागबानी को सहारा मिले। यह उद्देश्य उस जमीन पर खड़ा नहीं हो सका, लेकिन यह सफेद हाथी हमेशा निगम की आंख में किरकिरी बनकर रहा। जमीन को बेचने के प्रस्तावों के बीच अब निगम अपनी आय बढ़ाने का ऐसा अवसर खोज रहा है, जो आर्थिकी की नई पैरवी सरीखा है। कोलकाता की तीन एकड़ जमीन पर एचपीएमसी अपने किसी बिजनेस पार्टनर के साथ आईटी पार्क स्थापित करके हर महीने किराया वसूलने की योजना पर काम कर रहा है। संसाधनों की पैकेजिंग में फल विधायन से सूचना प्रौद्योगिकी तक पहुंचे एचपीएमसी के कदम दरअसल अतिरिक्त कमाने की तड़प है। इसी भावना से अगर अन्य निगम भी अपनी क्षमता में वैविध्य लाएं तो कई कमाऊ रास्ते चुनने का नवाचार दृष्टिगोचर होगा। आय की पैकेजिंग के लिए हाथ-पांव मारने पड़ेंगे। उदाहरण के लिए नाहन फाउंड्री अपने अच्छे दिनों की कहानी में हिमाचल का एक सफल उपक्रम रही है, लेकिन प्रबंधकीय चुनौतियों के सरल उपायों ने इसकी क्षमता को क्षीण कर दिया। इस उपक्रम की बेहद कीमती जमीन बाहरी राज्यों में स्थित थी, लेकिन घाटों के एवज में इसे बेचकर कमाने का जरिया सीमित कर दिया। इसी तरह मिल्क फेडरेशन साल में एक या दो बार मिठाई या गजक के उत्पादन में आर्थिक जगह तलाशती है, लेकिन बाद में ग्राहकों की रुचि में शून्यता भर देती है। कायदे से दुग्ध उत्पादों में अगर कुछ पाना है, तो कई उत्पाद निरंतरता के साथ जोडऩे पड़ेंगे। एक दौर था जब एचपीएमसी भी अपने उत्पादों के कारण राष्ट्रीय स्तर की मार्केटिंग करता था। तब देश के हर बस स्टैंड और रेलवे स्टेशन पर एचपीएमसी के जूस बार इसके उत्पादों को राष्ट्रीय पेय बनाते थे। अब मशीनरी घिस गई है या उपभोक्ताओं के बदलते बाजार को सरकारी उपक्रम समझ नहीं पा रहे। दरअसल हिमाचल के सरकारी स्वभाव में न आर एंड डी और न ही नवाचार के प्रति कोई चेतना है। एक ढर्रे के तहत सारे निगम अपने मुख्यालय यानी शिमला में पुराने पन्नों को सुर्ख करते रहते हैं। अब समय आ गया है कि प्रदेश के समस्त बोर्ड व निगमों के मुख्यालय शिमला से स्थानांतरित करके इनको उत्पादन क्षेत्रों को भेजा जाए। एचपीएमसी का मुख्यालय परवाणू प्रोसेसिंग प्लांट के साथ जोड़ा जाना चाहिए, तो मिल्क फेडरेशन को ढगवार के प्रस्तावित मिल्क प्लांट में स्थायी स्थान मिलना चाहिए। एचआरटीसी का मुख्यालय हमीरपुर या ऊना में होना चाहिए, तो विद्युत बोर्ड पूरी तरह सुंदरनगर स्थानांतरित हो जाना चाहिए। प्रदेश शिमला में सरकार का घर तो तराश सकता है, लेकिन घर चलाने की शक्ति उसे राजधानी के बाहर जिला मुख्यालयों पर मिलेगी। उद्योग और वित्त से जुड़े निगमों को बीबीएन में अपने मुख्यालय स्थापित करने चाहिएं।

न्यूज़ब्रीफ

भ्रष्टाचार के आरोप राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने अपने ही रक्षा मंत्री डोंग जुन के खिलाफ बैठाई जांच

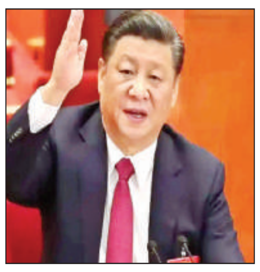

बीजिंग। चीन के रक्षा मंत्री एडमिरल डोंग जुन भ्रष्टाचार के आरोपों से घिर गए हैं। उनके खिलाफ पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) में जांच हो रही है। डोंग चीन के लगातार तीसरे सेवारत या पूर्व रक्षा मंत्री हैं, जिनके खिलाफ भ्रष्टाचार की जांच की जा रही है। डोंग जुन को 11 महीने पहले, दिसंबर 2023 में रक्षा मंत्री बनाया गया था। डोंग जुन से पहले ली शांगफू चीन के रक्षा मंत्री थे। ली को भ्रष्टाचार के आरोपों के चलते पद से हटना पड़ा था। ली शांगफू को आरोप लगने पर महज सात महीने में ही पद से हटा दिया गया था। ली शांगफू से पहले वेई फेंगहे चीन के रक्षा मंत्री थे। उन पर भी भ्रष्टाचार के आरोप लगे थे। पद से हटने के बाद उनकी जांच शुरू हुई थी। एक के बाद एक रक्षा मंत्रियों पर भ्रष्टाचार के आरोपों से चीनी सेना की छवि को भी धक्का लगा है। अमेरिकी सैन्य अधिकारियों का दावा है कि पीएलए में चल रही जांच से कहीं ना कहीं जिनपिंग का अपनी सेना पर भरोसा कम हो रहा है। हालांकि चीन में रक्षा मंत्री सबसे शक्तिशाली सैन्य व्यक्ति नहीं होता है। चीन की सेना का नेतृत्व सेंट्रल मिलिट्री कमीशन (सीएमसी) के उपाध्यक्ष करते हैं। रक्षा मंत्री पीएलए का अंतरराष्ट्रीय चेहरा होता है।यह पूरा मामला पीपुल्स लिबरेशन आर्मी में भ्रष्टाचार की व्यापक जांच का हिस्सा है। अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि राष्ट्रपति जिनपिंग ने पीएलए में भ्रष्टाचार की जांच के लिए बड़े स्तर पर अभियान छेड़ रखा है। इसी अभियान की जद में अब रक्षा मंत्री डोंग आए हैं। हालांकि अभी यह स्पष्ट नहीं है कि डोंग जुन पर किस तरह के भ्रष्टाचार के आरोप हैं। चीन के वॉशिंगटन स्थित दूतावास ने इस मामले पर कोई भी टिप्पणी करने से इनकार कर दिया है।

कीव पर रुस ने तेज किए हमले, अंतिम प्रहार की तैयारी में पुतिन

मास्को। यूक्रेन पर रूस ने बीती रात जोरदार हमला किया हैं। यूक्रेन की ओर से इसकी जानकारी दी गई है। यूक्रेन का कहना है कि रूस की ओर से पूरी रात 188 ड्रोनों के द्वारा हमले किए गए। इन हमलों में कई अहम इमारतों को बड़ा नुकसान हुआ है। इसके अलावा कई रिहायशी इलाकों में भी लोगो को हमलों का शिकार होना पड़ा है। यूक्रेन की एयरफोर्स ने कहा, रात में हमला हुआ और दुश्मन देश ने ड्रोन से लगातार हमले किए। इन ड्रोन अटैक में कई इमारतों को बुरी तरह से नुकसान पहुंचा है। यूक्रेन का कहना है कि यह हमले ईरान में बने शाहेद ड्रोन से किए गए हैं। जानकारों का मानना है कि बीते एक महीने में रूस के हमले यूक्रेन में तेज हुए हैं। पिछले कुछ महीनों से रूस की सेना की आक्रामकता कम हो रही थी, लेकिन पुतिन की सेना ने फिर से हमले तेज कर दिए हैं। कई विश्लेषकों कहना है कि यूक्रेन से रूस ने लंदन के आधे के बराबर एरिया छीन लिया है। जानकारों का कहना है कि रूस और यूक्रेन का युद्ध अब सबसे खतरनाक मोड़ पर है। एक ओर रूस की सेना के हमले तेज हैं। वहीं यूक्रेन ने भी अमेरिकी मिसाइलों के जरिए टारगेट किया है। एक रिपोर्ट में कहा गया हैं कि व्लादिमीर पुतिन की सरकार ने यूक्रेन पर हमले के लिए साप्ताहिक और मासिक टारगेट तय किया है। रूसी सेना ने बीते एक सप्ताह में ही 235 वर्ग मील तक का एरिया कब्जा लिया है। माना जा रहा है कि व्लादिमीर पुतिन अब यूक्रेन के साथ युद्ध को लंबा नहीं खींचना चाहते। वह किसी मोड़ पर अब जंग को रोकने के मूड में हैं। इसके बाद आर-पार की जंग को लेकर उन्होंने हमले तेज कर दिए हैं।

ऑस्ट्रेलिया के 3 क्यूब सैटेलाइट्स सूरज की गर्मी से जलकर हुए खाक

मेलबर्न । ऑस्ट्रेलिया के 3 क्यूब सैटेलाइट्स धरती की निचली कक्षा में जलकर खत्म हो चुके है। इसकी वजह से सूरज की गर्मी को बताया जा रहा है। क्योंकि इस समय सूरज ज्यादा गर्मी दे रहा है। जिसके कारण नुकसान सीधे तौर पर सैटेलाइट्स को हो रहा है। ऑस्ट्रेलिया की कर्टिन यूनिवर्सिटी के बाइनर स्पेस प्रोग्राम के तीन क्यूब सैटेलाइट्स सोलर फ्लेयर के शिकार हुए। यानी सूरज से निकलने वाली गर्म किरणों से ये तीन क्यूब सैटलाइटस जल गए। ये तीनों सैटेलाइट्स समय से पहले ही खत्म हो गए। ये धरती के ऊपर 2000 किलोमीटर की कक्षा से थोड़ा कम ऊंचाई पर चक्कर लगा रहे थे। लेकिन वे धीरे-धीरे वायुमंडल के नजदीक आने लगे। बाइनर-2, 3 और 4 की यह स्थिति देखकर वैज्ञानिक हैरान रह गए। ये सिर्फ दो महीने ही अंतरिक्ष में जीवित रह सके। जबकि इन्हें 6 माह के लिए अंतरिक्ष में भेजा गया था। वैज्ञानिकों के मुताबिक वर्तमान में सूरज अपने सोलर मैक्सिमम में चल रहा है।

इस्लामाबाद में भारी बवाल के बीच बुशरा बीबी और गंडापुर डी-चौक से पीछे हटे

इस्लामाबाद, 27 नवंबर (एजेंसियां)।

पाकिस्तान की संघीय राजधानी इस्लामाबाद का डी-चौक करीब तीन दिन बाद टकराव की टीस से मुक्त हुआ। खूनखराबे का गवाह बने इस चौक के आसपास के महत्वपूर्ण ठिकानों की सुरक्षा के लिए तैनात फौजी यहां से पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के हजारों समर्थकों के चले जाने से कुछ सुकून में हैं। करीबन 34-35 हजार प्रदर्शनकारियों के काफिले का नेतृत्व कर रहे खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री अली अमीन गंडापुर और पीटीआई संस्थापक और पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की बीवी बुशरा बीबी के यहां से चले जाने पर हुकूमत ने भी राहत की सांस ली है।

डी-चौक पर प्रदर्शनकारियों के खिलाफ सख्ती देखकर पीटीआई संस्थापक की पत्नी बुशरा बीबी और खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री अली अमीन गंडापुर कथित तौर पर भाग गए। इस दौरान फौज और पुलिस ने लगभग 450 पीटीआई प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार कर लिया। प्रशासन ने बुले क्षेत्र, खैबर चौक और कुलसुम प्लाजा को पीटीआई समर्थकों को खदेड़कर खाली करा लिया है। सुरक्षाकर्मियों और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़पों के बीच पुलिस ने आंसू गैस के गोले दागे। इस दौरान गोलियों की आवाज भी सुनी गई।इस चैनल ने सूत्रों के हवाले से कहा कि बुशरा बीबी और मुख्यमंत्री गंडापुर एक ही वाहन से भाग गए। इससे पहले संघीय सरकार के गृहमंत्री मोहसिन नकवी ने घोषणा की कि पुलिस पीटीआई प्रदर्शनकारियों से अपने स्तर पर निपटेगी। नकवी ने बुशरा बीबी पर इस्लामाबाद में जान-माल का नुकसान करने वाली सारी अराजकता को अंजाम देने का आरोप लगाया। आंतरिक मंत्री मोहसिन नकवी ने कहा कि डी-चौक से प्रदर्शनकारियों को सफलतापूर्वक हटा दिया गया है।

संघीय राजधानी में सुरक्षा बलों और पीटीआई प्रदर्शनकारियों के बीच दिन भर की तीखी लड़ाई तड़के रेड जोन (डी-चौक) से पार्टी के शीर्ष नेतृत्व और समर्थकों के हटने के साथ समाप्त हो गई। अधिकारियों और अस्पताल के सूत्रों ने कहा कि तीन दिनों के विरोध प्रदर्शन में कम से कम छह लोगों की जान चली गई। इसमें एक पुलिसकर्मी और तीन रेंजर्स शामिल हैं।

बुशरा बीबी, मुख्यमंत्री गंडापुर सहित पीटीआई नेतृत्व ने देररात यहां से वापसी की। इससे पहले उन्होंने प्रदर्शनकारियों से घर जाने, रात का खाना खाने और कल वापस आने का आग्रह किया। गंडापुर और बुशरा इसके बाद अचानक यहां से अदृश्य हो गए। हालांकि, सूचना मंत्री अता तरार ने दावा किया कि वे दोनों हरिपुर के रास्ते खैबर पख्तूनख्वा वापस आ गए हैं।

बहन ने किया बुशरा के अपहरण का दावाजियो न्यूज चैनल के अनुसार, बुशरा बीबी की बहन मरियम रियाज वाटो ने आशंका जताई है कि बुशरा का अपहरण कर लिया गया है। तड़के मरियम ने एक वीडियो संदेश में कहा कि अगर बुशरा खैबर पख्तूनख्वा पहुंची होती तो वह अपने परिवार से संपर्क करतीं। उन्होंने कहा कि उन्हें बुशरा की गिरफ्तारी और खैबर पख्तूनख्वा में उनके कथित आगमन के संबंध में विरोधाभासी सूचना मिली है। मरियम ने कहा कि पीटीआई के प्रदर्शन को काफी समर्थन मिला है। इस बीच पीटीआई नेता और नेशनल असेंबली के सदस्य शेर अफजल मारवत ने कहा कि इस्लामाबाद में 24 नवंबर को शुरू हुआ विरोध प्रदर्शन अब रद्द कर दिया गया है।

पीटीआई ने विरोध प्रदर्शन स्थगित कियापीटीआई के केंद्रीय मीडिया सेल ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा, सरकार की क्रूरता और संघीय राजधानी को निहत्थे नागरिकों के लिए बूचड़खाने में बदलने की योजना के मद्देनजर हम अपने शांतिपूर्ण विरोध को अस्थायी रूप से स्थगित करने की घोषणा कर रहे हैं। पूर्व सत्तारूढ़ पार्टी ने कहा कि वह पार्टी संस्थापक इमरान खान के मार्गदर्शन में भविष्य की रणनीति की घोषणा करेगी। उल्लेखनीय है कि इमरान खान लगभग सालभर से रावलपिंडी सेंट्रल जेल (अदियाला जेल) में सलाखों के पीछे कैद हैं।

भारतीय विदेश मंत्रालय का बयान बेबुनियाद और हमारी दोस्ती के खिलाफ

ढाका, 27 नवंबर (एजेंसियां)।

बांग्लादेश ने कहा- चिन्मय की गिरफ्तारी को गलत तरीके से पेश किया जा रहा

बांग्लादेश में इस्कॉन मंदिर के धर्मगुरु चिन्मय कृष्णदास प्रभु की गिरफ्तारी पर भारतीय विदेश मंत्रालय के बयान को बांग्लादेश ने बेबुनियाद बताया है और कहा है कि यह हमारी दोस्ती के खिलाफ है। बांग्लादेश विदेश मंत्रालय ने कहा कि ये बेहद दुख की बात है कि चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी को कुछ लोगों ने गलत तरीके से पेश किया।

मंत्रालय ने कहा कि इस तरह के बयान न केवल तथ्यों को गलत तरीके से पेश करते हैं, बल्कि भारत-बांग्लादेश के बीच दोस्ती और आपसी समझ की भावना के भी उलट हैं। बांग्लादेश सरकार फिर ये दोहराना चाहेगी कि देश की न्यायपालिका पूरी तरह से स्वतंत्र है और सरकार उनके कामकाज में दखल नहीं देती है।

मंत्रालय ने आगे कहा कि बांग्लादेश सरकार देश में सांप्रदायिक सौहार्द बनाए रखने को लेकर प्रतिबद्ध है। चटगांव में वकील सैफुल इस्लाम अलिफ की बेरहमी से हत्या को लेकर चिंतित है। प्रशासन ने सुरक्षा बढ़ा दी है ताकि किसी भी कीमत पर धार्मिक सहिष्णुता बनी रहे। इससे पहले भारत ने चिन्मय प्रभु की गिरफ्तारी पर नाराजगी जाहिर की थी।

भारत के विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को जारी बयान में कहा था कि चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी से हम चिंतित हैं। विदेश मंत्रालय ने कहा था कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि अपराधी खुलेआम घूम रहे हैं, लेकिन शांतिपूर्ण सभाओं के जरिए सही मांगें करने वालों के खिलाफ मुकदमे चलाए जा रहे हैं।

श्रीलंका में मौसम खराब, प्रभावित क्षेत्रों के सरकारी कर्मचारियों की छुट्टियां निरस्त

कोलंबो

श्रीलंका में खराब मौसम को देखते हुए प्रभावित इलाके के सभी सरकारी कर्मचारियों की छुट्टियां निरस्त कर दी गई हैं। सरकार ने समुद्र के निचले इलाकों में रहने वाले लोगों को बाढ़ के दौरान सतर्क रहने का आग्रह किया है। डेली मिरर समाचार पत्र के अनुसार, कृषि, पशुधन, भूमि और सिंचाई मंत्रालय के सचिव डीपी विक्रमसिंघे ने कहा कि पराक्रम समुद्र के निचले इलाकों में बाढ़ आने की आशंका है। उन्होंने सिंचाई विभाग और महावेली प्राधिकरण के अधिकारियों को अपने संबंधित स्टेशनों पर रहने के साथ अक्करापट्टुवा और नीलवाला गंगा क्षेत्रों के प्रभावित लोगों के लिए तत्काल आवश्यक इंतजाम करने के निर्देश दिए हैं। विक्रमसिंघे ने छुट्टियों पर गए कर्मचारियों को तत्काल प्रभाव से मुख्यालय पहुंचने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि सभी कर्मचारियों की छुट्टियां रद्द कर दी गई हैं। इस बीच बट्टिकलोआ के करैतिवु में कल बाढ़ में बहे ट्रैक्टर सवार 14 किशोरों में से आठ का अभी तक कोई पता नहीं चल पाया है। गोताखोर उनकी तलाश में जुटे हुए हैं।

लेबनान में युद्ध विराम शुरू, विस्थापित लौटने को तैयार

बेरूत

लंबी जद्दोजहद के बाद इजराइल और आतंकवादी समूह हिजबुल्लाह के युद्ध विराम पर सहमत होते ही लेबनान में लड़ाई थम गई। युद्ध विराम आधिकारिक तौर पर बुधवार तड़के चार बजे से प्रभावी हो गया। इसी के साथ लड़ाई के दौरान लेबनान से विस्थापित हजारों लोग स्वदेश लौटने के लिए तैयार हो गए हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका और फ्रांस के संयुक्त बयान में युद्ध विराम लागू होने की पुष्टि की गई है।

इजराइल और लेबनान के आतंकी समूह हिजबुल्लाह के बीच दशकों के इतिहास में अब तक के सबसे घातक युद्ध को समाप्त करने के लिए किया गया संघर्ष विराम आधिकारिक तौर पर बुधवार तड़के चार बजे प्रभावी हो गया। इसकी घोषणा होते ही दक्षिणी बेरूत के दहिया में पुनर्निर्माण का काम शुरू हो गया। हिजबुल्लाह का मुख्यालय दहिया में ही है। कभी घनी आबादी वाले दहिया में इस समय इक्का-दुक्का लोग ही रह रहे हैं। यहां से अक्टूबर में 52 वर्षीय मोहम्मद अवादा अपने दो बच्चों के साथ उत्तरी लेबनान के शहर त्रिपोली भाग गए थे। हमले में उनका अपार्टमेंट नष्ट हो गया था। युद्ध विराम की भनक मिलते ही उन्होंने कहा कि वह दहिया लौटेंगे और वहां नए सिरे जीवन शुरू करेंगे।

इस बीच लेबनान की सेना ने विस्थापित नागरिकों से दक्षिणी लेबनान के कस्बों और गांवों में लौटने से पहले इजराइली सैनिकों के हटने का इंतजार करने का आह्वान किया है। साथ ही गैर-विस्फोटित आयुध के खतरों के बारे में भी चेताया है। लेबनान के अधिकारियों ने कहा कि संघर्ष विराम लागू होने के कुछ घंटों बाद विस्थापित परिवार दक्षिणी और पूर्वी लेबनान लौटने लगे। लेबनान में इस समय संयुक्त राष्ट्र अंतरिम शांति सेना के 10 हजार जवान मौजूद हैं।

इराइली सेना के प्रवक्ता अविचाई अद्राई ने कहा कि संघर्ष विराम की शर्तों के अनुसार देश के सैनिक दक्षिणी लेबनान मौजूद हैं। एड्राई ने लेबनाने के विस्थापितों को चेतावनी दी कि वे तुरंत वापस नहीं जाएं। सुरक्षित आवाजाही के संकेत मिलते ही सूचित किया जाएगा। इस युद्ध विराम से इजराइल में स्थिति अपेक्षाकृत शांत दिखाई दी। आधीरात के बाद से देश में कोई नया हवाई हमला सायरन नहीं बजा है। ताजा युद्ध विराम का उद्देश्य इजराइल और हिजबुल्लाह के बीच एक साल से अधिक समय से चल रही लड़ाई को समाप्त करना है।

लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, इजराइली सेना की बमबारी और जमीनी कार्रवाई में लगभग 3,800 लोग मारे गए हैं। दस लाख से अधिक लोग विस्थापित हुए हैं। लेबनान के समाचार पत्र द नेशनल के अनुसार, इजराइल और हिजबुल्लाह के बीच सालभर से अधिक समय तक चली लड़ाई के बाद लेबनान में युद्ध विराम लागू हो गया है। युद्ध विराम की घोषणा अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने वाशिंगटन में की। संयुक्त राज्य अमेरिका और फ्रांस ने संयुक्त बयान में युद्ध विराम की शर्तों और अपेक्षाओं को रेखांकित किया है। इस युद्ध विराम पर संयुक्त राज्य अमेरिका और फ्रांस नजर रखेंगे।

ट्रंप ने कोलकाता में जन्मे जय भट्टाचार्य पर जताया भरोसा, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ का निदेशक नामित किया

वाशिंगटन

संयुक्त राज्य अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कोलकाता में जन्मे भारतीय-अमेरिकी वैज्ञानिक डॉ. जय भट्टाचार्य पर भरोसा जताते हुए उन्हें नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ (एनआईएच) के निदेशक के रूप में नामित किया है। इसके अलावा जैमीसन ग्रीर को अमेरिका व्यापार प्रतिनिधि (यूएसटीआर) के रूप में चुना। साथ ही केविन ए. हैसेट को व्हाइट हाउस की राष्ट्रीय आर्थिक परिषद का निदेशक नियुक्त किया है।

खबर के अनुसार, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ (एनआईएच) संयुक्त राज्य अमेरिका के शीर्ष स्वास्थ्य अनुसंधान एवं वित्त पोषण संस्थानों में से एक है। ट्रंप के दूसरे कार्यकाल में भारतीय-अमेरिकी वैज्ञानिक डॉ. जय भट्टाचार्य एनआईएच प्रमुख होंगे। इसके साथ ही भट्टाचार्य शीर्ष प्रशासनिक पद के लिए नामित होने वाले पहले भारतीय-अमेरिकी बन गए हैं।इससे पहले नवनिर्वाचित राष्ट्रपति ट्रंप ने टेस्ला के मालिक एलन मस्क के साथ नवगठित सरकारी दक्षता विभाग का नेतृत्व करने के लिए भारतीय-अमेरिकी विवेक रामास्वामी को चुना था। यह एक स्वैच्छिक पद है और इसके लिए अमेरिकी सीनेट से पुष्टि की आवश्यकता नहीं है।ट्रंप ने सोशल मीडिया में घोषणा की, मुझे जय भट्टाचार्य एमडी, पीएचडी को एनआईएच के निदेशक के रूप में नामित करके बहुत प्रसन्नता हो रही है। डॉ. भट्टाचार्य रॉबर्ट एफ. कैनेडी जूनियर के साथ मिलकर राष्ट्र के चिकित्सा अनुसंधान की दिशा में मार्गदर्शन करेंगे और स्वास्थ्य में सुधार लाने तथा लोगों का जीवन बचाने वाले महत्वपूर्ण खोज को प्रोत्साहित करने की दिशा में काम करेंगे।

ट्रंप ने दूसरी पोस्ट में कहा कि आर्थिक सलाहकार परिषद के अध्यक्ष केविन ए. हैसेट ने 2017 के कर कटौती और रोजगार अधिनियम को पारित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। ट्रंप ने मंगलवार को वकील और अपने पूर्व अधिकारी जैमीसन ग्रीर को यूएसटीआर के रूप में चुने जाने पर कहा कि ग्रीर उनके पहले कार्यकाल में व्यापार प्रतिनिधि रॉबर्ट ई. लाइटहाइजर के स्टाफ प्रमुख के रूप में कार्य कर चुके हैं।

जय भट्टाचार्य का प्रोफाइलजय भट्टाचार्य का जन्म पश्चिम बंगाल के कोलकाता में हुआ। वह उच्च शिक्षा के लिए अमेरिका गए। उन्होंने 1990 के दौर में स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी से बैचलर ऑफ आर्ट्स और फिर मास्टर ऑफ आर्ट्स किया। इसके बाद डॉक्टर ऑफ मेडिसिन (एमडी) की डिग्री हासिल की और 2000 में अर्थशास्त्र से पीएचडी की। वो इस समय स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी में स्वास्थ्य नीति के प्रोफेसर हैं। साथ ही नेशनल ब्यूरो ऑफ इकोनॉमिक रिसर्च में रिसर्च एसोसिएट के तौर पर काम कर रहे हैं। वो स्टैनफोर्ड में स्वास्थ्य और उम्र से जुड़े जनसांख्यिकी और अर्थशास्त्र केंद्र के निदेशक हैं। उनके शोध स्वास्थ्य के अलावा कमजोर आबादी की बेहतर देखभाल से जुड़े हैं। उनके शोध पत्र अर्थशास्त्र, कानून और स्वास्थ्य जर्नल्स में छपे हैं।

उर्विल पटेल ने तोड़ा पंत का रिकॉर्ड, सबसे तेज टी20 शतक बनाने वाले भारतीय बने

इंदौर, 27 नवंबर (एजेंसियां)।

गुजरात के 26 वर्षीय विकेटकीपर-बल्लेबाज उर्विल पटेल ने बुधवार को त्रिपुरा के खिलाफ सैयद मुश्ताक अली मैच के दौरान सिर्फ 28 गेंदों में शतक लगाया, इसी के साथ उन्होंने ऋषभ पंत के सबसे तेज भारतीय और प्रारूप में दूसरे सबसे तेज शतक का रिकॉर्ड तोड़ दिया। त्रिपुरा के खिलाफ़ 156 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए उर्विल बल्लेबाजी करने आए और विपक्षी गेंदबाज़ी की धज्जियाँ उड़ाते हुए सात चौके और 12 छक्के लगाए। उनका स्ट्राइक रेट 322.86 था। उन्होंने अपनी टीम को आठ विकेट और 58 गेंदें शेष रहते मैच जीता दिया। उनके सलामी जोड़ीदार आर्य देसाई (24 गेंदों में 38 रन, चार चौके और दो छक्के) ने भी अहम पारी खेली और एक छोर संभाले रखा।

इससे पहले, गुजरात ने टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण का फैसला किया। त्रिपुरा के लिए श्रीदम पॉल ने बेहतरीन अर्धशतक लगाते हुए 49 गेंदों में 57 रन बनाए, इस दौरान उन्होंने चार चौके और चार छक्के लगाए। उनकी इस पारी की बदौलत त्रिपुरा ने 20 ओवर में 8 विकेट पर 155 रन बनाए। गुजरात के लिए अरज़ान नागवासवाला ने 35 रन देकर 3 विकेट लिए, चिंतन गजा ने भी तीन ओवर में 18 रन देकर दो विकेट चटकाए, जबकि अक्षर पटेल को एक विकेट मिला।

विशेष रूप से, उर्विल ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मेगा नीलामी के लिए खुद को पंजीकृत किया था, लेकिन जेद्दा में उन्हें कोई खरीदार नहीं मिला। उन्होंने अभी तक लीग में एक भी मैच नहीं खेला है।

44 टी20 में उन्होंने 23.52 की औसत से 164.11 की स्ट्राइक रेट के साथ 988 रन बनाए हैं। उन्होंने एक शतक और चार अर्द्धशतक भी लगाए हैं, जिसमें 113* का सर्वश्रेष्ठ स्कोर है।

सबसे तेज टी20 शतक का रिकॉर्ड एस्टोनिया के साहिल चौहान के नाम है, जिन्होंने इस साल साइप्रस के खिलाफ 27 गेंदों में यह उपलब्धि हासिल की थी। पंत का 32 गेंदों में शतक, जो पहले किसी भारतीय द्वारा बनाया गया सबसे तेज टी20 शतक था, 2018 में हिमाचल प्रदेश के खिलाफ आया था।

न्यूज ब्रीफ

इंटर मियामी ने लियोनेल मेसी के पूर्व साथी जेवियर मास्चेरानो को नया कोच नियुक्त किया

फोर्ट लौडरडेल। लियोनेल मेसी और जेवियर मास्चेरानो फिर से एक साथ हैं। इंटर मियामी ने मंगलवार को लियोनेल मेसी के पूर्व साथी जेवियर मास्चेरानो को क्लब का नया कोच नियुक्त किया है। मास्चेरानो गेरार्डो टाटा मार्टिनो की जगह लेंगे, जिन्होंने पिछले सप्ताह व्यक्तिगत कारणों से पद छोड़ दिया था। हाल ही में मास्चेरानो अर्जेंटीना की अंडर-20 टीम और ओलंपिक कोच थे। उन्होंने तीन साल के अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं और वह अपने काम के कागजी काम पूरे होने के बाद पदभार संभालेंगे। इंटर मियामी के प्रबंध मालिक जॉर्ज मास ने कहा, इस नौकरी के लिए ऐसे अनुभवी व्यक्ति की आवश्यकता है जो हमारी प्रतिभा के अनूठे संग्रह को अधिकतम करने में सक्षम हो - हमारे वैश्विक सुपरस्टार से लेकर हमारे उभरते हुए घरेलू खिलाड़ियों, हमारे युवा अंतरराष्ट्रीय संभावनाओं और बीच की हर चीज तक। यह सिर्फ़ मेसी ही नहीं है जिसके साथ मास्चेरानो फिर से जुड़ रहे हैं। जब मास्चेरानो बार्सिलोना के साथ थे, तब उन्होंने इंटर मियामी के मौजूदा स्टार जोर्डी अल्बा, सर्जियो बुस्केट्स और लुइस सुआरेज़ के साथ भी खेला था - इन सभी के 2025 सीज़न में वापस आने की उम्मीद है। मास्चेरानो ने कहा, इंटर मियामी जैसे क्लब का नेतृत्व करने में सक्षम होना मेरे लिए सम्मान की बात है, और यह एक विशेषाधिकार है जिसका मैं पूरा फ़ायदा उठाने का प्रयास करूँगा। मैं संगठन की निर्विवाद महत्वाकांक्षा और इसे समर्थन देने के लिए इसके बुनियादी ढांचे से आकर्षित हुआ। मैं क्लब को नई ऊंचाइयों तक पहुँचाने और प्रशंसकों को और भी अविस्मरणीय पल देने में मदद करने के लिए इंटर मियामी के लोगों के साथ काम करने के लिए उत्सुक हूँ। जेवियर ने अपने करियर में दुनिया के सबसे बड़े मंचों पर खेलने से लेकर युवा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कोचिंग करने तक का बेजोड़ अनुभव हासिल किया है।

प्रदेश स्तरीय कुश्ती, कबड्डी और बास्केटबाल प्रतियोगिताएं दस दिसम्बर से

लखनऊ। प्रदेश स्तरीय समन्वय जूनियर बालक बास्केटबाल प्रतियोगिता 10 से 13 दिसम्बर के बीच आयोजित होगी। वहीं प्रदेश स्तरीय कुश्ती प्रतियोगिता 13 दिसम्बर से होनी है, जबकि प्रदेश स्तरीय बालिका कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन 18 से 20 दिसम्बर तक होगी। इस संबंध में खेल निदेशक आर.पी. सिंह ने बताया कि प्रदेश स्तरीय समन्वय जूनियर बालिका कबड्डी प्रतियोगिता एकलव्य स्पोर्ट्स स्टेडियम आगरा में होना है। इसके लिए मंडल स्तर पर तैयारियां शुरू हो गयी हैं। वहीं बालक कुश्ती प्रतियोगिता का आयोजन आगरा में ही 13 से 15 दिसम्बर के बीच होगा।

नाडा ने डोपिंग रोधी संहिता के उल्लंघन के लिए बजरंग पुनिया को चार साल के लिए किया निलंबित

नई दिल्ली। राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) ने मंगलवार को बजरंग पुनिया को राष्ट्रीय टीम के लिए चयन ट्रायल के दौरान 10 मार्च को डोप परीक्षण के लिए अपना नमूना देने से इनकार करने पर चार साल के लिए निलंबित कर दिया है। नाडा ने टोक्यो खेलों के कांस्य पदक विजेता पहलवान को इस अपराध के लिए सबसे पहले 23 अप्रैल को निलंबित किया था, जिसके बाद विश्व शासी निकाय यूडब्ल्यूडब्ल्यू ने भी उन्हें निलंबित कर दिया था। बजरंग ने अनंतिम निलंबन के खिलाफ अपील की थी, और नाडा के अनुशासन-विरोधी डोपिंग पैनल (एडीडीपी) ने 31 मई को इसे रद्द कर दिया था, जब तक कि नाडा ने आरोप का नोटिस जारी नहीं कर दिया। इसके बाद नाडा ने 23 जून को पहलवान को नोटिस दिया। साथी पहलवान विनेश फोगट के साथ कांग्रेस में शामिल हुए बजरंग को अखिल भारतीय किसान कांग्रेस का प्रभार दिया गया था। उन्होंने 11 जुलाई को लिखित रूप से आरोप को चुनौती दी थी, जिसके बाद 20 सितंबर और 4 अक्टूबर को सुनवाई हुई थी। एडीडीपी ने अपने आदेश में कहा, पैनल का मानना ??है कि एथलीट अनुच्छेद 10.3.1 के तहत प्रतिबंधों के लिए उत्तरदायी है और 4 साल की अवधि के लिए अयोग्य है। वर्तमान मामले में, चूंकि एथलीट को अनंतिम रूप से निलंबित कर दिया गया था, इसलिए पैनल तदनुसार मानता है कि एथलीट की चार साल की अवधि के लिए अयोग्यता की अवधि उस तारीख से शुरू होगी, जिस दिन अधिसूचना भेजी गई थी, यानी 23.04.2024। आदेश में कहा गया, यह कहने की आवश्यकता नहीं है कि 31.05.2024 से 21.06.2024 तक की अवधि के लिए अनंतिम निलंबन को हटाने के कारण चार साल की अयोग्यता की कुल अवधि में कोई राशि नहीं जोड़ी जाएगी। निलंबन का मतलब है कि बजरंग प्रतिस्पर्धी कुश्ती में वापसी नहीं कर पाएंगे और अगर वह चाहें तो विदेश में कोचिंग की नौकरी के लिए आवेदन नहीं कर पाएंगे।

जसप्रीत बुमराह ने आईसीसी टेस्ट गेंदबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर की वापसी

नई दिल्ली, 27 नवंबर (एजेंसियां)।

भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने पर्थ में आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप सीरीज के पहले मैच में ऑस्ट्रेलिया पर 295 रनों की शानदार जीत दिलाने के बाद आईसीसी पुरुष टेस्ट गेंदबाजी रैंकिंग में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया है। मैच में 8 विकेट लेने वाले बुमराह ने जोश हेजलवुड और कैगिसो रबाडा को पीछे छोड़ दिया है और करियर के सर्वश्रेष्ठ 883 रेटिंग पॉइंट पर पहुंच गए हैं, जो किसी भारतीय सीम गेंदबाज द्वारा अब तक का सबसे अधिक रेटिंग पॉइंट है।

स्पिनर रविचंद्रन अश्विन (904) और रवींद्र जडेजा (899) भारत के एकमात्र गेंदबाज हैं जिन्होंने उच्च अंक हासिल किए हैं। यह तीसरी बार है जब बुमराह इस साल रैंकिंग में शीर्ष पर रहे हैं। फरवरी और अक्टूबर में वे शीर्ष स्थान पर थे।

पांच टेस्ट मैचों में से पहले टेस्ट में भारत की बड़ी जीत का असर शतकवीर यशस्वी जायसवाल और विराट कोहली सहित कई अन्य खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर भी पड़ा है। सलामी बल्लेबाज जायसवाल ने पर्थ में दूसरी पारी में 161 रन बनाकर शीर्ष स्कोरिंग के बाद हैरी ब्रूक और केन विलियमसन को पछाड़कर करियर की सर्वश्रेष्ठ दूसरी रैंकिंग हासिल की है, जबकि कोहली की नाबाद 100 रन की पारी ने उन्हें नौ पायदान ऊपर चढ़कर 13वें स्थान पर पहुंचा दिया है, जो 10 साल में पहली बार शीर्ष 20 बल्लेबाजों से बाहर रहे।

केएल राहुल 60वें से 49वें स्थान पर पहुंच गए हैं और नीतीश कुमार रेड्डी ने बल्लेबाजी रैंकिंग में 74वें स्थान पर प्रवेश किया है, जबकि मोहम्मद सिराज गेंदबाजी रैंकिंग में तीन पायदान ऊपर चढ़कर 25वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाज ट्रैविस हेड दूसरी पारी में 89 रन की आक्रामक पारी खेलने के बाद शीर्ष 10 में वापस आ गए हैं, जबकि एलेक्स कैरी (बल्लेबाजों में एक स्थान ऊपर चढ़कर 39वें स्थान पर) और मिशेल मार्श (गेंदबाजों में 10 स्थान ऊपर चढ़कर 68वें स्थान पर) पर्थ में अपने प्रदर्शन के बाद आगे बढ़ने वाले अन्य खिलाड़ियों में शामिल हैं।

स्टीव स्मिथ, जो केवल शून्य और 17 रन ही बना सके, सातवें स्थान पर खिसक गए हैं, जो दिसंबर 2014 के बाद से उनका सबसे निचला स्थान है।

वेस्ट इंडीज के खिलाड़ियों ने भी नॉर्थ साउंड में बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट में 201 रन की जीत के बाद नवीनतम साप्ताहिक अपडेट में बढ़त हासिल की है।

बल्लेबाज एलिक अथानाज़े 90 और 42 रन के स्कोर के बाद 18 स्थान ऊपर चढ़कर 62वें स्थान पर पहुंच गए हैं, जबकि जस्टिन ग्रीव्स (43 स्थान ऊपर चढ़कर 81वें स्थान पर) और मिकील लुइस (25 स्थान ऊपर चढ़कर संयुक्त 86वें स्थान पर) को भी फायदा हुआ है।

वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाज जेडन सील्स (तीन पायदान ऊपर चढ़कर करियर की सर्वश्रेष्ठ 11वीं रैंकिंग), केमार रोच (चार पायदान ऊपर चढ़कर 17वीं रैंकिंग) और अल्जारी जोसेफ (तीन पायदान ऊपर चढ़कर 29वीं रैंकिंग) को एंटीगुआ में उनके प्रयासों का इनाम मिला है।

बांग्लादेश के लिए, लिटन दास और मोमिनुल हक बल्लेबाजी रैंकिंग में क्रमश: 32वें और 47वें स्थान पर पहुंच गए हैं, जबकि तेज गेंदबाज तस्कीन अहमद की दूसरी पारी में 64 रन देकर छह विकेट लेने की बदौलत वे 67वें से 51वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

वनडे गेंदबाजी रैंकिंग में अफगानिस्तान के लेग स्पिनर राशिद खान ने शीर्ष स्थान हासिल कर लिया है, क्योंकि पाकिस्तान ने जिम्बाब्वे दौरे के लिए शाहीन शाह अफरीदी को आराम दिया था।

पाकिस्तान के सलामी बल्लेबाज सैम अयूब ने 62 गेंदों में नाबाद 113 रन बनाए, जिससे वह वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में 80 पायदान ऊपर चढ़कर 90वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

पर्थ टेस्ट में जीत के बाद दो बार की फाइनलिस्ट भारतीय टीम एक बार फिर 61.11 प्रतिशत अंकों के साथ आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप तालिका में शीर्ष पर पहुंचा गई है। ऑस्ट्रेलिया 57.69 प्रतिशत अंकों के साथ दूसरे स्थान पर वापस आ गया है।

एशियन राइफल/पिस्टल कप 2026 की मेजबानी करेगा भारत

नई दिल्ली, 27 नवंबर (एजेंसियां)।

एशियन शूटिंग कन्फेडरेशन (एएससी) की कार्यकारी समिति ने एशियन राइफल/पिस्टल कप 2026 की मेजबानी के अधिकार भारत को प्रदान किए हैं। यह घोषणा नेशनल राइफल एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एनआरएआई) ने की है।

एएससी के महासचिव इंजीनियर दुआज अल ओतैबी की ओर से एनआरएआई के महासचिव के. सुल्तान सिंह को भेजे गए एक पत्र में होस्ट फेडरेशन से इस प्रतियोगिता के प्रस्तावित तिथियों की जानकारी मांगी गई है। इस निर्णय पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए, के. सुल्तान सिंह ने कहा, हमें एक और शीर्ष अंतरराष्ट्रीय शूटिंग प्रतियोगिता की मेजबानी सौंपे जाने पर बेहद खुशी हो रही है। हम एएससी की कार्यकारी समिति के प्रति अत्यंत आभारी हैं और हमेशा की तरह अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने का वादा करते हैं। एनआरएआई के अध्यक्ष कलिकेश नारायण सिंह देव ने भी अपनी बात रखते हुए कहा, यह भारतीय शूटिंग के अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ते कद का एक और प्रमाण है, और हमें खुशी है कि हमारे निशानेबाजों को दुनिया के बेहतरीन खिलाड़ियों के खिलाफ घरेलू दर्शकों के सामने अपनी क्षमता साबित करने का एक और मौका मिलेगा। हम भारत सरकार, खेल मंत्रालय और भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) को निरंतर प्रोत्साहन और समर्थन के लिए धन्यवाद देते हैं, जो उन्होंने हमेशा भारतीय शूटिंग को प्रदान किया है।

भारत ने इससे पहले 2015 में 8वीं एशियाई एयर गन प्रतियोगिता और उसके एक साल बाद एशियन ओलंपिक क्वालीफायर की मेजबानी की थी। इसी अवधि में, भारत ने कुल छह शीर्ष अंतरराष्ट्रीय शूटिंग स्पोर्ट्स फेडरेशन (आईएसएसएफ) प्रतियोगिताओं की भी मेजबानी की, जिनमें दो वर्ल्ड कप फाइनल शामिल हैं।

आईएसएल में पहली घरेलू जीत तलाश रहे मोहम्मडन एससी का सामना बेंगलुरू एफसी से

कोलकाता, 27 नवंबर (एजेंसियां)।

मोहम्मडन एससी इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2024-25 में अपनी पहली घरेलू जीत तलाश रही है, जिसके लिए ब्लैक पैंथर्स बुधवार शाम अपने घरेलू मैदान किशोर भारती क्रीड़ांगन में बेंगलुरू एफसी भिड़ेंगे।

मोहम्मडन स्पोर्टिंग शीर्ष स्तर की इस लीग में पहली बार अभियान में उतरी है, लेकिन वो सात मैचों में एक जीत, दो ड्रा और चार हार से पांच अंक लेकर तालिका में 12वें स्थान पर है। वहीं, ब्लूज ने इस सीजन में जोरदार वापसी की है।

बेंगलुरू एफसी आठ मैचों में पांच जीत, दो ड्रा और एक हार से 17 अंक लेकर तालिका में दूसरे स्थान पर है।

मोहम्मडन स्पोर्टिंग ने इस सीजन में अपने घरेलू मैदान पर शुरुआती चार मुकाबलों में एक ड्रा खेला और तीन हारे हैं। कोई भी टीम शुरुआती पांच घरेलू मैचों में जीत के बिना नहीं रही है, यह ऐसा अनचाहा रिकॉर्ड होगा जिसे एंड्री चेर्निशोव और उनके ब्लैक पैंथर्स बुधवार को बचना चाहेंगे।

मोहम्मडन ने मैचों के शुरुआती 15 मिनट में चार गोल खाए हैं, जो आईएसएल 2024-25 सीजन में सभी टीम में सबसे अधिक है। वहीं, बेंगलुरू एफसी ने इस अवधि में चार गोल किए हैं।

इस मैच में जीत से ऐसा दूसरी बार होगा जब ब्लूज आईएसएल सीजन के अपने शुरुआती नौ मैचों के बाद 20+ अंक हासिल करेंगे। ब्लूज ने आईएसएल में पहली बार किसी टीम का सामना करते हुए पिछले पांच मुकाबलों में दो ड्रा खेले और दो हारे। मोहम्मडन स्पोर्टिंग के रूसी हेड कोच एंड्री चेर्निशोव ने ब्लूज और इस सीजन में उनकी खेल शैली की प्रशंसा की। उन्होंने कहा, हम वर्तमान में सर्वश्रेष्ठ टीमों में से एक के खिलाफ खेलेंगे। वो बहुत मजबूत है और उसने सीजन की शानदार शुरुआत की है। उनकी फुटबॉल शैली उन्हें आईएसएल की सर्वश्रेष्ठ टीमों में से एक बनाती है। बेंगलुरू एफसी के स्पेनिश हेड जेरार्ड जारागोजा ने कहा कि उनके खिलाड़ियों ने अंतरराष्ट्रीय ब्रेक के दौरान अपने तकनीकी और रणनीतिक खेल पर काम किया।

कप्तान लैथम ने इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए संभावित न्यूजीलैंड टीम घोषित की, नाथन स्मिथ करेंगे पदार्पण

क्राइस्टचर्च, 27 नवंबर (एजेंसियां)।

न्यूजीलैंड के कप्तान टॉम लैथम ने पुष्टि की है कि तेज गेंदबाज नाथन स्मिथ क्राइस्टचर्च में इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में डेब्यू करेंगे। हालांकि टॉम लैथम ने अपनी टीम की प्लेइंग इलेवन का खुलासा नहीं किया, जो इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप सीरीज के शुरुआती मैच में मैदान पर उतरेगी, लेकिन न्यूजीलैंड के कप्तान ने खुलासा किया कि स्मिथ क्राइस्टचर्च टेस्ट में अपना पहला टेस्ट कैप पहनेंगे।

लैथम ने यह भी पुष्टि की कि पूर्व कप्तान केन विलियमसन श्री लायंस के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए अपनी कमर की चोट से उबरकर लंबे प्रारूप में वापसी करेंगे। न्यूजीलैंड के कप्तान ने कहा कि केन विलियमसन के टीम में होने से टीम को मजबूती मिलेगी। आईसीसी ने लैथम के हवाले से कहा, केन जैसे खिलाड़ी की वापसी से टीम को मजबूती मिलती है। न्यूजीलैंड वर्तमान में विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप स्टैंडिंग में चौथे स्थान पर है और अगले साल लॉर्ड्स में होने वाले एकमात्र टेस्ट में बेन स्टोक्स की टीम पर 3-0 की जीत के साथ विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप के फाइनल में जगह बना सकता है। स्मिथ ने हाल के वर्षों में कीवी टीम के लिए घरेलू क्रिकेट में कुछ मजबूत प्रदर्शनों और इस महीने की शुरुआत में श्रीलंका के खिलाफ दो एकदिवसीय मैचों के बाद अपने अंतरराष्ट्रीय करियर की स्थिर शुरुआत के दम पर टेस्ट डेब्यू किया है। स्मिथ ने पिछले साल प्लंकेट शील्ड सीजन के दौरान 17.18 की औसत से 33 विकेट लिए थे और 26 वर्षीय खिलाड़ी का अपने करियर में प्रथम श्रेणी बल्लेबाजी औसत 27.02 है। आईसीसी ने कीवी कप्तान के हवाले से कहा, वह (स्मिथ) ऐसा खिलाड़ी है जो गेंद को हवा में दोनों तरफ घुमा सकता है और विकेट पर काफी जोर से हिट कर सकता है। मुझे लगता है कि वह हमारे गेंदबाजी आक्रमण को अन्य तीन खिलाड़ियों के साथ काफी अच्छी तरह से संतुलित करता है और वह थोड़ी बल्लेबाजी भी कर सकता है जो निश्चित रूप से हमारी टीम के संतुलन में मदद करता है। संभावित न्यूजीलैंड एकादश: टॉम लैथम (कप्तान), डेवोन कॉनवे, केन विलियमसन, रचिन रवींद्र, डेरिल मिशेल, टॉम ब्लंडेल, ग्लेन फिलिप्स, नाथन स्मिथ, मैट हेनरी, टिम साउथी, विल ओ रुरके।

महिला हॉकी इंडिया लीग के उद्घाटन सत्र के लिए तैयार मारिया वर्सचूर, कहा-भारतीय स्टेडियमों का माहौल बेजोड़

नई दिल्ली, 27 नवंबर (एजेंसियां)।

डच महिला हॉकी सनसनी मारिया वर्शूर सूरमा हॉकी क्लब का प्रतिनिधित्व करते हुए उद्घाटन महिला हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) 2024-25 में अपनी शुरुआत करने के लिए तैयार हैं। नीदरलैंड की बेहतरीन खिलाड़ियों में से एक के रूप में, वर्शूर ने भारत में खेलने के अनूठे अनुभव और पहली महिला एचआईएल का हिस्सा बनने के अवसर के लिए अपना उत्साह व्यक्त किया।

वर्शूर ने हॉकी इंडिया के हवाले से कहा, मैं वास्तव में इस साहसिक कार्य के लिए उत्सुक हूं। मुझे इस साल की शुरुआत में भारत में एफआईएच प्रो लीग के दौरान एक अद्भुत अनुभव हुआ, जहां मैं प्रशंसकों के जुनून और ऊर्जा से दंग रह गया। भारत में हॉकी जीवित है और स्टेडियमों का माहौल कुछ खास है।

वर्शूर का मानना है कि महिला एचआईएल खेल के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

उन्होंने कहा, भारत में महिलाओं के लिए अपनी तरह की पहली प्रतियोगिता देखना आश्चर्यजनक है और इसका हिस्सा बनना वास्तव में विशेष है। दुनिया भर के अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों के मिश्रण के साथ लीग का प्रारूप विभिन्न शैलियों और संस्कृतियों को एक साथ लाता है, जो मुझे लगता है कि महिला हॉकी के विकास के लिए बहुत अच्छा है। हम कुछ बेहतरीन मैच खेलेंगे और मुझे उम्मीद है कि हम दुनिया को दिखा सकते हैं कि महिला हॉकी कितनी रोमांचक और प्रतिस्पर्धी हो सकती है।

वर्शूर विशेष रूप से भारत में महिलाओं के खेल के विकास में योगदान देने के लिए उत्सुक है।

उन्होंने कहा, यह देखना प्रेरणादायक है कि लीग महिला हॉकी में कैसे निवेश कर रही है। यह मंच हमें अपना कौशल दिखाने और न केवल भारत में बल्कि दुनिया भर में युवा लड़कियों के लिए एक उदाहरण स्थापित करने का मौका देता है। महिला हॉकी देखना रोमांचक है और यह बहुत अच्छी बात है कि हमें इसे नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए मान्यता और समर्थन मिल रहा है।

हॉकी के अलावा, वर्शूर ने अपने व्यक्तिगत हितों के बारे में भी बात की, पानी के खेल के प्रति अपने प्यार और मनोविज्ञान में चल रहे अध्ययन को साझा किया।

उन्होंने कहा, जब मैं हॉकी नहीं खेलती, तो मुझे काइटसर्फिंग जैसे पानी के खेल करना पसंद है। मैं मनोविज्ञान का भी अध्ययन कर रही हूं, जो मुझे आकर्षक लगता है, खासकर जब टीम की गतिशीलता और समूह व्यवहार को समझने की बात आती है। यह कुछ ऐसा है जिसे मैं भविष्य में और आगे बढ़ाने की उम्मीद करती हूं।

वर्शूर महिला एचआईएल के भविष्य को लेकर आशावादी है। उन्होंने कहा, इस सीज़न में लीग में चार टीमें हैं और विस्तार करने की योजना है, मेरा मानना है कि यह सिर्फ शुरुआत है। मैं इस यात्रा का हिस्सा बनकर रोमांचित हूं और यह देखने के लिए इंतजार नहीं कर सकती कि यह कैसे आगे बढ़ती है।

वाणिज्यिक कोयला खदान नीलामी के 10वें दौर में नौ खदानों की सफलतापूर्वक हुई नीलामी

नई दिल्ली,27 नवंबर (एजेंसियां)।

वाणिज्यिक कोयला खदानों की नीलामी के 10वें दौर में नौ खदानों की सफलतापूर्वक नीलामी हुई है। इनमें तीन पूरी तरह से खोजी गई कोयला खदानें हैं, जबकि छह आंशिक रूप से खोजी गई कोयला खदानें हैं।

कोयला मंत्रालय ने बुधवार को जारी एक बयान में कहा कि 21 जून, 2024 को वाणिज्यिक खनन के लिए कोयला खदानों की नीलामी का 10वां दौर शुरू किया गया। अग्रिम नीलामी में कुल नौ कोयला खदानों की सफलतापूर्वक नीलामी की गई है, जिनमें तीन पूरी तरह से खोजी गई खदानें और छह आंशिक रूप से खोजी गई कोयला खदानें हैं। इन नौ खदानों में करीब 3,998.73 मिलियन टन का संयुक्त भूगर्भीय भंडार है। कोयला खदानों की नीलामी के 10वें दौर में कड़ी प्रतिस्पर्धा देखने को मिली, जिसमें 17.44 फीसदी का औसत राजस्व हिस्सा हासिल हुआ। मंत्रालय के मुताबिक आंशिक रूप से खोजी गई कोयला खदानों को छोड़कर इन कोयला खदानों की संचयी अधिकतम निर्धारित क्षमता (पीआरसी) 14.10 एमटीपीए है। यह कोयला क्षेत्र में उद्योगों की निरंतर रुचि और मंत्रालय द्वारा एक स्थिर और पारदर्शी नीति ढांचा प्रदान करने के प्रयासों को दर्शाता है।

कोयला मंत्रालय के मुताबिक इन खदानों से लगभग 1,446 करोड़ रुपये (आंशिक रूप से खोजी गई खदानों को छोड़कर) का वार्षिक राजस्व उत्पन्न होने की उम्मीद है, जिससे लगभग 2,115 करोड़ रुपये का पूंजी निवेश आकर्षित होने की संभावना है। इसके साथ ही 19,063 रोजगार के अवसर पैदा होंगे।

न्यूज ब्रीफ

एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी का आईपीओ शुरु 3 फीसदी प्रीमियम पर लिस्ट हुआ शेयर

नई दिल्ली। एनटीपीसी की रिन्यूएबल एनर्जी सब्सिडियरी एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी के आईपीओ ने बुधवार को शेयर बाजार में डेब्यू किया। बीएसई पर कंपनी के शेयर 111.60 रुपए प्रति शेयर पर लिस्ट हुए। इसके इश्यू प्राइस 108 रुपए की तुलना में सिर्फ 3.33 फीसदी या 3.60 रुपए का प्रीमियम दिखाता है। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर शेयरों की लिस्टिंग 111.60 रुपए प्रति शेयर पर हुई, जो इश्यू प्राइस से 3.24 फीसदी या 3.50 रुपए ज्यादा रही। इस लिस्टिंग का प्रदर्शन ग्रे मार्केट की उम्मीदों के अनुरूप रहा। लिस्टिंग से पहले ग्रे मार्केट में एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी के अनलिस्टेड शेयर इश्यू प्राइस पर 1 रुपए के मामूली प्रीमियम पर ट्रेड हो रहे थे। यह लिस्टिंग निवेशकों के लिए ज्यादा आकर्षक नहीं रही, लेकिन कंपनी के भविष्य को लेकर बाजार में सकारात्मक रुख देखने को मिल सकता है। एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी के आईपीओ को निवेशकों से अच्छी प्रतिक्रिया मिली है। इसमें सबसे ज्यादा दिलचस्पी रिटेल व्यक्तिगत निवेशकों ने दिखाई, जिन्होंने अपने लिए आरक्षित हिस्से को 3.44 गुना सब्सक्राइब किया। इसके बाद क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स ने अपने हिस्से के लिए 3.32 गुना बोलियां लगाईं। वहीं, नॉन-इंस्टिट्यूशनल निवेशकों ने 0.81 गुना सब्सक्रिप्शन दर्ज किया। कंपनी के कर्मचारियों और शेयरधारकों के लिए आरक्षित हिस्से में भी दिलचस्पी देखने को मिली है। कर्मचारियों का हिस्सा 0.80 गुना और शेयरधारकों का हिस्सा 1.60 गुना सब्सक्राइब हुआ। शेयर बाजार में डेब्यू से पहले एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी ने एक बड़ा कदम उठाते हुए महाराष्ट्र स्टेट पावर जेनरेशन कंपनी लिमिटेड के साथ 50-50 की साझेदारी में एक जॉइंट वेंचर बनाया है। यह जॉइंट वेंचर महाराष्ट्र में रिन्यूएबल एनर्जी पार्क विकसित करने, उनका संचालन और रखरखाव करेगा। एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी की यह पहल पर्यावरण के अनुकूल ऊर्जा को बढ़ावा देने और हरित ऊर्जा उत्पादन में अपनी स्थिति को मजबूत करने की दिशा में अहम कदम है। इस साझेदारी से न केवल नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि महाराष्ट्र में रोजगार के नए अवसर खुलेंगे। इस इश्यू का रजिस्ट्रार एफिन टेक्नालॉजिस है।

सेबी को 16.57 लाख का भुगतान कर ऐक्सिस एएमसी ने मामला निपटाया

नई दिल्ली। ऐक्सिस ऐसेट मैनेजमेंट कंपनी और ऐक्सिस म्युचुअल फंड ट्रस्टी ने 16.57 लाख रुपए का भुगतान करके भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के साथ मामला निपटा लिया। यह मामला एएमसी के बही-खातों पर कुल व्यय अनुपात (टीईआर) वसूलने के चलन से संबंधित है। सेबी ने मार्च में कारण बताओ नोटिस जारी किया था और एएमसी ने जून में इसे निपटाने के लिए आवेदन दिया था। सेबी के पूर्णकालिक सदस्यों की समिति की सिफारिशों के आधार पर समझौते को मंजूरी दे दी। टीईआर का तात्पर्य किसी योजना में निवेश पर वसूले जाने वाले कुल शुल्क से है। सेबी का आदेश है कि एएमसी के खाताबही पर शुल्क नहीं वसूला जाना चाहिए क्योंकि इससे बड़ी एएमसी को प्रतिस्पर्धात्मक फायदा मिलता है।

मर्सिडीज-बेंज इंडिया और बीएमडब्ल्यू इंडिया ने बढाए वाहनों के दाम

नई दिल्ली। लक्जरी कार निर्माता मर्सिडीज-बेंज इंडिया और बीएमडब्ल्यू इंडिया ने अपने वाहनों के दाम बढ़ाने का निर्णय लिया है। दोनों कंपनियों ने 1 जनवरी, 2025 से कीमतों में 3 प्रतिशत तक की वृद्धि की घोषणा की है, जिससे उनके सभी मॉडलों की कीमतों में बदलाव होगा। कंपनियों ने यह फैसला महंगाई, कच्चे माल की बढ़ती लागत और परिचालन व्यय के दबाव के चलते लिया है। मर्सिडीज-बेंज इंडिया ने बताया कि दामों में यह संशोधन मॉडल के आधार पर एक्स-शोरूम कीमतों में दो लाख रुपये से लेकर नौ लाख रुपये तक होगा। इसका असर खासतौर पर जीएलसी एसयूवी और हाई-एंड मर्सिडीज-मेबैक एस 680 लिमोजिन पर पड़ेगा। कंपनी के प्रबंध निदेशक संतोष अय्यर ने कहा, हमने परिचालन लागत को सुव्यवस्थित करने की कोशिश की, लेकिन मौजूदा चुनौतियों के चलते लाभ प्रभावित हो रहा है। बीएमडब्ल्यू इंडिया ने भी 3 प्रतिशत तक की मूल्य वृद्धि की घोषणा की है। इसमें बीएमडब्ल्यू 2 सीरीज, 3 सीरीज, 7 सीरीज, एक्स1, एक्स3, और एक्स7 जैसी एसयूवी के साथ आयातित मॉडल जैसे आई4, आईएक्स, और एम-सीरीज शामिल हैं। बीएमडब्ल्यू ने बढ़ती लागत और बाजार की परिस्थितियों को इस मूल्य वृद्धि का कारण बताया।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत, एशियाई बाजारों में दबाव

नई दिल्ली,27 नवंबर (एजेंसियां)।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के द्वारा मजबूती के साथ कारोबार करने के बाद बंद हुए। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी फिलहाल मामूली बढ़त के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। अमेरिकी बाजार के विपरीत यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान बिकवाली का दबाव बना रहा। एशियाई बाजारों में भी आमतौर पर दबाव बना हुआ नजर आ रहा है। अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार उत्साह बना रहा, जिसके कारण वॉल स्ट्रीट के सूचकांक मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहे। एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.56 प्रतिशत की मजबूती के साथ 6,021.15 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

इसी तरह नैस्डेक ने 124.90 अंक यानी 0.66 प्रतिशत की तेजी के साथ 19,179.74 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.05 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ 44,879.32 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

अमेरिकी बाजार के विपरीत यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार बिकवाली होती रही।

एफटीएसई इंडेक्स 0.40 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 8,258.61 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.88 प्रतिशत की गिरावट के साथ 7,194.51 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 109.22 अंक यानी 0.57 प्रतिशत टूट कर 19,295.98 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजार में आमतौर पर बिकवाली का दबाव बना हुआ नजर आ रहा है। एशिया के 9 बाजारों में से 6 के सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि 2 सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में बने हुए हैं।

इंडोनेशिया स्टॉक एक्सचेंज में छुट्टी होने के कारण जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स में कोई बदलाव नहीं है। हैंग सेंग इंडेक्स 0.42 प्रतिशत की मजबूती के साथ 19,239.85 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.51 प्रतिशत की बढ़त के साथ 3,276.58 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है।

दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 0.09 प्रतिशत की गिरावट के साथ 24,197.50 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.26 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 3,702.76 अंक के स्तर तक गिर गया है। निक्केई इंडेक्स 315.09 अंक यानी 0.83 प्रतिशत टूट कर 38,127.88 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसी तरह ताइवान वेटेड इंडेक्स 186.52 अंक यानी 0.82 प्रतिशत फिसल कर 22,489.24 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसके अलावा कोस्पी इंडेक्स 0.35 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 2,510.80 अंक के स्तर पर और सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.49 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1,431.16 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

स्विगी के स्टॉक में दूसरे दिन भी तेजी, ब्रोकरेज ने 515 रुपए का दिया टारगेट

नई दिल्ली,27 नवंबर (एजेंसियां)।

ऐप बेस्ट फूड डिलिवरी कंपनी स्विगी के स्टॉक में बुधवार को दूसरे दिन तेजी रही। शुरुआती कारोबार में शेयर आठ फीसदी से ज्यादा उछल गया। इससे पहले मंगलवार को स्टॉक 7 फीसदी से ज्यादा की बढ़त के साथ बंद हुआ था। स्विगी की 13 नवंबर 2024 को लिस्टिंग हुई थी। बीएसई पर स्टॉक 412 पर लिस्ट हुआ था, जबकि इश्यू प्राइस 390 रुपए था। ब्रोकरेज फर्म यूबीएस की ओर से स्विगी पर कवरेज की शुरुआत की खबर के बाद स्टॉक में जोरदार मूवमेंट देखने को मिला। दूसरी ओर स्विगी लिमिटेड ने मंगलवार की स्टॉक एक्सचेंज को जानकारी दी कि वित्त वर्ष 2024-25 के दूसरी तिमाही के नतीजों मंजूरी देने के लिए आगामी बोर्ड बैठक की जानकारी दी। कंपनी बोर्ड की बैठक मंगलवार 3 दिसंबर को होगी।

इसमें 30 सितंबर 2024 को खत्म हुई तिमाही और छमाही के लिए नतीजों पर विचार किया जाएगा और मंजूरी दी जाएगी। स्विगी की शेयर बाजार में लिस्टिंग 13 नवंबर 2024 को हुई थी। बीएसई पर स्टॉक 390 रुपए के इश्यू प्राइस के मुकाबले करीब 5.6 फीसदी प्रीमियम के साथ 412 पर लिस्ट हुआ था। बुधवार को

इश्यू प्राइस के मुकाबले स्टॉक में 28 फीसदी की आई तेजी

11=10 बजे तक के ट्रेडिंग सेशन में स्टॉक ने 499 रुपए पर इंट्राडे हाई बनाया। स्टॉक में एक फीसदी से ज्यादा की तेजी के साथ 467.30 पर कारोबार शुरू हुआ। इससे पहले मंगलवार को शेयर 462 पर बंद हुआ था। इस तरह लिस्टिंग प्राइस से यह स्टॉक करीब 21 फीसदी उछला, जबकि इश्यू प्राइस के मुकाबले स्टॉक में 28 फीसदी की तेजी आई। ग्लोबल ब्रोकरेज फर्म यूबीएस ने स्विगी पर बॉय रेटिंग के साथ कवरेज की शुरुआत की है। ब्रोकरेज ने प्रतिस्पर्धी जोमैटो के मुकाबले वैल्युएशन में अहम छूट का हवाला दिया। ब्रोकरेज ने 12 महीने के लिए कीमत लक्ष्य 515 रुपए तय किया है। यूबीएस के विश्लेषकों ने एक नोट में कहा कि हमारा प्राइस टारगेट डिस्काउंटेड कैश फ्लो आदि पर आधारित है। साथ ही यह मोटे तौर पर जोमैटो के समान है। बता दें स्विगी आईपीओ का कुल आकार 11,327.43 करोड़ रुपए था। इश्यू में 11.54 करोड़ फ्रेश इक्विटी जारी किए।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

ममता के राज में ...

और मैनेजर अक्षय सक्सेना को भी गिरफ्तार कर लिया। कोल्ड स्टोरेज को सील कर दिया गया है। ट्रक भी जब्त कर लिया गया है। पुलिस ने गोमांस तस्करी में शामिल दिल्ली निवासी सलीमुद्दीन अंसारी को भी गिरफ्तार कर लिया है।मामले की जांच के दौरान अविनाश कुमार, राकेश सिंह और शोएब हकानी की भी मिलीभगत का पता चला। ये तीनों टोरो प्राइमरी प्राइवेट लिमिटेड नामक कंपनी में स्टाफ हैं। यही कंपनी कोल्ड स्टोरेज में रखे गए गोमांस की खरीद-फरोख्त करती थी। इस जानकारी के आधार पर पुलिस ने शोएब, अविनाश और राकेश को भी गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। ग्रेटर नोएडा पुलिस कहती है कि कुल 185 टन गोमांस बरामद हुआ है। इसमें से 153 टन कोल्ड स्टोरेज के चैंबर नंबर 5 में रखा गया था। शेष गोमांस पश्चिम बंगाल से आए कंटेनर से बरामद हुआ था। पुलिस ने बरामद गोमांस की कीमत लगभग 4 करोड़ रुपए बताई है। यह मांस बोनलेस था। इसके सैम्पल सुरक्षित रख कर बाकी मांस को नियमानुसार नष्ट कर दिया गया है।बरामद गोमांस की पैकिंग काले और पीले रंग के पैकेटों में की गई थी। पैकेटों पर ब्रांड का नाम हूर लिखा हुआ था। साथ ही अंग्रेजी और अरबी में फ्रोजेन बोनलेस बफेलो मीट लिखा हुआ था। बताया गया कि पैकेट हलाल सर्टिफाइड है। मांस निकलने के लिए पशु को पूरे इस्लामिक तौर तरीकों से काटा गया है। पैकिंग करने वाले का नाम मुराद कर्बला फूड प्रिंट दर्ज था। मांस को जिस पॉलीथिन में रोल किया गया था उस पर भी अरबी भाषा में तमाम शब्द लिखे हुए थे।गोरक्षक वेद नागर ने गोमांस का धंधा करने वालों पर राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (रासुका) और गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई की मांग की है। प्रशासनिक कार्रवाई में ढिलाई होने पर उन्होंने हिंदू महापंचायत बुलाने की भी चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि यदि प्रशासन कोल्ड स्टोरेज पर बुलडोजर नहीं चलाएगा तो स्थानीय निवासी ही इसे ध्वस्त कर देंगे। उन्होंने आशंका जताई है कि कोल्ड स्टोरेज का मालिक पूरन जोशी धर्म परिवर्तन कर चुका है, लेकिन हिंदू नाम की आड़ में गोमांस का धंधा कर रहा है। भाजपा विधायक नंद किशोर गुर्जर ने कहा कि वे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिलकर उन्हें पूरे घटनाक्रम की जानकारी देंगे। उन्होंने इस मामले की सीबीआई से जांच कराने की मांग की है।

गोमांस की ...

मीट का कारोबार इसी वजह से यूपी में हर साल बढ़ता जा रहा है। गाजियाबाद के लोनी विधानसभा से भाजपा विधायक नंद किशोर गुर्जर का कहना है कि मांस कारोबारियों का बहुत बड़ा नेटवर्क काम कर रहा है। सरकार में बैठे अधिकारियों का इन्हें संरक्षण प्राप्त है। इसीलिए मांस कारोबारी गोमांस का निर्यात भैंस मांस के नाम पर कर रहे हैं। उनकी सरकार से मांग है कि ऐसे अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई हो और पूरे नेटवर्क को शिकंजे में कसा जाए।

अपना हित ...

लैटिन अमेरिका के देशों से भिन्न होंगी। अगर सब कुछ इतने गहरे सिद्धांत का मामला है, तब तो यूरोप को स्वयं ही रूस के साथ अपना सारा कारोबार बंद कर देना चाहिए था, लेकिन उसने ऐसा नहीं किया। यूरोप ने बहुत ही सावधानी से अपने विघटन को गति दी है।जयशंकर ने पूछा कि भारत को सिर्फ यूरोप को खुश करने के लिए ऊंची कीमतें क्यों चुकानी चाहिए? उन्होंने बताया कि यूरोप ने पहले रूस से ऊर्जा खरीदी थी, लेकिन अब वह अन्य देशों से ऊर्जा खरीद रहा है, जिससे बाजार में दबाव बढ़ा है। भारत को इस स्थिति में अपनी कीमतें क्यों बढ़ानी चाहिए? रूस-यूक्रेन संघर्ष के समाधान पर भारत की स्थिति के बारे में पूछे जाने पर विदेश मंत्री ने कहा कि भारत कूटनीति और बातचीत के जरिए संघर्ष को खत्म करने का पक्षधर है। उन्होंने संघर्ष सुलझाने के लिए भारत के प्रयासों पर प्रकाश डाला। जयशंकर ने कहा कि समाधान युद्ध के मैदान में नहीं मिलेगा। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि जब तक रूस और यूक्रेन बातचीत के लिए नहीं बैठते, तब तक किसी को भी नहीं पता कि दोनों पक्ष क्या चाहते हैं।विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा कि दुनिया के कई हिस्सों में एक भावना है कि संघर्ष का हल बातचीत से ही निकलेगा, न कि युद्ध से। उन्होंने यह भी कहा कि भारत मानता है कि इस संघर्ष के समाधान के लिए देशों को पहल करनी होगी, और यह आसान नहीं होगा, लेकिन कोशिश करना जरूरी है। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और इज़राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय (आईसीसी) द्वारा गिरफ्तारी वारंट जारी किए जाने के प्रसंग पर जयशंकर ने कहा कि भारत आईसीसी का सदस्य नहीं है, और जब आप किसी संस्था के सदस्य नहीं होते, तो यह पहले से ही आपको बता देता है कि उस संस्था के बारे में आपके विचार क्या हैं।

एंटनी ब्लिंकन समेत...

इस मुलाकात के बारे में विदेश मंत्री ने कहा, जापान के विदेश मंत्री ताकेशी इवाया से मिलकर प्रसन्नता हुई। हमने हिंद-प्रशांत क्षेत्र में हमारी रणनीतिक साझेदारी और सहयोग को आगे बढ़ाने पर विचारों का आदान-प्रदान किया।जयशंकर ने इटली के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री एंटोनियो तजानी से मुलाकात की। जिसको लेकर उन्होंने कहा कि इटली के उप प्रधानमंत्री एवं विदेश मंत्री एंटोनियो तजानी के साथ गर्मजोशी भरी मुलाकात हुई। उनके साथ प्रौद्योगिकी, नवाचार, स्वच्छ ऊर्जा, उर्वरक, रेलवे और निवेश में अवसरों पर चर्चा हुई। भारतीय विदेश मंत्री ने यह भी कहा कि उनसे आईएमईसी, यूक्रेन और इंडो-पैसिफिक पर भी विचारों का आदान-प्रदान हुआ। जयशंकर ने अगले साल एंटोनियो तजानी के भारत दौरे को लेकर कहा कि 2025 में भारत में उनका स्वागत करने के लिए हम तत्पर हैं। बैठक के दौरान एस जयशंकर ने दक्षिण कोरिया के विदेश मंत्री चो ताए-युल से मुलाकात पर खुशी जताई। उन्होंने कहा कि दक्षिण कोरिया के गणराज्य चो ताए-युल से मिलकर बहुत अच्छा लगा। भारत-प्रशांत क्षेत्र में हमारी बढ़ती हुई अभिसारिता, जीवंत आर्थिक साझेदारी, मजबूत रक्षा संबंध और सक्रिय तकनीकी सहयोग की मैं सराहना करता हूं।

दूसरी तरफ, अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन और भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर की मुलाकात के बाद एक विज्ञप्ति जारी की। जिसमें बताया गया कि विदेश मंत्री एंटनी जे. ब्लिंकन ने इटली के फिउग्गी में जी-7 बैठक के दौरान भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर से मुलाकात की। ब्लिंकन और जयशंकर ने द्विपक्षीय संबंधों को गहरा करने के लिए अमेरिका और भारत की स्थायी प्रतिबद्धता की पुष्टि की। विदेश मंत्री ने वैश्विक सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए भारत के साथ निकट समन्वय जारी रखने की अमेरिका की इच्छा को रेखांकित किया।भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर से मुलाकात के बाद अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने ट्वीट किया हम वैश्विक सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए अपने यूरो-अटलांटिक और इंडो-पैसिफिक सहयोगियों के साथ काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जिसमें रूस के लिए पीआरसी और डीपीआरके का समर्थन भी शामिल है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि हम साथ मिलकर हम ताइवान जलडमरूमध्य, कोरियाई प्रायद्वीप और दक्षिण चीन सागर में एक स्वतंत्र और खुले इंडो-पैसिफिक को बढ़ावा दे रहे हैं।

भारत ने ...

सामना कर रहे महाद्वीप के लिए यह समझौता बहुत कम, बहुत देर से किया गया है।43 कमज़ोर द्वीप राष्ट्रों का प्रतिनिधित्व करने वाले एसोसिएशन ऑफ स्मॉल आइलैंड स्टेट्स (एओएसआईएस) ने शिखर सम्मेलन से यह कहते हुए किनारा कर लिया कि चर्चाएं आगे बढ़ने का कोई प्रगतिशील तरीका नहीं सुझा रही हैं। जलवायु परिवर्तन से असमान रूप से प्रभावित इन देशों ने लगातार बढ़ते समुद्री स्तर और अन्य जलवायु-संबंधी चुनौतियों से निपटने के लिए उच्च वित्तीय प्रतिबद्धताओं की मांग की है। जबकि विकासशील देशों ने निराशा व्यक्त की, अमीर देशों ने इस समझौते को एक सफलता के रूप में सराहा। विकसित देशों का तर्क है कि नया लक्ष्य वैश्विक जलवायु कार्रवाई के लिए संसाधन जुटाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।कॉप-29 समझौते को जलवायु कार्यकर्ताओं की ओर से भी कड़ी प्रतिक्रिया का सामना करना पड़ा, जिन्होंने शिखर सम्मेलन के दौरान विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने बैनर ले रखे थे जिन पर लिखा था, ग्लोबल नॉर्थ, अरबों नहीं बल्कि खरबों का भुगतान करें और अमीर देश, अपना जलवायु ऋण चुकाएं। प्रदर्शनकारियों ने वैश्विक उत्सर्जन के लिए औद्योगिक देशों की ऐतिहासिक जिम्मेदारी पर प्रकाश डाला और काफी अधिक वित्तीय योगदान की मांग की। कार्यकर्ताओं का तर्क है कि विकसित देशों को न केवल अपने वित्तीय दायित्वों को पूरा करना चाहिए, बल्कि जलवायु संकट पैदा करने में अपनी बड़ी भूमिका के लिए जवाबदेही भी लेनी चाहिए। प्रदर्शनकारियों के नारे जमीनी स्तर के आंदोलनों में बढ़ते गुस्से को दर्शाते हैं, जो अमीर देशों पर सार्थक कार्रवाई की तुलना में प्रतीकात्मक उपायों को प्राथमिकता देने का आरोप लगाते हैं।भारत जैसे प्रमुख देशों द्वारा कॉप-29 समझौते को अस्वीकार करना जलवायु संकट से निपटने में विकसित और विकासशील देशों के बीच गहराते विभाजन को दर्शाता है। ग्लोबल साउथ ने लंबे समय से जलवायु न्याय की वकालत की है, इस बात पर जोर देते हुए कि अमीर देश, जो ऐतिहासिक रूप से ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में सबसे अधिक योगदान देते हैं, उन्हें बोझ का बड़ा हिस्सा उठाना चाहिए। जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क कन्वेंशन (यूएनएफसीसीसी) में साझा लेकिन विभेदित जिम्मेदारियों के रूप में स्थापित यह सिद्धांत जलवायु वार्ता में एक विवादास्पद मुद्दा बना हुआ है। विकासशील देशों का तर्क है कि जबकि वे जलवायु परिवर्तन से असमान रूप से प्रभावित हैं, उनके पास बड़े पैमाने पर शमन और अनुकूलन उपायों को लागू करने के लिए वित्तीय संसाधनों और तकनीकी क्षमता का अभाव है।जलवायु संकट के बिगड़ने के साथ ही पर्याप्त वित्त पोषण की आवश्यकता बढ़ती जा रही है। कॉप-29 के नतीजे कमजोर देशों की सहायता के लिए अधिक महत्वाकांक्षी और न्यायसंगत ढांचे की आवश्यकता को रेखांकित करते हैं। अमीर देशों की ओर से पर्याप्त वित्तीय प्रतिबद्धताओं के बिना, वैश्विक समुदाय भविष्य की जलवायु वार्ताओं में विश्वास और सहयोग को कमजोर करने का जोखिम उठाता है। इस समझौते के प्रति भारत का मुखर विरोध वैश्विक दक्षिण की निराशा को उजागर करता है और यह याद दिलाता है कि वृद्धिशील लक्ष्य और अपर्याप्त वित्तपोषण से बढ़ती जलवायु आपात स्थिति का समाधान नहीं होगा।कॉप-29 शिखर सम्मेलन भले ही एक समझौते के साथ सम्पन्न हो गया हो, लेकिन न्यायसंगत जलवायु कार्रवाई के लिए लड़ाई अभी खत्म नहीं हुई है। विकासशील देशों, कार्यकर्ताओं और कमजोर समुदायों की आवाजें तेज होती जा रही हैं, जो तेजी से गर्म होते ग्रह के सामने न्याय, जवाबदेही और परिवर्तनकारी बदलाव की मांग कर रहे हैं।

हिंदू आस्था...

कोर्ट ने सरकार से कानून व्यवस्था को और बिगड़ने से रोकने का आदेश दिया।

बांग्लादेश में चिन्मय कृष्ण की गिरफ्तारी के बाद से ही प्रदर्शनों का दौर जारी है। इस्कॉन ने भी बयान जारी कर बांग्लादेश सरकार की निंदा की है। साथ ही इस्कॉन ने बांग्लादेश सरकार से अपील की है कि उन्हें ऐसा माहौल बनाना चाहिए, जिसमें सभी धर्म-वर्ग के लोग मिलजुल कर रहें। इस्कॉन ने बांग्लादेश के विभिन्न इलाकों में हिंदुओं पर हो रहे हमलों पर भी चिंता जताई। इस्कॉन ने कहा कि चिन्मय कृष्ण दास प्रभु बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के अधिकारों के प्रति बहुत मुखर रहे हैं और सरकार को भी नागरिकों के अधिकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करनी चाहिए। इस्कॉन ने सरकार के सामने कुछ मांगें रखी हैं, जिनमें इस्कॉन ने सनातन धर्म के लोगों पर हमले के दोषियों के दोषियों पर कार्रवाई, चिन्मय कृष्ण दास और अन्य सनातनियों के अधिकारों की सुरक्षा, देश में शांति और सद्भाव स्थापित करने के लिए तुरंत कदम उठाने की मांग शामिल है।इस्कॉन ने बयान में कहा, बांग्लादेश हमारा जन्मस्थान है और हमारे पूर्वजों का घर है। हमें बांग्लादेश का नागरिक होने पर गर्व है, जहां हमारे कई आचार्य और संत पैदा हुए। बतौर नागरिक हम चाहते हैं कि बांग्लादेश की मौजूदा और आगामी सरकारों के साथ शांतिपूर्ण सहयोग से रहें, लेकिन हमारी मांग है कि सरकार न्याय सुनिश्चित करे और देश के हर नागरिक को उसका धर्म और परंपराओं का पालन करने की आजादी होनी चाहिए।उल्लेखनीय है कि चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी पर भारत सरकार ने नाराजगी जाहिर की है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने कहा कि हिंदुओं पर हमला करने वाले बेखौफ घूम रहे हैं, जबकि हिंदुओं के लिए सुरक्षा का अधिकार मांगने वाले हिंदू नेताओं को जेल में ठूंसा जा रहा है। भारत सरकार के स्टैंड पर बांग्लादेश सरकार ने नाराजगी जाहिर की है और कहा है कि यह उनका आंतरिक मामला है और भारत के टिप्पणी करने से दोनों देशों के रिश्तों में खटास आ सकती है।

हिंद-प्रशांत के...

स्वास्थ्य देखभाल सुविधाओं के सौरीकरण और सौर जल पंपिंग प्रणालियों के क्षेत्रों पर केंद्रित हैं। परियोजनाओं के सफल क्रियान्वयन से इन हिंद प्रशांत देशों में ऊर्जा पहुंच बढ़ाने, रोजगार पैदा करने और विश्वसनीय व गुण-वत्तापूर्ण बिजली आपूर्ति प्रदान करने में मदद मिलेगी।

विदेश मंत्रालय के बयान के अनुसार, ऊर्जा और बिजली के विश्वसनीय स्रोतों तक असमान पहुंच ने दुनियाभर के देशों और समुदायों के आर्थिक विकास और सामाजिक न्याय को प्रभावित किया है।

सौर ऊर्जा इन देशों को जलवायु परिवर्तन से निपटने में मदद करने का एक अच्छा उपाय है। विदेश मंत्रालय ने यह भी कहा कि इन देशों में भारत के स्वच्छ ऊर्जा निवेश का यह नया दौर जलवायु परिवर्तन से निपटने और स्वच्छ ऊर्जा अर्थव्यवस्था में इन देशों के बदलाव को बढ़ावा देने के लिए क्वाड की प्रतिबद्धता को मजबूत करने में मदद करेगा, जिससे लोगों, ग्रह और समृद्धि के लिए सकारात्मक प्रभाव होगा।

गुरु प्रदोष व्रत आज

इस स्तोत्र के पाठ से दूर होंगी सभी परेशानियां, प्रसन्न होंगे महादेव

पंचांग के अनुसार, मार्गशीर्ष माह का पहला प्रदोष व्रत 28 नवंबर को किया जाएगा। ऐसी मान्यता है कि प्रदोष व्रत के दिन शुभ मुहूर्त में महादेव और मां पार्वती की पूजा करने से साधक को आरोग्य जीवन का वरदान प्राप्त होता है। साथ ही बिगड़े काम पूरे होते हैं। अगर आप भी भगवान शिव को प्रसन्न करना चाहते हैं, तो प्रदोष व्रत के दिन शिव रुद्राष्टकम स्तोत्र का पाठ करें। इसका पाठ करने से जातक के जीवन की सभी तरह की परेशानियां दूर होती हैं।

शिव रुद्राष्टकम स्तोत्र के पाठ से मिलते हैं ये लाभ

धार्मिक मान्यता के अनुसार, प्रदोष व्रत के दिन शिव रुद्राष्टकम स्तोत्र का पाठ करने से महादेव प्रसन्न होते हैं।

जीवन की समस्या से छुटकारा मिलता है।

कभी भी अन्न और धन की कमी नहीं होती है।

मानसिक तनाव दूर होता है।

शत्रुओं पर विजय प्राप्त होती है।

बिगड़े काम पूरे होते हैं।

सुख-समृद्धि में वृद्धि होती है।

सकारात्मक ऊर्जा मिलती है।

प्रदोष व्रत शुभ मुहूर्त

पंचांग के अनुसार, मार्गशीर्ष माह के कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि 28 नवंबर को सुबह 06 बजकर 23 मिनट पर शुरू होगी। इसके अगले दिन यानी 29 नवंबर को सुबह 08 बजकर 39 मिनट पर समाप्त होगी। इस प्रकार 28 नवंबर को मार्गशीर्ष माह का पहला प्रदोष व्रत किया जाएगा। इस दिन पूजा करने का शुभ मुहूर्त शाम को 05 बजकर 24 मिनट से लेकर 08 बजकर 06 मिनट तक है। गुरुवार के दिन पड़ने की वजह से इसे गुरु प्रदोष व्रत के नाम से जाना जाएगा।

शिव रुद्राष्टकम स्तोत्र

नमामीशमीशान निर्वाणरूपं ।
विभुं व्यापकं ब्रह्मवेदस्वरूपम् ।।
निजं निर्गुणं निर्विकल्पं निरीहं ।
चिदाकाशमाकाशवासं भजेऽहम् ।।1।।
निराकारमोङ्कारमूलं तुरीयं ।
गिराज्ञानगोतीतमीशं गिरीशम् ।।
करालं महाकालकालं कृपालं ।
गुणागारसंसारपारं नतोऽहम् ।।2।।
तुषाराद्रिसंकाशगौरं गभीरं ।
मनोभूतकोटिप्रभाश्री शरीरम् ।।
स्फुरन्मौलिकल्लोलिनी चारुगङ्गा ।
लसद्भालबालेन्दु कण्ठे भुजङ्गा ।।3।।
चलत्कुण्डलं भ्रूसुनेत्रं विशालं ।
प्रसन्नाननं नीलकण्ठं दयालम् ।।
मृगाधीशचर्माम्बरं मुण्डमालं ।
प्रियं शङ्करं सर्वनाथं भजामि ।।4।।
प्रचण्डं प्रकृष्टं प्रगल्भं परेशं ।
अखण्डं अजं भानुकोटिप्रकाशं ।।
त्रयः शूलनिर्मूलनं शूलपाणिं ।
भजेऽहं भवानीपतिं भावगम्यम् ।।5।।
कलातीतकल्याण कल्पान्तकारी ।
सदा सज्जनानन्ददाता पुरारी ।।
चिदानन्दसंदोह मोहापहारी ।
प्रसीद प्रसीद प्रभो मन्मथारी ।।6।।
न यावद् उमानाथपादारविन्दं ।
भजन्तीह लोके परे वा नराणाम् ।
न तावत्सुखं शान्ति सन्तापनाशं ।
प्रसीद प्रभो सर्वभूताधिवासं ।।7।।
न जानामि योगं जपं नैव पूजां ।
नतोऽहं सदा सर्वदा शम्भुतुभ्यम् ।।
जराजन्मदुःखौघ तातप्यमानं ।
प्रभो पाहि आपन्नमामीश शंभो ।।8।।
रुद्राष्टकमिदं प्रोक्तं विप्रेण हरतोषये ।
ये पठन्ति नरा भक्त्या तेषां शम्भुः प्रसीदति ।।9।।

मोक्षदा एकादशी व्रत 11 को

इस पूजा विधि से भगवान विष्णु को करें प्रसन्न

जगत के पालनहार भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी को प्रसन्न करने के लिए मोक्षदा एकादशी तिथि को उत्तम माना जाता है। इस व्रत को मार्गशीर्ष माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि पर किया जाता है। साथ ही जातक पूर्वजों की मोक्ष प्राप्ति के लिए व्रत भी करते हैं। धार्मिक मान्यता है कि व्रत को करने से पापों का नाश होता है। इसके अलावा साधक को संतान और धन की प्राप्ति होती है। इसी दिन श्रीकृष्ण ने अर्जुन को गीता का उपदेश दिया था। इसी वजह से मोक्षदा एकादशी के दिन गीता जयंती का पर्व भी मनाया जाता है। ऐसे में आइए जानते हैं मोक्षदा एकादशी का शुभ मुहूर्त और व्रत पारण के समय के बारे में।

मोक्षदा एकादशी शुभ मुहूर्त

पंचांग के अनुसार, मार्गशीर्ष माह के शुक्ल पक्ष की मोक्षदा एकादशी तिथि की शुरुआत 11 दिसंबर को देर रात 03 बजकर 42 मिनट से होगी। वहीं, इस तिथि का समापन 12 दिसंबर को देर रात्रि 01 बजकर 09 मिनट पर होगा। इस प्रकार मोक्षदा एकादशी व्रत 11 दिसंबर को किया जाएगा। व्रत का पारण करने का समय 12 दिसंबर को सुबह 07 बजकर 05 मिनट से लेकर 09 बजकर 09 मिनट तक है।

मोक्षदा एकादशी व्रत पारण समय

एकादशी तिथि का पारण द्वादशी तिथि में किया जाता है। मोक्षदा एकादशी का पारण 27 नवंबर को सुबह 07 बजकर 05 मिनट से लेकर 09 बजकर 09 मिनट के बीच कर सकते हैं। व्रत का पारण करने के बाद दान जरूर करना चाहिए।

मोक्षदा एकादशी पूजा विधि

मोक्षदा एकादशी के दिन की शुरुआत देवी-देवता के ध्यान से करें।

स्नान करने के बाद सूर्य देव को अर्घ्य दें। इस दिन पीले वस्त्र धारण करना शुभ माना जाता है।

चौकी पर पीला कपड़ा बिछाकर विष्णु जी और मां लक्ष्मी की प्रतिमा को विराजमान करें।

अब उन्हें पीले चंदन और हल्दी कुमकुम का तिलक अर्पित करें।

देवी लक्ष्मी को सोलह श्रृंगार की चीजें चढ़ाएं।

दीपक जलाकर आरती करें और मंत्र का जाप करें।

व्रत कथा का पाठ करें।

केले, मिठाई और पंचामृत का भोग अर्पित करें।

अगले दिन व्रत का पारण करें।

सिद्धबली मंदिर में दर्शन करने से मनोकामना होती है पूरी, कैसे पड़ा इसका नाम?

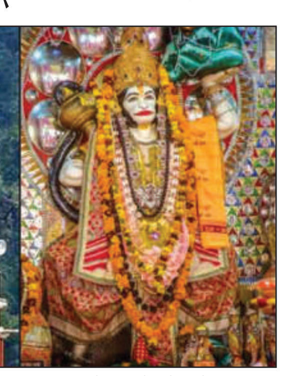

सनातन धर्म में मंगलवार का दिन मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के परम भक्त हनुमान जी को बेहद प्रिय है। ऐसी धार्मिक मान्यता है कि इस दिन हनुमान जी की विधिपूर्वक पूजा-अर्चना और व्रत करने से जातक की हर मनोकामना पूरी होती है। साथ ही सभी संकट दूर होते हैं। अगर आप अपनी मनोकामना पूरी करना चाहते हैं, तो उत्तराखंड के कोटद्वार में स्थित श्री सिद्धबली मंदिर अवश्य जाएं। यह मंदिर हनुमान जी को समर्पित है। मान्यता के अनुसार, इस मंदिर में दर्शन करने से बजरंगबली श्रद्धालु की सभी मुरादें पूरी करते हैं और मुरादें पूरी होने के बाद लोग मंदिर में भंडारा करवाते हैं।

कैसे पड़ा इस मंदिर का नाम?

पौराणिक कथा के अनुसार, गोरखनाथ को भगवान शिव का अवतार माना जाता है। उन्हें भक्ति आंदोलन का जनक माना जाता है। गोरखनाथ को उत्तराखंड के कोटद्वार में सिद्धि प्राप्त हुई थी, जिसकी वजह से उन्हें सिद्धबाबा कहा जाता है। गोरख पुराण के अनुसार, गोरखनाथ के गुरु का नाम गुरू मछेंद्र नाथ था। वह एक बार बजरंगबली जी की आज्ञा से त्रिया राज्य की रानी मैनाकनी के साथ रह रहे थे। जब इस बात के बारे में गोरखनाथ को जानकारी प्राप्त हुई, तो वह गुरु मछेंद्र नाथ को रानी मैनाकनी से मुक्त कराने को चल पड़े। ऐसी मान्यता है कि सिद्धबली में हनुमान जी ने अपना रूप बदल कर गुरु गोरखनाथ का मार्ग रोक लिया। इसके बाद दोनों के बीच युद्ध हुआ। इस दौरान दोनों किसी को हरा नहीं पाए। इसके बाद हनुमान जी ने अपना असली रूप धारण किया और गुरु गोरखनाथ से वरदान मांगने को कहा। ऐसे में गुरु गोरखनाथ ने हनुमान से इसी जगह पर उनके पहरेदार के रूप में रहने की प्रार्थना की।

यह भी मान्यता है कि इसी स्थल पर सिखों के गुरु गुरु नानक देव और एक मुस्लिम फकीर ने भी पूजा-अर्चना की थी। इसी वजह से इस मंदिर को श्री सिद्धबली मंदिर के नाम से जाना जाता है।

सभी मुरादें होती हैं पूरी

वर्तमान में श्री सिद्धबली मंदिर लोगों के बीच आस्था का केंद्र बना हुआ है। इस मंदिर का उल्लेख स्कंद पुराण में देखने को मिलता है। मान्यता है कि मंदिर में दर्शन करने से श्रद्धालु की सभी मुरादें पूरी होती हैं और लोग अपनी मनोकामना पूरी होने पर मंदिर में भंडारे का आयोजन करवाते हैं।

गीता जयंती से सफला एकादशी तक, दिसंबर महीने में मनाए जाएंगे ये प्रमुख व्रत-त्योहार

दिसंबर महीने की शुरुआत होने वाली है। वैदिक पंचांग के अनुसार, दिसंबर महीने में कई प्रमुख व्रत-त्योहार मनाए जाएंगे। इसके साथ ही मासिक शिवरात्रि, प्रदोष व्रत और मासिक दुर्गा अष्टमी मनाई जाएगी। इस महीने में ही सूर्य देव राशि परिवर्तन करेंगे। सूर्य देव के राशि परिवर्तन करने के साथ खरमास शुरू हो जाएगा। सूर्य देव के धनु राशि के गोचर करने के दौरान खरमास लगता है। खरमास का समापन सूर्य के मकर राशि में गोचर करने की तिथि पर होता है।

व्रत-त्योहार की सूची

01 दिसंबर को मार्गशीर्ष अमावस्या है। इस शुभ अवसर पर गंगा स्नान करने का विधान है। साथ ही पूजा, जप-तप एवं दान-पुण्य किया जाता है।

05 दिसंबर को मार्गशीर्ष माह की विनायक चतुर्थी है। इस दिन भगवान गणेश की पूजा की जाती है। साथ ही चतुर्थी का व्रत रखा जाता है।

06 दिसंबर को विवाह पंचमी है। यह पर्व हर वर्ष मार्गशीर्ष माह के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को मनाया जाता है। इस दिन भगवान श्रीराम और मां सीता की पूजा की जाती है। इस दिन स्कंद षष्ठी भी है।

08 दिसंबर को भानु सप्तमी है। यह पर्व हर महीने सप्तमी तिथि पर मनाया जाता है। इस दिन सूर्य देव की पूजा की जाती है।

08 दिसंबर को मासिक दुर्गा अष्टमी है। इस दिन जगत की देवी मां दुर्गा की पूजा की जाती है। साथ ही अष्टमी का व्रत भी रखा जाता है।

11 दिसंबर को मोक्षदा एकादशी है। यह पर्व मार्गशीर्ष माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी को मनाया जाता है। इस दिन भगवान कृष्ण की पूजा की जाती है।

13 दिसंबर को मार्गशीर्ष माह का अंतिम प्रदोष व्रत है। इस दिन भगवान शिव संग मां पार्वती की पूजा की जाती है।

14 दिसंबर को दत्तात्रेय जयंती है। इस दिन रोहिणी व्रत भी है। रोहिणी व्रत के दिन भगवान वासुपूज्य की पूजा की जाती है।

15 दिसंबर को अन्नपूर्णा जयंती है। इस दिन अन्न की देवी मां अन्नपूर्णा की पूजा की जाती है। इस शुभ अवसर पर मार्गशीर्ष पूर्णिमा मनाई जाएगी।

18 दिसंबर को अखुरथ संकष्टी चतुर्थी है। इस शुभ अवसर पर भगवान गणेश की विधि विधान से पूजा की जाती है। साथ ही चतुर्थी का व्रत रखा जाता है।

22 दिसंबर को पौष माह के कृष्ण पक्ष की भानु सप्तमी है। इस दिन सूर्य देव की उपासना की जाती है। इस शुभ अवसर पर मासिक कृष्ण जन्माष्टमी और कालाष्टमी है।

26 दिसंबर को मंडल पूजा है। इसके दो दिन बाद सफला एकादशी है। 28 दिसंबर को सफला एकादशी है। इस दिन भगवान विष्णु संग मां लक्ष्मी की पूजा की जाती है। इस दिन ही प्रदोष व्रत भी मनाया जाएगा।

29 दिसंबर को पौष महीने की मासिक शिवरात्रि मनाई जाएगी। इस दिन भगवान शिव और मां पार्वती की पूजा की जाती है।

30 दिसंबर को पौष अमावस्या है। अमावस्या तिथि पर पितरों का तर्पण किया जाता है। इसके साथ ही भगवान विष्णु की भक्ति भाव से पूजा की जाती है।

घर की इस दिशा में भूलकर भी न लगाएं अनार का पेड़, खाली हो जाएगी तिजोरी

हिंदू धर्म में पेड़-पौधों का विशेष महत्व है, उनमें से एक प्रमुख है अनार का पेड़, जिसे माता लक्ष्मी और भगवान विष्णु का प्रिय माना जाता है। इसे घर में लगाने से न केवल सुख-समृद्धि, बल्कि धन और बरकत भी आती है। वास्तु शास्त्र में अनार का पेड़ लगाने के लिए सही दिशा का चुनाव करना बहुत जरूरी है, वरना इसके नाकारात्मक परिणाम भी मिल सकते हैं। एक अनार रोज खाने के कई फायदे हैं।

अनार के पेड़ से जुड़ी खास बातें

वास्तु शास्त्र के अनुसार, अनार के पेड़ में भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी का वास होता है। इसे घर में लगाने से न केवल आर्थिक स्थिति मजबूत होती है, बल्कि घर में सुख-शांति और समृद्धि भी बनी रहती है। मान्यता है कि जिस घर में अनार का पेड़ लगा होता है, वहां परिवार को कभी आर्थिक संकट का सामना नहीं करना पड़ता।

सही दिशा का चयन करें

वास्तु शास्त्र में अनार के पेड़ को लगाने के लिए आग्नेय कोण सबसे शुभ माना जाता है। आग्नेय कोण यानी दक्षिण-पूर्व दिशा में इसे लगाने से धन लाभ और वंश वृद्धि होती है। इसके अलावा, मुख्य द्वार के दाएं ओर अनार का पौधा लगाना भी शुभ माना जाता है, क्योंकि इससे घर में लक्ष्मी का वास होता है और समृद्धि बनी रहती है।

इन दिशाओं में भूलकर भी न लगाएं अनार का पेड़

अनार का पेड़ दक्षिण दिशा में कभी नहीं लगाना चाहिए, क्योंकि यह नकारात्मक ऊर्जा को आमंत्रित करता है। इसके अलावा, घर के बीच में या उत्तर-पश्चिम दिशा में भी अनार का पेड़ नहीं लगाना चाहिए। ऐसा करने से घर में समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं और पारिवारिक संबंधों में तनाव बढ़ सकता है।

गार्डन में अनार का पौधा लगाने का तरीका और देखभाल

अनार का पौधा अगस्त से सितंबर या फरवरी से मार्च के बीच लगाया जा सकता है। गर्म इलाकों में, बीज सितंबर से नवंबर के बीच भी लगाए जा सकते हैं। घर के गार्डन में लगाते हैं तो बड़े गमले का उपयोग करें, जिसमें नीचे छेद हो। मिट्टी में ह्यूमस, कंपोस्ट और पेड़ की खाद डालें। पौधा ऐसी जगह रखें, जहां भरपूर धूप मिले।

सघन खेती

अनार के पौधे को लगाने के लिए 5-6 मीटर की दूरी पर पौधों को रोपें। गड्ढे की लंबाई, चौड़ाई और गहराई लगभग 60 सेंटीमीटर होनी चाहिए। गर्मियों में सिंचाई 5-7 दिनों में और सर्दियों में 10-12 दिनों में करनी चाहिए। अनार का पौधा 3-4 साल में फल देना शुरू करता है। फलों को पूरी तरह पकने के बाद 120-130 दिनों में तोड़ा जाता है।

अनार खाने के फायदे

अनार फ्रूट ऑफ पैराडाइज है, जो एंटीऑक्सिडेंट, फाइबर और विटामिन्स से भरपूर होता है। यह त्वचा के उम्र बढ़ने की प्रक्रिया को धीमा करता है, पाचन सुधारता है, इम्यूनिटी बूस्ट करता है और हार्ट हेल्थ को बेहतर बनाता है। अनार ब्लड फ्लो को सुधारता है, जिससे हार्ट हेल्थ बेहतर रहती है और स्ट्रोक या हार्ट अटैक का खतरा कम होता है। यह एक संपूर्ण सुपरफूड है जो शरीर के विभिन्न सिस्टम्स को लाभ पहुंचाता है।

दिसंबर में कब-कब रहेगा भद्रा का साया? भूलकर भी न करें ये काम

सनातन धर्म में ज्योतिष शास्त्र को महत्वपूर्ण माना गया है। इस शास्त्र में भद्रा विष्टि करण के बारे विस्तार से उल्लेख देखने को मिलता है। इसमें भद्रा विष्टि करण के उपाय समेत आदि बातों के बारे में बताया गया है। सनातन धर्म में ऐसे कई काम हैं, तो भद्रा विष्टि करण के समय भूलकर भी नहीं करने चाहिए। मान्यता है कि वर्जित काम को करने से जातक को जीवन में कई तरह की परेशनियों का सामना करना पड़ता है। साथ ही काम का नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। ऐसे में आइए जानते हैं दिसंबर में कब-कब रहेगा भद्रा विष्टि करण का साया?

दिसंबर महीने के भद्रा विष्टि करण की तिथियां और समय

05 दिसंबर को भद्रा विष्टि करण का योग मध्य रात्रि के 01 बजकर 04 मिनट से लेकर 05 दिसंबर को दोपहर 12 बजकर 50 मिनट तक है।

08 दिसंबर को भद्रा विष्टि करण का योग सुबह 09 बजकर 45 मिनट से 08 दिसंबर को रात्रि 08 बजकर 58 मिनट तक है।

11 दिसंबर को भद्रा विष्टि करण का योग दोपहर 02 बजकर 28 मिनट से 12 दिसंबर को मध्य रात्रि 01 बजकर 13 मिनट तक है।

14 दिसंबर को भद्रा विष्टि करण का योग शाम 05 बजकर 01 मिनट से 15 दिसंबर को मध्य रात्रि 03 बजकर 45 मिनट तक है।

17 दिसंबर को भद्रा विष्टि करण का योग रात्रि 10 बजकर 30 मिनट से 18 दिसंबर को सुबह 10 बजकर 08 मिनट तक है।

21 दिसंबर को भद्रा विष्टि करण का योग दोपहर 12 बजकर 25 मिनट से 22 दिसंबर को मध्य रात्रि 01 बजकर 26 मिनट तक है।

25 दिसंबर को भद्रा विष्टि करण का योग सुबह 09 बजकर 15 मिनट से 25 दिसंबर को रात्रि 10 बजकर 29 मिनट तक है।

29 दिसंबर को भद्रा विष्टि करण का योग मध्य रात्रि 03 बजकर 35 मिनट से 29 दिसंबर को दोपहर 03 बजकर 54 मिनट तक है।

भूलकर न करें भद्रा में यात्रा

भद्रा विष्टि करण के दौरान यात्रा नहीं करनी चाहिए। अगर किसी जरुरी काम से यात्रा करनी है, तो घर से निकलने से पहले ध्यान रखें कि जिस दिशा में भद्रा का वास हो, उस दिशा की यात्रा नहीं करनी चाहिए।

इससे काम में सफलता प्राप्त नहीं होती है। इसके अलावा शुभ और मांगलिक काम नहीं करना चाहिए।

अनिल कपूर और सुनीता कपूर ने आइकॉनिक ताज महल पर खास पलों को कैमरे में किया कैद

अनिल कपूर और उनकी पत्नी सुनीता कपूर ने हाल ही में आगरा के प्रसिद्ध ताज महल में एक साथ क्वालिटी टाइम बिताया। प्रेम के प्रतीक के रूप में पहचाने जाने वाले इस स्मारक पर कपल ने अपनी यात्रा के दौरान कुछ दिल छूने वाले पल बिताए। अनिल कपूर ने इस आउटिंग से तस्वीरें साझा की, जिसमें उन्होंने ऐतिहासिक स्थल पर बिताए अपने खास पल को कैद किया। अपने पोस्ट में, मेगास्टार ने ब्रिटिश लेखक एलेन डी बॉटन के ऑन लव के एक उद्धरण को शामिल करते हुए लिखा, शायद यह सच है कि हम वास्तव में तब तक अस्तित्व में नहीं हैं जब तक कि वहां हमें देखने वाला कोई न हो, हम ठीक से बोल नहीं सकते जब तक कोई ऐसा हो जो हमारे शब्दों को समझ सके, मूल रूप से हम तब तक पूरी तरह से जीवित नहीं होते जब तक हम प्यार नहीं करते। काम के मोर्चे पर, अनिल कपूर के लिए यह साल उल्लेखनीय रहा है। 'फाइटर' की बॉक्स ऑफिस सफलता के बाद, उन्हें प्रतिष्ठित टाईम 100 एआई सूची में शामिल किया गया, और उनकी वेबसीरीज 'द नाइट मैनेजर' को एमी नामांकन प्राप्त हुआ। इसके अतिरिक्त, उन्होंने 'एनिमल' में अपनी भूमिका के लिए पुरस्कार जीता। वर्तमान में, सिनेमा आइकन अपने अगले प्रोजेक्ट 'सूबेदार' की शूटिंग कर रहे हैं, जो निर्देशक सुरेश त्रिवेणी के साथ अपनी पहली कोलैबोरेशन कर रहे हैं।

अभय देओल की बन टिक्की हुई ग्लोबल!

जानिए शबाना आज़मी, जीनत अमान स्टारर इस फ़िल्म के बारे में

डेब्यू डायरेक्टर फ़राज़ आरिफ़ अंसारी की पहली फ़ीचर फ़िल्म बन टिक्की ग्लोबल हो रही है। शबाना आज़मी, ज़ीनत अमान और अभय देओल अभिनीत इस फ़िल्म का वर्ल्ड प्रीमियर 5 जनवरी को कैलिफ़ोर्निया में 36वें पाम स्प्रिंग्स इंटरनेशनल फ़िल्म फ़ेस्टिवल में होगा। जिन्हें नहीं पता, यह फ़िल्म फ़ैशन डिज़ाइनर से प्रोड्यूसर बने मनीष मल्होत्रा की साली मोहब्बत के बाद दूसरी फ़िल्म है।

36वें पाम स्प्रिंग्स इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में बन टिक्की का वैश्विक प्रीमियर फिल्म की टीम के लिए एक बड़ा अवसर बन गया है। निर्माता ज्योति देशपांडे ने कहा, बन टिक्की का समर्थन करना न केवल इसकी कलात्मक योग्यता का समर्थन है, बल्कि चुनौतीपूर्ण और प्रेरणादायी कहानियों को साझा करने के लिए आवश्यक साहस का जश्न है। मनीष और फ़राज़ ने पूरे दिल से इस फिल्म को बनाया है और मुझे यकीन है कि यह दुनिया भर में लोगों का दिल जीत लेगी।

बन टिक्की की कहानी क्या है?

बन टिक्की सात वर्षीय शानू की कहानी है, जो आत्म-खोज के साथ संघर्ष करता है, जबकि उसके पिता सिद्धांत एक एकल अभिभावक के रूप में अपने बच्चे को समझने की कोशिश करते हुए दुःख और सामाजिक दबावों से निपटते हैं। फिल्म निर्माता के अनुसार, बन टिक्की दुनिया के लिए मेरा प्रेम पत्र है - हर बच्चे, हर माता-पिता और हर उस व्यक्ति के लिए जो प्रेम, सहानुभूति और दयालुता की परिवर्तनकारी शक्ति में विश्वास करता है।

बन टिक्की कास्ट

पिता-पुत्र के रिश्ते पर आधारित इस फिल्म में अपने समय की दो सबसे मशहूर दिग्गज अभिनेत्रियाँ हैं। राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता अभिनेत्री शबाना आज़मी बन टिक्की में अपनी पुरानी सह-कलाकार ज़ीनत अमान के साथ काम कर रही हैं। आखिरी बार उन्होंने 1974 की फ़िल्म इश्क इश्क इश्क और 1982 की फ़िल्म अशांति में काम किया था। इसके अलावा अभय देओल फ़िल्म में मुख्य भूमिका निभा रहे हैं। उन्हें आखिरी बार 2023 की फ़िल्म ट्रायल बाय फायर में देखा गया था। नुसरत भरुचा और रोहन सिंह भी फ़िल्म में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

द-बंग द टूर: रिलॉडेड से धमाल मचाने को तैयार सलमान खान

सलमान खान अपने एंटरटेनिंग द-बंग द टूर: रिलॉडेड से एक बार फिर धमाका करने जा रहे हैं। सलमान खान ने हाल ही में अपने द-बंग द टूर: रिलॉडेड का एलान किया था और अब इसका एक प्रोमो सामने आया है। सलमान खान ने आज अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर द-बंग द टूर: रिलॉडेड का एक वीडियो शेयर किया है। द-बंग द टूर: रिलॉडेड दुबई के हार्बर मरीना में होगा।

सलमान खान ने अपने इस टूर की एक झलक भी शेयर की है।सलमा खान ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा है, दुबई तैयार हो जाओ द-बंग द टूर: रिलॉडेड 7 दिसंबर से आपके पास आ रहा है। बता दें, सलमान खान के साथ इस बार सोनाक्षी सिन्हा, तमन्ना भाटिया, दिशा पटानी, जैकलीन फर्नांडिज, प्रभु देवा, मनीष पॉल, सुनील ग्रोवर, जॉर्डी पटेल और सिंगर आस्था गिल भी नजर आएंगी। वहीं, सलमान खान ने द-बंग द टूर: रिलॉडेड का जो प्रोमो शेयर किया है, उसमें सलमान खान ने बिग बॉस 18 के स्टेज पर दिख रहे हैं। साथ ही सलमान खान अपने द-बंग द टूर: रिलॉडेड के बारे में जानकारी दे रहे हैं। साथ ही सलमान खान ने बताया है कि उनके द-बंग द टूर: रिलॉडेड की टिकटों की बिक्री शुरू हो गई है।बता दें, सलमान खान ने बिश्नोई गैंग से लगातार मिल रही धमकी के बीच अपने द-बंग द टूर: रिलॉडेड का एलान किया था और तब से फैंस को उनकी तारीख का इंतजार था। वहीं, सलमान खान के कड़ी सिक्योरिटी के बीच हैं और वो इन दिनों सुरक्षा के घेरे में बिग बॉस 18 को होस्ट कर रहे हैं। इसके साथ ही सलमान खान ने अपनी मोस्ट अवेटेड फिल्म सिकंदर से भी चर्चा में हैं और सिकंदर की शूटिंग सेट पर भी सलमान खान को टाइट सिक्योरिटी में रखा गया है। सलमान खान की फिल्म सिकंदर ईद 2025 के मौके पर रिलीज होने जा रही है।

इंडो-वेस्टर्न आउटफिट पहन निक्की तंबोली ने शेयर किया फोटो

बिग बॉस की एक्स कंटेस्टेंट निक्की तंबोली आए दिन अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ के कारण सोशल मीडिया पर फैंस के बीच चर्चाएं बटौरती रहती हैं। उनका हर एक लुक इंस्टाग्राम पर पोस्ट होते ही तेजी से वायरल होने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच साझा की हैं। इन फोटोज में उनका कातिलाना अंदाज देखकर फैंस बेकाबू हो गए हैं।एक्ट्रेस निक्की तंबोली हमेश अपनी हॉटनेस और बोल्डनेस से सोशल मीडिया का पारा हाई करती रहती हैं। उनका बोल्ड लुक इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है।अब हाल ही में एक्ट्रेस निक्की तंबोली ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनका स्टाइल स्टेटमेंट देखकर फैंस की नजरें उन पर से हटने का नाम नहीं ले रही है।

निक्की तंबोली ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट के दौरान येलो कलर की इंडो-वेस्टर्न लुक में आउटफिट पहना हुआ है, जिसमें वो एक से बढ़कर एक किलर अंदाज में पोज देती हुई सोशल मीडिया का तापमान बढ़ा रही हैं।खुले बाल, कानों में इयररिंग्स और लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस ने अपने आउटलुक को बेहद ही खूबसूरती से निखारा है।

साथ ही उनके चेहरे पर प्यारी सी स्माइल उनके इस लुक पर चार चांद लगा रही है।इन तस्वीरों में आप देख सकते हैं निक्की तंबोली बलखाती हुई कमर कैमरे के सामने फ्लॉन्ट करती हुई फोटोज क्लिक करवा रही हैं।बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी तस्वीरों पर जमकर लाइक्स और कॉमेंट्स करते हुए अपनी प्रतिक्रियाएं देते हैं। हालांकि इन फोटोज को पोस्ट हुए भी अभी कुछ ही घंटे हुए हैं और एक लाख से भी ज्यादा यूजर्स ने तस्वीरों पर लाइक्स कर दिए हैं।

बैग में अटपटी चीजें रखती हैं अनुष्का शर्मा

बोलीं- सामान हल्का न हो तो अच्छा

अभिनेत्री अनुष्का शर्मा ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर कर प्रशंसकों को अपने बैग के अंदर क्या-क्या है, इसकी झलक दिखाई है।बैंड बाजा और बारातऴ अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक वीडियो पोस्ट किया और कैप्शन में लिखा, हल्का सामान मत पैक करो।उन्होंने जंगलीपन को सामने लाएं हैशटैग का इस्तेमाल किया। क्लिप की शुरुआत में पीके अभिनेत्री से एक शख्स पूछता है, अनुष्का तुम्हारे बैग में क्या है? इस पर अभिनेत्री ब्लैक फेस मास्क, एक ब्लूप्रिंट के साथ कई मूछें निकालती हैं।अनुष्का शर्मा के बैग में ये चीजें देखकर उनके प्रशंसक हैरत में पड़ गए।

एक फैन ने लिखा, वाह, यह क्या है?, एक अन्य ने लिखा बहुत खूब। तीसरे फैन ने लिखा आप बहुत भाग्यशाली हो।वीडियो में सुल्तान अभिनेत्री आरामदायक येलो कलर पैंट और ब्ल्यू कलर स्नीकर्स के साथ ढीली नीली और सफेद चेकर्ड टी-शर्ट में बेहद कूल नजर आ रही हैं।अनुष्का शर्मा के वर्कफ्रंट की बात करें तो वो शाहरुख खान और कैटरीना कैफ के साथ फिल्म जीरोऴ में नजर आई थीं। साल 2018 में रिलीज हुई इस फिल्म का निर्देशन आनंद एल राय ने किया था।जीरोऴ अनुष्का शर्मा के साथ अभय देअ-ोल, आर. माधवन और मोहम्मद जीशान अय्यूब भी अहम रोल में थे। फिल्म में शर्मा सेरेब्रल पाल्सी से पीड़ित एक वैज्ञानिक की भूमिका में नजर आई थीं।

अनुष्का की झोली में बायोपिक चकदा एक्सप्रेस है। बायोपिक में अभिनेत्री भारतीय क्रिकेटर झूलन गोस्वामी की भूमिका निभा रही हैं।प्रोसित रॉय के निर्देशन में तैयार स्पोर्ट्स ड्रामा का टीजर जनवरी 2022 में सामने आया था। अनुष्का ने अपने आधिकारिक एक्स पर टीजर शेयर कर लिखा, यह वास्तव में एक खास फिल्म है क्योंकि यह एक जबरदस्त कहानी है।

अदिति राव हैदरी और सिद्धार्थ ने राजस्थान के एक किले में की हिंदू रीति-रिवाज के अनुसार दोबारा भव्य शादी

शादियों के मौसम में फिल्म इंडस्ट्री के एक नए जोड़े ने फिर से शादी कर ली है। जी हां, अदिति राव हैदरी और सिद्धार्थ ने 400 साल पुराने मंदिर में शादी करने के बाद राजस्थान के एक किले में भव्य शादी की। अदिति राव हैदरी और सिद्धार्थ ने अपनी दूसरी शादी की तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की हैं। अपनी साउथ इंडियन शादी की तरह ही अदिति ने अपनी दूसरी शादी के लिए भी सब्यसाची का लहंगा चुना। लाल रंग के इस लहंगे में वह दुल्हन की तरह ही खूबसूरत लग रही थीं। सिद्धार्थ और अदिति राव हैदरी ने 16 सितंबर की सुबह तेलंगाना में एक छोटे से समारोह में शादी कर ली। इस जोड़े ने अपनी सादगीपूर्ण दक्षिण भारतीय शादी के लिए श्री रंगनायकस्वामी मंदिर को चुना। शादी समारोह के दौरान उनके करीबी दोस्त और परिवार के सदस्य मौजूद थे।

अदिति राव हैदरी और सिद्धार्थ की प्रेम कहानी

2021 की तेलुगु फ़िल्म 'महा समुद्रम' में अदिति राव हैदरी और सिद्धार्थ की पहली मुलाक़ात हुई थी। सूत्रों का दावा है कि फ़िल्मांकन के दौरान दोनों अच्छे दोस्त बन गए और इस एक्शन से भरपूर प्रेम नाटक में उनकी ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री असल ज़िंदगी में भी बनी रही। समय के साथ, वे अविभाज्य हो गए, अक्सर सार्वजनिक रूप से एक साथ दिखाई देते और एक-दूसरे को साथी कहते। दर्शकों ने तुरंत ही पर्दे के पीछे चल रहे असल जिंदगी के रोमांस के बारे में अनुमान लगा लिया क्योंकि उनकी केमिस्ट्री साफ थी। मीडिया सूत्रों ने उनके रिश्ते की स्थिति के बारे में अफ़वाहें फैलाना शुरू कर दिया। दूसरी ओर, अदिति और सिद्धार्थ ने मार्च 2024 में अंगूठियों का आदान-प्रदान करने तक कभी भी सार्वजनिक रूप से अपने प्यार पर चर्चा नहीं की थी। अब जबकि वे कानूनी रूप से विवाहित हैं, यह जोड़ी अपने जीवन में एक नया अध्याय शुरू कर रही है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आप की नासमझी और बडो के प्रति गलत व्यवहार परिवारिक के माहौल को बिगाड़ सकता हैं . यह स्थिति आपको तनावग्रस्त कर सकती है. आज कार्य स्थल पर सह-कर्मियों से टकराव होने का खतरा है. घरेलू मोर्चे से निपटने के लिए संयमित रहने की जरुरत हैं वित्तीय व्यवहार और निवेश के साथ अधिक सतर्क और सावधान रहें क्योंकि दिन ज्यादा अनुकूल नहीं है, कमाई घट सकती है और धन अवरुद्ध हो सकता है.कर्ज लेने से बचें। धार्मिक ग्रंथ का स्वाध्याय करें।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज आपका कोई सोचा हुआ काम पूरा हो जायेगा. इस राशि के छात्रों के करियर में आज नया बदलाव आयेगा, जो उनके भविष्य के लिए फायदेमंद होगा. आपकी सेहत बेहतर बनी रहेगी. इस राशि के जो लोग सोशल साइट्स पर काम करते हैं, उनकी जान-पहचान किसी ऐसे व्यक्ति से होगी, जिससे आपको काफी लाभ मिलेगा. कारोबार में कुछ लोग मददगार साबित होंगे. आपको कोई महत्वपूर्ण काम मिल सकता है. सामाजिक क्षेत्र में आपकी सराहना होगी. अपने मस्तक पर चंदन का तिलक लगाएं, आपके साथ सब अच्छा होगा.

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

आप के रुके हुए काम मे परिवार का सहयोग मिलेगा. कार्यस्थल पर सोच-समझकर बोलें. उन्नति के रास्ते खुलेंगे. बिजनेस में फायदा होने के योग बन रहे हैं. घर में उपयोग होने वाली वस्तुएं खरीद सकते हैं. अपनी सोच सकारात्मक रखें. विश्वसनीय व्यक्ति का सहयोग भी मिल सकता है.आपकी भावनाओं का सम्मान होगा. दाम्पत्यजीवन सुखमय हैं स्वास्थ्य का देखभाल करें।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज सुबह कुछ ऐसा वाद विवाद होगा जिससे पारिवारिक सदस्यो का मन विचलित हो सकता है. आप को सामाजिक प्रतिष्ठा मिलेगी. व्यापार-व्यवसाय में वृद्धि के योग हैं. उत्साह बना रहेगा. काम में मन लगेगा. नया काम मिलेगा. प्यार के लिए समय बेहतरीन है. नई जगह निवेश करने के लिए आप उत्सुक रहेंगे. कार्यक्षेत्र में पदोन्नति के योग बन रहे हैं. बिजनेस में धन लाभ के योग बन रहे हैं. आज प्रेमी और जीवनसाथी ही आपकी बड़ी ताकत होगा. छोटे बालक को दूध की सेवा करें।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आप का भाग्य प्रबल हैं आप प्रभावशाली लोगों से संपर्क स्थापित करेंगे. आप एक नई साझेदारी में प्रवेश कर सकते हैं और अपने लाभ को बढ़ा सकते हैं. अगर आप काम के लिए विदेश जाना चाहते हैं तो अपने प्रयासों को आगे बढ़ाएं. वित्तीय मामले आसानी से आगे बढ़ेंगे. प्रतिद्वंद्वी गतिविधि आपको नुकसान नहीं पहुंचाएगी. पारिवारिक जीवन आनंदमय रहेगा और आप अपने परिवार के सदस्यों के साथ किसी धार्मिक पर जा सकते हैं मानसिक शांति के लिए आप को परिवार के साथ धर्म युक्त यात्रा करनी होगी ।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

समय आज अनुकूल हैं आज आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा. छात्रो का शिक्षकों के साथ करियर में आगे बढ़ने के नए अवसर भी सामने आएंगे संतान पक्ष की ओर से आपको सुख की प्राप्ति होगी. अपने कार्यों में संतान से पूरी मदद मिलेगी. आपको पैसे कमाने के अच्छे मौके मिलेंगे. किसी खास व्यक्ति से कामकाज के मामले में आपको कुछ नए आइडिया मिल सकते हैं. शाम को बच्चों के साथ पार्क में घूमने जायेंगे गाय को गेहूँ का भूसा खिलाए।

तुला – र,री,रु,रे,रो,ता,ति,तू,ते

शिवलिंग पर दूध चढाए एवं पंचाक्षर मंत्र का जप आप को कर्ज से छुटकारा मिल सकता है. अपने काम पर पूरी नजरे रखें. अधिकारियों से सहयोग मिलेगा. आज आपके लिए योजना बनाना मेहनत करने से भी ज्यादा कारगर साबित हो सकता है. आपके लिए परिवार, जमीन-जायदाद के मामले, दोस्त और रिश्तेदार बहुत खास हो सकते हैं। कुछ नया और सकारात्मक काम आप को मान प्रतिष्ठा देगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज खर्च ज्यादा होगा घरेलू जिम्मेदारियों में धन खर्च होने की संभावना है, कोई महत्वपूर्ण कार्य पूरा होगा जिससे मन प्रसन्न होगा. आपको परिवार के सदस्यों और दोस्तों के साथ बिताने के लिए पर्याप्त समय मिलेगा.
आत्मविश्वास में वृद्धि होगी. पुराने मित्रों के साथ यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है.यात्रा पर दही का प्राशन करके ही निकले।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आय का स्रोत बढेगा आर्थिक रूप से यह बहुत अच्छी अवधि है. व्यापारी वर्ग वांछित परिणाम प्राप्त करेंगे और अपने कार्य क्षेत्र में अपने लिए जगह बनाएंगे. सामाजिक लोकप्रियता प्राप्त करने के शुभ संकेत हैं. आपको कोई शुभ समाचार प्राप्त होगा. परिवार में शादी या बच्चे का जन्म हो सकता है. प्रेम सम्बन्ध मजबूत होंगे. छात्र अच्छा प्रदर्शन करेंगे. शारीरीक कष्ट बनेगा ।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज काम का बोझ ज्यादा रहेगा सीनियर भी काम का अधिक प्रेशर देंगे पारिवारिक मामलों में आपको भागदौड़ करनी पड़ेगी. ऑफिस में काम धीमी गति से पूरे हो सकते हैं, इससे आपकी परेशानी थोड़ी बढ़ सकती है. आज किसी से भी बेवजह मजाक करने से आपको बचना चाहिए. आप नए काम पर सोच-विचार कर सकते हैं. आप किसी दोस्त से मदद मांग सकते हैं. सेहत ठीक बनी रहेगी. आपके काम में स्थिरता बनी रहेगी.बस हनुमानजी को सिन्दूर तेल चढाए।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज समय नक्षत्र आप के लिए अनुकूल हैं बिजनेस में आत्मनिर्भरता रहेगी. नए लोगों से मुलाकात होगी कामकाज बढ़ेगा. साथ के लोगों से सहयोग मिल सकता है. नए लोगों से भी अच्छे संबंध बनेंगे. बेरोजगार लोगों को रोजगार मिलेगा. आपकी आर्थिक स्थिति में जल्दी ही सुधार लाने में सफल रहेंगे. आपके सोचे हुए काम समय पर पूरे हो जाएंगे. मौसमी बीमारियां भी हो सकती हैं.भोजन पर नियंत्रण रखें।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आप को परिवार के प्रति जिम्मेदारी पूर्ण रवैया अपनाना पडेगा परिवार के साथ रुखा व्यवहार करने से परेशानी मे आ सकते हैं . यह पारिवारिक शान्ति को भंग कर सकता है.किसी बड़ी समस्या से सामना हो सकता है. दूसरों के बहकावे में न आएं. आय में निश्चितता रहेगी. अपने स्वास्थ्य पर ध्यान दें. निवेश के लिए अच्छा दिन है, लेकिन उचित सलाह से ही निवेश करें. शिक्षा-प्रतियोगिता में सफलता मिलेगी , शिव मंत्र का जप करें ईष्ट का स्मरण करें।

गुरुवार का पंचांग

दिनांक : 28 नवंबर 2024 , गुरुवार
विक्रम संवत : 2081
मास : मार्गशीर्ष ,कृष्ण पक्ष
तिथि : त्रयोदशी अहोरात्र
नक्षत्र : चित्रा प्रातः 07:36 तक
योग : सौभाग्य सायं 06:00 तक
करण : गर सायं 07:36 तक
चन्द्रराशि : तुला
सूर्योदय : 06:28, सूर्यास्त 05:39 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:24 , सूर्यास्त 05:50 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:18 , सूर्यास्त 05:42 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:18, सूर्यास्त 05:32 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

शुभ चौघड़िया
शुभ : 06:00 से 07:30
चल : 10:30 से 12:00
लाभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : दोपहर 01:30 से 03:00
शुभ : 04:30 से 06:00
दिशाशूल : दक्षिण दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : प्रदोष व्रत

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

अजमेर दरगाह में शिव मंदिर दावे वाली याचिका को कोर्ट ने स्वीकार किया

अजमेर,27 नवंबर (एजेंसियां)। अजमेर स्थित ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती की दरगाह परिसर में एक शिव मंदिर होने का दावा करने वाली याचिका को अजमेर सिविल कोर्ट ने स्वीकार कर लिया है। बुधवार को अदालत ने इस मामले को सुनने योग्य मानते हुए हिंदू सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष विष्णु गुप्ता द्वारा दाखिल की गई याचिका पर नोटिस जारी कर दिया। याचिका में यह दावा किया गया है कि दरगाह के निर्माण में मंदिर का मलबा इस्तेमाल हुआ है और इस परिसर में एक प्राचीन जैन मंदिर भी मौजूद था। सिविल कोर्ट ने याचिका के संबंध में अल्पसंख्यक मंत्रालय, दरगाह कमेटी अजमेर, और भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग को नोटिस भेजा है। मामले की अगली सुनवाई 20 दिसंबर को होगी। याचिका में रिटायर्ड जज हरविलास शारदा की 1911 में लिखी किताब अजमेर : हिस्टॉरिकल एंड डिस्क्रिप्टिव का हवाला दिया गया है,

जिसमें यह कहा गया है कि दरगाह के बुलंद दरवाजे में मंदिर के मलबे के अंश पाए गए थे, और यहां एक शिवलिंग भी था। विष्णु गुप्ता ने अपनी याचिका में दावा किया कि दरगाह के आसपास हिंदू परंपरा की नक्काशी की गई है, जो इस बात का प्रमाण है कि इस स्थल पर पहले कोई शिव मंदिर था। उन्होंने यह भी कहा कि यहां एक झरना और पेड़ होने की संभावना को देखते हुए, यह स्थल पहले धार्मिक रूप से शिव के पूजन के लिए इस्तेमाल किया जाता था। साथ ही, गुप्ता ने पुरातत्व विभाग से यहां जांच की अपील की है।

याचिका में दरगाह परिसर के से सर्वे कराने की अपील की गई है। इसमें मध्य प्रदेश के धार स्थित भोजशाला और बनारस जैसे अन्य स्थानों का उदाहरण भी दिया गया है, जहां इसी प्रकार के धार्मिक दावे उठाए गए हैं। याचिका में दरगाह कमेटी, अल्पसंख्यक मंत्रालय और भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग को पक्षकार बनाया गया है, और साथ ही यह मांग की गई है कि दरगाह के परिसर में किए गए निर्माण को अवैध घोषित किया जाए और शिव मंदिर में पूजा-अर्चना करने का अधिकार हिंदू समुदाय को दिया जाए।

राजस्थान के अजमेर स्थित दरगाह भारत के सबसे पवित्र और महत्वपूर्ण धार्मिक स्थलों में से एक मानी जाती है। यहां पर पर्शिया (फारस) से आए सूफी संत ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती की समाधि है। ख्वाजा साहब की धर्म निरपेक्ष शिक्षाओं के कारण, दरगाह में सभी धर्मों, जातियों और आस्थाओं के लोग आते हैं और यहां आस्था से अपनी श्रद्धा व्यक्त करते हैं।

उदयपुर पूर्व राजघराने का विवाद सुलझा

धूणी दर्शन की परंपरा पूरी, विश्वराज सिंह ने किए एकलिंगजी और धूणी के दर्शन

जयपुर,27 नवंबर (एजेंसियां)। मेवाड़ राजघराने की परंपराओं और आस्थाओं के बीच लंबे समय से चल रहा विवाद अब समाप्त हो गया है। उदयपुर के पूर्व राजघराने के बतौर मुखिया विश्वराज सिंह ने बुधवार को एकलिंगजी भगवान के दर्शन करके आस्था और परंपरा की एक और कड़ी जोड़ी, और शाम को सिटी पैलेस में धूणी के दर्शन कर परंपरा को पूरा किया। इस घटनाक्रम को लेकर राजघराने के समर्थकों ने खुशी का इजहार किया और क्षेत्रीय उत्साह के साथ आतिशबाजी की।

मेवाड़ के पूर्व राजघराने के मुखिया महेंद्र सिंह मेवाड़ के निधन के बाद उनके ज्येष्ठ पुत्र विश्वराज सिंह मेवाड़ का चित्तौड़गढ़ में राजतिलक हुआ था, जो उनकी आस्थाओं और परंपराओं के पालन का प्रतीक था। लेकिन, सिटी पैलेस, जहां उनके चाचा अरविंद सिंह मेवाड़ का कब्जा है, वहाँ धूणी के दर्शन को लेकर विवाद खड़ा हो गया था। यह विवाद इतना बढ़ा कि हिंसा की घटनाएं

भी सामने आईं और प्रशासन को कानून व्यवस्था बनाए रखने में दिक्कतें आईं।

जिला कलेक्टर अरविंद पोसवाल के नेतृत्व में जारी वार्ता के बाद, बुधवार शाम को पांच लोगों के साथ विश्वराज सिंह मेवाड़ को धूणी के दर्शन कराए जाने पर सहमति बनी। इसके बाद, दूधतलाई स्थित प्रवेश द्वार से विश्वराज सिंह और उनके समर्थकों ने सिटी पैलेस में प्रवेश किया, जहां आस्था और परंपरा की मिसाल पेश की गई।यह घटना न केवल मेवाड़ राजघराने के आस्था और परंपरा को एक बार फिर स्थापित करती है, बल्कि यह भी साबित करती है कि जब धार्मिक आस्थाएं और परिवार की परंपराएँ एक साथ खड़ी होती हैं, तो विवादों के बावजूद, समाधान का रास्ता निकल ही आता है।

जेडीए ने 57 बीघा भूमि पर मौजूद अवैध कॉलोनियों को किया ध्वस्त

जयपुर,27 नवंबर (एजेंसियां)। जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा जोन-13 में निजी खातेदारी करीब 34.5 बीघा कृषि भूमि पर 03 नवीन अवैध कॉलोनियों को प्रारंभिक स्तर पर ही पूर्णतः ध्वस्त किया गया। जोन-11 में निजी खातेदारी करीब 22 बीघा कृषि भूमि पर 02 नवीन अवैध कॉलोनियों का प्रारंभिक स्तर पर ही पूर्णतः ध्वस्त एवं ग्राम बगरू तहसील सांगानेर में करीब 7 बीघा गैर मुमकिन आम रास्ता, चारागाह सरकारी भूमि को कब्जा-अतिक्रमण मुक्त करवाया गया।

उप महानिरीक्षक पुलिस कैलाश चन्द्र विश्नोई ने बताया कि जोन-13 के क्षेत्राधिकार में अवस्थित ग्राम सेवापुरा दौलतपुरा रोड पर कचरा प्लांट के पास जिला जयपुर में करीब 27 बीघा निजी खातेदारी कृषि भूमि पर जेडीए की बिना स्वीकृति-अनुमोदन के एवं बिना भू रूपान्तरण करवायें भूमि को समतल कर विगत दिवसों में मौका पाकर रातों-रात बनाई गई डामर की 07 सडकें, बाउण्ड्रीवाल व अन्य अवैध निर्माण कर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने की सूचना प्राप्त होते ही प्रारंभिक स्तर पर ही आज जोन-13 के राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मशीन व मजदूरों की सहायता से ध्वस्त किया जाकर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने के प्रयास को विफल किया गया। जोन-13 के क्षेत्राधिकार में अवस्थित ग्राम मोठू का वास के खोरा श्यामदास जाने वाले चौराहे के पास जिला जयपुर में करीब 06 बीघा निजी खातेदारी कृषि भूमि पर जेडीए की बिना स्वीकृति-अनुमोदन के एवं बिना भू रूपान्तरण करवायें भूमि को समतल कर 'ष्याम वटिका विस्तार' के नाम से विगत दिवसों में मौका पाकर रातों-रात बनाई गई मिट्टी-ग्रेवल सडकें, बाउण्ड्रीवाल व अन्य अवैध निर्माण कर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने की सूचना प्राप्त होते ही प्रारंभिक स्तर पर ही आज जोन-13 के राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मशीन व मजदूरों की सहायता से ध्वस्त किया

जाकर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने के प्रयास को विफल किया गया।

जेडीए द्वारा जोन-13 के क्षेत्राधिकार में अवस्थित ग्राम चोमू में होली दरवाजे के पास जिला जयपुर में करीब 1.5 बीघा निजी खातेदारी कृषि भूमि पर जेडीए की बिना स्वीकृति-अनुमोदन के एवं बिना भू रूपान्तरण करवायें भूमि को समतल कर 'बालाजी नगर' के नाम से विगत दिवसों में मौका पाकर रातों-रात बनाई गई मिट्टी-ग्रेवल सडकें, बाउण्ड्रीवाल व अन्य अवैध निर्माण कर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने की सूचना प्राप्त होते ही प्रारंभिक स्तर पर ही आज जोन-13 के राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मशीन व मजदूरों की सहायता से ध्वस्त किया जाकर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने के प्रयास को विफल किया गया।

जेडीए द्वारा जोन-11 के क्षेत्राधिकार में अवस्थित ग्राम बगरू तहसील सांगानेर, जिला जयपुर में करीब 20 बीघा निजी खातेदारी कृषि भूमि पर जेडीए की बिना स्वीकृति-अनुमोदन के एवं बिना भू रूपान्तरण करवायें भूमि को समतल कर 'जगन्नाथ सिटी' के नाम से विगत दिवसों में मौका पाकर रातों-रात बनाई गई सीमेंट के ब्लॉक की सडके,प्लोटो की बाउण्ड्रीवाल व अन्य अवैध निर्माण कर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने की सूचना प्राप्त होते ही प्रारंभिक स्तर पर ही आज जोन-11 के राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मशीन व मजदूरों की सहायता से ध्वस्त किया जाकर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने के प्रयास को विफल किया गया।

1000 रुपए की रिश्वत लेते हुए अधिकारी गिरफ्तार

भरतपुर,27 नवंबर (एजेंसियां)। एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) की भरतपुर इकाई ने बुधवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए वरिष्ठ पशु चिकित्सा अधिकारी सौरभ कुमार गुप्ता को 1,000 रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। यह कार्यवाही ए.सी.वी. मुख्यालय के निर्देश पर की गई।सूत्रों के अनुसार, एक परिवादी ने शिकायत की थी कि उसने अपनी चार भैसों के चारा-पानी के लिए लोन आवेदन किया था, जिसकी सत्यापन प्रक्रिया के दौरान सौरभ कुमार गुप्ता ने प्रति पशु 500 रुपये के हिसाब से दो हजार रुपये की रिश्वत मांगी थी। एसीबी की भरतपुर इकाई ने शिकायत का सत्यापन करते हुए, उप महानिरीक्षक पुलिस राजेश सिंह और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अमित सिंह के नेतृत्व में ट्रेप कार्रवाई की। टीम ने आरोपी सौरभ कुमार गुप्ता को परिवादी से 1,000 रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ पकड़ लिया। इसके अलावा, यह भी सामने आया कि आरोपी ने सत्यापन के दौरान पहले ही 1,000 रुपये की रिश्वत वसूल कर ली थी। इस कार्रवाई के बाद एसीबी ने भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर आरोपी से पूछताछ शुरू कर दी है।

सचिन पायलट से विधायक डीसी बैरवा की मुलाकात

क्षेत्रवासियों के साथ आभार व्यक्त

दौसा,27 नवंबर (एजेंसियां)। नवनिर्वाचित विधायक डीसी बैरवा ने बुधवार को जयपुर स्थित एआईसीसी महासचिव सचिन पायलट के आवास पर उनसे मुलाकात की। इस अवसर पर विधायक बैरवा ने अपने परिवार सहित सचिन पायलट को पुष्प गुच्छ भेंट कर उन्हें आभार व्यक्त किया। उनके साथ कंवरपाल गुर्जर, राम अवतार चौधरी, रामावतार मावई, नरेंद्र जैमन, लवाण प्रधान बीना बैरवा, हंसराज गुर्जर जैसे कई कार्यकर्ता भी उपस्थित थे।

विधायक बैरवा ने अपने संबोधन में कहा कि वह जनता की उम्मीदों पर खरा उतरने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस की विचारधारा को सर्वोपरि मानते हुए वह हमेशा जनसेवा और क्षेत्र के विकास के लिए समर्पित रहेंगे। बैरवा ने इस मौके पर क्षेत्रवासियों के लिए निरंतर काम करने का संकल्प लिया, और अपने क्षेत्र में विकास कार्यों को प्राथमिकता देने का आश्वासन दिया।

सीएम नायब सिंह सैनी ने झाड़ू लगाकर दिया स्वच्छता का संदेश

कुरुक्षेत्र,27 नवंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह ने बुधवार को कुरुक्षेत्र में लोगों को स्वच्छता की शपथ दिलाई। वह कुरुक्षेत्र में आयोजित प्रदेश स्तरीय स्वच्छता अभियान में हिस्सा लेने पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने स्वच्छता की अहमियत पर भी प्रकाश डाला।

मुख्यमंत्री ने खुद अपने हाथों से झाड़ू लगाकर लोगों को स्वच्छता का संदेश दिया। उन्होंने लोगों से अपील की कि वो स्वच्छता के महत्व को समझते हुए अपने आसपास के क्षेत्रों को स्वच्छ रखें। इस अभियान के साथ ही शहर के 18 सेक्टरों में एक साथ स्वच्छता महाअभियान चलेगा और उम्मीद है कि इसमें हजारों लोग शामिल होंगे। मुख्यमंत्री ने स्वच्छता अभियान की शुरुआत शेखचिल्ली के मकबरे के पास से की।

इस दौरान, उन्होंने लोगों से कहा, गीता की इस धरती पर से ही श्री कृष्ण

ने हजारों वर्ष पहले पूरे मानवता के लिए अमर संदेश दिया था। दुनिया के कोने-कोने से लोग यहां आते हैं। ऐसी स्थिति में हमारी यह जिम्मेदारी बन जाती है कि हम अपनी धर्मनगरी को पूरी तरह स्वच्छ रखें, ताकि यहां आने वाले लोगों के बीच गीता के संदेश के साथ ही स्वच्छता का भी संदेश जाए।

उन्होंने इस बात पर बल दिया कि यह हमारे लिए सौभाग्य की बात है कि हम इस धरा के रहने वाले हैं। कुरुक्षेत्र में 'अंतरराष्ट्रीय गीता जयंती महोत्सव' के आयोजन से एक दिन पहले मुख्यमंत्री ने लोगों को स्वच्छता का संदेश दिया है। महोत्सव के दौरान पूरे क्षेत्र को महाभारत के 18 अध्यायों की तर्ज पर 18 सेक्टरों में बांटा गया है। 18 जोन में शहर की धार्मिक, सामाजिक संस्थाओं के साथ-साथ आरडब्लयूए भी अपना योगदान देगी और हर सेक्टर के लिए एक नोडल अधिकारी की ड्यूटी भी लगाई गई है।

गोली चलाने की घटना में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया

फरीदाबाद,27 नवंबर (एजेंसियां)। फरीदाबाद के सेक्टर 28 में 25-26 नवंबर की रात 1:30 बजे एक गंभीर घटना घटी, जिसमें दो युवकों द्वारा गोली चलाई गई। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। यह घटना तब हुई जब एक कार सवार युवक ने बाइक सवार से एक्सीडेंट किया, और जब आसपास के लोग मदद करने पहुंचे, तो कार सवार युवकों ने उन पर गोली चला दी, जिससे एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया।

घायल व्यक्ति का इलाज चल रहा है, और वह खतरे से बाहर है। इस संदर्भ में प्रेस वार्ता करते हुए क्राइम ब्रांच के डीसीपी मकसूद अहमद ने जानकारी दी कि दोनों आरोपी उत्तर प्रदेश के रहने वाले हैं। गोली चलाने वाला आरोपी पुनीत है, जो फरीदाबाद के सेक्टर 31 में रहता है। पुनीत के खिलाफ पहले भी दो क्रिमिनल मामले दर्ज हैं। वहीं, दूसरे आरोपी का नाम सुरजीत है, जो बलिया, उत्तर प्रदेश का रहने वाला है और फिलहाल फरीदाबाद के पल्ला एत्मादपुर गांव में रह रहा है। पुनीत, जो कि एक पढ़े-लिखे व्यक्ति हैं और एलएलबी की डिग्री रखते हैं, बीडी गोदाम का मालिक भी है।

डेंगू का कहर और सरकारी अनदेखी ले रही है लोगों की जान : हुड्डा

चंडीगढ़ ,27 नवंबर (एजेंसियां)। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने डेंगू के बढ़ते मामलों पर गहरी चिंता जाहिर की है। उन्होंने कहा कि डेंगू का सरकारी आंकड़ा करीब 6000 पर पहुंच गया है। लेकिन हकीकत में मामले इससे कई गुना ज्यादा हैं। अस्पतालों की ऐसी हालत है कि मरीज को भर्ती करने के लिए बेड तक मुहैया नहीं हो रहे हैं और ना ही उनका उचित इलाज हो पा रहा है। लगातार बीमारी लोगों की जान ले रही है लेकिन सरकार कुंभकरनी नींद में सो रही है। डेंगू का कहर और सरकारी अनदेखी लोगों की जिंदगी पर भारी पड़ रही है।

भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि डेंगू ऐसी बीमारी है, अगर वक्त रहती इसकी रोकथाम की जाए तो इससे बचा जा सकता है। लेकिन बीजेपी ने वक्त रहते ना फॉगिंग करवाई और ना ही स्वास्थ्य विभाग में डेंगू के लार्वा को खत्म करने के लिए किसी तरह की सक्रियता दिखाई। बीजेपी नई सरकार के जश्न में डूबी रही और लोगों की जान जाती रही। अब भी सरकार की तरफ से ऐसे कोई कदम नहीं उठाए जा रहे, जिससे बीमारी कम हो।क्योंकि जब से भाजपा सत्ता में आई है, उसने स्वास्थ्य सेवाओं को दुरुस्त करने की बजाय एक के बाद एक घोटाले को अंजाम देने का काम किया

है। ऐसा करके ना सिर्फ सरकार ने जनता का करोड़ों रुपया लूटा है, बल्कि लोगों की जिंदगी से भी खिलवाड़ किया है। ये खुलासा खुद कैग (नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक) की ताजा रिपोर्ट में हुआ है। रिपोर्ट से स्पष्ट है कि नागरिकों को स्वास्थ्य सेवाएं और डॉक्टर मुहैया करवाने की बजाय सरकार करोड़ों रुपए के घोटालों को अंजाम देने में लगी हुई है। रिपोर्ट ने बताया है कि मात्र 42 से 209 किलोमीटर का सफर, कई एंबुलेंस ने 1,05,000 से लेकर 5 लाख रुपए में तय किया। यानी लगभग 2500 रुपये प्रति किलोमीटर में एंबुलेंस ने अपनी सेवाएं दीं। हमारी मांग है कि ऐसी एंबुलेंस चलाने की बजाए बीजेपी सरकार हेलीकॉप्टर चलवा दे, क्योंकि वो भी इससे सस्ता पड़ेगा।इतना ही नहीं एंबुलेंस के मरीजों तक पहुंचने के समय में भी जमकर झोल किया गया है। मरीज की कॉल और मरीज तक एंबुलेंस पहुंचने का टाइम बिलकुल एक ही है। यानी 0 सेकेंड, 0 मिनट में एंबुलेंस मरीज के पास पहुंच गई, मानो मरीज ने एंबुलेंस में बैठने के बाद ही कॉल किया हो।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.